राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 185 पटना (बिहार) बुधवार,07 मई 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

ऑपरेशन सिंदूर- भारत ने पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक की:9 आतंकी ठिकानों पर हमला

30 मौतें, जैश, लश्कर के मुख्यालय तबाह; भारत ने 24 मिसाइलें दागीं

भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला ले लिया है। पड़ोसी के जारी तनाव के बीच भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को मिसाइलें दागीं। पहलगाम आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारत ने आतंकियों को मिट्टी में मिला दिया है। जानकारी के मुताबिक, भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की है। भारतीय सशस्त्र बलों इस ऑपरेशन को ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न नाम दिया है। इस बीच समाचार एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कई ठिकानों पर हमले भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना ने संयुक्त अभियान चलाकर किया। सेनाओं ने सटीक हमला करने वाले हथियारों का इस्तेमाल करके दहशतगर्दों को मिट्टी में मिलाने का काम किया। सेना ने भारतीय जमीन से ही दहशतगर्दों को सबक सिखाने का काम किया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि भारतीय बलों ने उन आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाया है, जहां से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई गई और निर्देशित किया गया था। कुल मिलाकर नौ जगहों को निशाना बनाया गया है। हमारी कार्रवाई केंद्रित, पहले से तय और प्रकृति में गैर-उग्र रही है। किसी भी पाकिस्तानी सैन्य सुविधा को निशाना नहीं बनाया गया है। मंत्रालय ने कहा कि भारत ने टारगेट के चयन और हमले के तरीके में काफी संयम दिखाया है। ये कदम पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले के मद्देनजर उठाए गए हैं, जिसमें 25 भारतीयों और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई

थी। हम इस प्रतिबद्धता पर खरे उतर रहे हैं कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि जल्द ही ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

पहलगाम में आतंकी हमले के गुनहगारों को दी सजा

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बायसरन घाटी में मौजूद घास के मैदान में छुट्टियों का लुत्फ उठा रहे 26 पर्यटकों की आतंकियों ने गोली मार कर हत्या कर दी थी। इसके बाद से पाकिस्तान लगातार गीदड़भभकियां दे रहा था। इस बीच भारत ने आज देशभर में मॉक ड्रिल करने की योजना बनाई थी, इस बीच भारतीय सेना ने पाकिस्तान के खिलाफ स्ट्राइक को अंजाम दिया है।

पाकिस्तान ने शुरू किए मगरमच्छ के आंसू बहाना

भारत के जवाबी पलटवर के बाद पाकिस्तान ने दुनिया के सामने आंसू बहाना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान के डॉन न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि दोनों देशों के बीच तीव्र तनाव के बीच भारत ने कोटली, बहावलपुर और मुजफ्फराबाद में मिसाइल हमले किए हैं। यह एक कायरतापूर्ण हमला है। उन्होंने सुबह 4:08 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए खुद कबूल किसा कि भारत की ओर से छह इलाकों में विभिन्न हथियारों से कुल 24 ठिकानों को निशाना बनाया गया। इन छह इलाकों में हमारे क्षति आकलन के आधार पर आठ पाकिस्तानी मारे गए हैं।

राहुल गांधी पहुंचे करनाल, पहलगाम हमले में शहीद नरवाल के परिजनों से मिले

करनाल,। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मंगलवार को हरियाणा के करनाल पहुंचे, जहां उन्होंने आतंकवादी हमले में शहीद हुए नेवी के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के परिजनों से मुलाकात की और शहीद नरवाल को श्रद्धांजलि देते हुए शोक जताया। बता दें 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकियों ने लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की निर्मम हत्या कर दी थी। यह हमला उनकी पत्नी हिमांशी की के सामने हुआ था। इस हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। हमले में 28 लोगों की जान गई थी। हिमांशी नरवाल ने इस भीषण हमले के बाद सबसे पहले सार्वजनिक रूप से बयान देते हुए शहीद के प्रति सम्मान जताने के साथ-साथ हमले के बाद समाज में फैल रही मुस्लिम और कश्मीरी समुदाय के खिलाफ नफरत की प्रवृत्ति पर भी सख्त आपत्ति जताई। हिमांशी ने कहा था कि मेरे पति ने देश के लिए बलिदान दिया, नफरत फैलाने के लिए नहीं। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को धार्मिक या जातीय रंग न दिया जाए। इस बीच हरियाणा सरकार ने शहीद लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के परिवार को 50 लाख रुपए की आर्थिक मदद और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की है।

कांग्रेस ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी कहा- 50 प्रतिशत की आरक्षण सीमा हटाएं

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के जातिगत गणना के फैसले से कांग्रेस काफी खुश नजर आ रही है। उसे लग रहा है कि उसकी वर्षो पुरानी मांग पूरी हो गई है। अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जातिगत जनगणना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने देशभर में चलने वाली इस कवायद को लेकर सभी राजनीतिक दलों से बातचीत शुरू करने की अपील की है। पीएम मोदी को उन्होंने इस काम के लिए कांग्रेस शासित तेलंगाना में अपनाए गए मॉडल का इस्तेमाल करने का सुझाव भी दिया है। खरगे ने अपने पत्र में कहा है कि राज्यों की ओर से पारित आरक्षण को तमिलनाडु की तर्ज पर संविधान की नौंवी अनुसूची में डाला जाए, आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा को खत्म किया जाए और निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था लागू हो। इसके साथ ही उन्होंने कहा, ह्यजातिगत जनगणना सिर्फ आंकड़े इकट्ठा करने के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास के बड़े मकसदों को हासिल करने के लिए होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनगणना के सवालों को इस तरह तैयार किया जाना चाहिए, जिससे हर जाति के सामाजिक और आर्थिक हालात का सही आकलन हो सके और उनके संवैधानिक अधिकारों को मजबूत किया जा सके। पीएम मोदी को लिखे पत्र में खरगे ने कहा, ह्यमैंने 16 अप्रैल 2023 को आपको पत्र लिखकर कांग्रेस की तरफ से जातिगत जनगणना कराने की मांग आपके समक्ष रखी थी। अफसोस की बात है कि मुझे उस पत्र का कोई जवाब नहीं मिला। दुर्भाग्य से, उसके बाद आपके पार्टी के नेताओं और खुद आपने कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के नेतृत्व पर इस जायज मांग को उठाने के लिए लगातार हमले किए।ह्न उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री खुद स्वीकार कर रहे हैं कि यह मांग गहन सामाजिक न्याय और

सामाजिक सशक्तीकरण के हित में है।ह्न पत्र में कहा गया है, आपने बिना किसी स्पष्ट विवरण के यह घोषणा की है कि अगली जनगणना (जो वास्तव में 2021 में होनी थी) में जाति को भी एक अलग श्रेणी के रूप में शामिल किया जाएगा। खरगे ने कांग्रेस शासित तेलंगाना में हुए जातिगत सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा, ह्यजनगणना से सम्बंधित प्रश्नावली का डिजाइन बेहद महत्वपूर्ण है। जाति से जुड़ी जानकारी केवल गिनती के लिए नहीं बल्कि व्यापक सामाजिक-आर्थिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एकत्र की जानी चाहिए। गृह मंत्रालय को जनगणना में पूछे जानेवाले प्रश्नों के लिए तेलंगाना मॉडल का उपयोग करना चाहिए। उनके अनुसार, जनगणना के अंत में होने वाली रिपोर्ट में कुछ भी छिपाया नहीं जाना चाहिए ताकि प्रत्येक जाति के पूर्ण सामाजिक-आर्थिक आंकडे सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हों, जिससे एक जनगणना से दूसरी जनगणना तक उनकी सामाजिक-आर्थिक प्रगति को मापा जा सके और उन्हें संवैधानिक अधिकार दिए जा सकें। कांग्रेस अध्यक्ष का कहना है, इसके अलावा जाति जनगणना के जो भी नतीजे आएं, यह स्पष्ट है कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गो के लिए आरक्षण पर मनमाने ढंग से लगाई गई 50 प्रतिशत की अधिकतम सीमा को संविधान संशोधन के माध्यम से हटाना होगा।

कांग्रेस ने तीन अहम सुझाव दिए

1. तेलंगाना मॉडल को अपनाया जाए, ताकि सही और गहराई से डेटा इकट्ठा किया जा सके। 2. आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा हटाई जाए, जिससे ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंदों को इसका लाभ मिल सके। 3. निजी शिक्षण संस्थानों में भी आरक्षण लागू किया जाए, ताकि आर्थिक और सामाजिक बराबरी सुनिश्चित हो।

तुम पाकिस्तानी हो.बोलकर शख्स से की गई मारपीट, पीड़ित ने की खुदकुशी, पत्नी ने बताई पूरी घटना

महाराष्ट्र महाराष्ट्र के लातूर में 30 वर्षीय एक व्यक्ति ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली और उसकी पत्नी ने दावा किया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने उस पर श्पाकिस्तानीश् होने का आरोप लगाया था और घटना से एक दिन पहले उसके साथ मारपीट की थी। मध्य महाराष्ट्र के लातूर शहर के निवासी आमिर गफूर पठान (30) ने चार मई की शाम को कथित तौर पर फांसी लगा ली। उनकी पत्नी समरीन आमिर पठान पड़ोसी धाराशिव में एक निजी बैंक में उप प्रबंधक के रूप में काम करती है। उसने अपनी शिकायत में कहा कि जब वह शाम को बस से लौटती थी तो वह आमतौर पर उसे स्कूटर पर लेने आते थे। तीन मई को जब वह लातूर शहर में बस से उतरी और अपने पति को फोन किया तो उसने सुना कि पठान किसी से विनती कर रहा था कि वह उसे न मारे। उसकी पत्नी ने शिकायत में कहा कि बाद में पठान उसे संविधान चौक पर फटी हुई शर्ट में मिला। महिला ने कहा कि उसके पति ने (पठान) बताया कि जब वह उसका इंतजार कर रहा था

इस बार बाबा बफार्नी की 7 फीट ऊंची शिवलिंग, 3 जुलाई से होगी यात्रा शुरू

लाखों लोगों ने कराया रजिस्ट्रेशन, सुरक्षा व्यवस्था भी काफी कड़ी

श्रीनगर,। अमरनाथ की गुफा से बाबा बफार्नी की पहली तस्वीर सामने आई है। इस बार बर्फ का शिवलिंग करीब 7 फीट ऊंचा बना है। इस शिवलिंग के दर्शन के लिए देशभर से लाखों लोग बाबा के दर्शन करने आते हैं। यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी जो करीब 38 दिन तक चलेगी। 9 अगस्त को छड़ी मुबारक के साथ रक्षाबंधन के दिन यह यात्रा पूरी होगी। यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुके हैं। मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने की प्रक्रिया चल रही है। 13 से 70 साल की उम्र तक के भारतीय अमरनाथ यात्रा कर सकते हैं। पहलगाम में हुए आतंकी हमले का अमरनाथ यात्रा पर कोई असर नहीं नजर आ है। अब तक पिछले साल की तुलना में 20 फीसदी ज्यादा रजिस्ट्रेशन किए गए हैं। 15

अप्रैल से ऑफलाइन और ऑनलाइन मोड के जरिए करीब 3.50 लाख श्रद्धालुओं ने एडवांस रजिस्ट्रेशन कराया है। श्राइन बोर्ड ने ई-केवॉयसी, आरएफआईडी कार्ड, ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन और दूसरी व्यवस्थाओं को भी बेहतर करने का फैसला लिया गया है, ताकि यात्रा सुरक्षित हो सके। बोर्ड का कहना है इस बार पिछली बार से ज्यादा श्रद्धालु आ यहां आ सकते हैं, इसलिए जम्मू, श्रीनगर, बालटाल, पहलगाम, नुनवान और पंथा चौक पर रुकने और रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था भी की जा रही है। पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद अमरनाथ यात्रा से पहले सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी कर दी गई है। अब टट्टूवाले और स्थानीय सेवादार बेस कैंप में आईडी जांच के साथ रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और यात्रा के सुचारू संचालन के लिए सख्त आईडी वैरफिकेशन प्रोटोकॉल के साथ किया जा रहा है।

सीजेआई संजीव खन्ना ने 406 जजों की सिफारिश की

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने भी रिटायरमेंट से पहले उन 406 नामों की लिस्ट भी जारी कर दी है जो कोलेजियम के लिए केन्द्र सरकार को भेजे थे। इसमें से 221 उम्मीदवारों को केन्द्र सरकार ने मंजूरी दे दी है और बाकी या तो वेटिंग लिस्ट में हैं या फिर उन उम्मीदवारों के नाम को खारिज कर दिया है। सीजेआई संजीव खन्ना ने जिन उम्मीदवारों के नाम को कोलेजियम के लिए भेजा उसमें कितने एससी, कितने एसटी और कितने ओबीसी थे। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने अपनी रिटायरमेंट से एक हफ्ते पहले सोमवार को सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम की हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्तियों के लिए की गई सिफारिशों का डिटेल को

पब्लिक कर दिया है। इसमें 9 नवंबर 2022 से 5 मई इस साल तक की सभी सिफारिशों को शामिल किया है जिसमें जाति, लिंग और क्या उम्मीदवार किसी मौजूदा या सेवानिवृत्त हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के जजों के रिश्तेदार या परिवार से है। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर जारी जानकारी के अनुसार, कोलेजियम द्वारा सरकार को सिफारिश किए गए 406 उम्मीदवारों में से 221 को सरकार ने मंजूरी दी है, जबकि बाकी नाम या तो वेटिंग लिस्ट में है या उन्हें खारिज कर दिया गया है। डेटा से पता चलता है कि 406 में से केवल 34 महिलाएं थीं। केवल आठ उम्मीदवार अनुसूचित जाति से थे। 7 अनुसूचित जनजाति से थे। 32 उम्मीदवार अन्य पिछड़ा वर्ग से थे। 7 पिछड़ा/अत्यंत पिछड़ा वर्ग से थे और 14 उम्मीदवार मौजूदा या रिटायर जजों से संबंधित थे। नियुक्तियों पर अतिरिक्त डेटा का खुलासा करने का निर्णय सभी 31 सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों द्वारा अपनी संपत्ति सार्वजनिक रूप से घोषित करने के एक महीने बाद आया है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना 14 मई को रिटायर हो रहे हैं।

चेनाब नदी का पानी रोकने से पाकिस्तान में पड़ सकता है अकाल

भारत चारों तरफ से कर रहा कूटनीतिक घेराबंदी, सेना को भी दी है छूट

नई दिल्ली,। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत पाकिस्तान को घेरने की रणनीति चल रहा है। भारत ने अपनी सेना को खुली छूट दे दी है। दूसरी तरफ वह उसकी कूटनीतिक घेराबंदी भी कर रहा है। भारत ने सिंधु जल संधि तोड़ने के बाद पाकिस्तान को सबसे ज्यादा पानी देने वाली नदी चेनाब का पानी रोक दिया है। चेनाब पर बगलिहार में बने डैम के फाटक बंद कर पानी को दूसरी दिशा में मोड़ दिया है। इससे पाकिस्तान में अकाल पड़ सकता है। इस वाटर अटैक के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को लेकर और बड़ा कदम उठाया है। उसने सिंधु जल संधि की नदी पर बन रहे किशनगंगा-रतले जल विद्युत परियोजना से जुड़े विवाद पर वर्ल्ड बैंक में चल रही सुनवाई स्थगित करने को कहा है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत जल्द ही इसको लेकर एक अनुरोध पत्र तटस्थ विशेषज्ञ को भेजेगा। इसकी एक प्रति वर्ल्ड बैंक को भी दी जाएगी। भारत ने कहा है कि उसने खुद को सिंधु जल संधि से अलग कर लिया है। ऐसे में अब विवाद से जुड़ी तटस्थ विशेषज्ञ की विवाद समाधान प्रक्रिया को भी अब रोक दिया जाए। यह विवाद किशनगंगा-रतले जल विद्युध

परियोजना को लेकर है। भारत इस परियोजना पर काम कर रहा है। पाकिस्तान ने इसकी शिकायत विश्व बैंक में की है। इसके बाद 2023 में विशेषज्ञ मिशेल लिनो की देखरेख में विवाद को सुलझाने की कोशिश हुई थी। इसको लेकर भारत, पाकिस्तान और विशेषज्ञ एक तय कार्य योजना के तहत काम कर रहे है, लेकिन भारत पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद इस प्रक्रिया को रोकना चाहता है। इस विवाद को सुलझाने के लिए इस साल की बैठकें होने वाली थीं। पाकिस्तान को परियोजना को लेकर जो शिकायत थी उसके बारे में जवाब देना था। इसके बाद इस साल दिसंबर में विशेषज्ञ परियोजना स्थल का दौरा भी करने वाले थे। यह प्रक्रिया 2026 तक चलने वाली थी लेकिन भारत ने अब इस पूरी प्रक्रिया को स्थगित करने को कहा है। बीते साल जून में भी परियोजना स्थल का निरीक्षण किया गया था। भारत ने चेनाब नदी पर बगलिहार में बने डैम का फाटक बंद कर दिया है। इससे पाकिस्तान को भरपूर पानी देने वाली यह नदी अब नाली की तरह बहने लगी है. इससे पाकिस्तान में इस गर्मी भारी जल संकट पैदा हो सकता है। वहां की नहरें सूख सकती है। इसी नदी के पानी से पाकिस्तान पंजाब के एक बड़े इलाके में सिंचाई का काम होता है।

आकाशीय बिजली गिरने से 6 लोगों की मौत, मरने वालों में एक ही परिवार के तीन लोग भी शामिल

बिहार : बिहार में पिछले 24 घंटों में आकाशीय बिजली गिरने से छह लोगों की मौत हो गई। मंगलवार शाम जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी बयान में कहा गया कि पटना जिले में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि गया, अरवल और गोपालगंज जिलों में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई। मौसम विभाग ने अगले दो दिन के लिए आंधी, बारिश और वज्रपात को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

पटना में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

सबसे दर्दनाक हादसा पटना के बख्तियारपुर दियारा में हुआ, जहां एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान रामानंद राय (60), उनके बेटे सुबोध कुमार (35) और पोते रितेश कुमार के रूप में हुई है। बताया गया कि बारिश के दौरान सभी लोग खेत में काम कर रहे थे और अचानक तेज बारिश से बचने के लिए ट्रैक्टर के नीचे

कानपुर अग्निकांड: बचने को सीढ़ियों के नीचे छिपीं, पर बच न सकीं बेटियां

> बता दें कि प्रेमनगर में दानिश की पांच मंजिला इमारत के भूतल में जूता कारखाना था। उसके ऊपर की दो मंजिल पर गोदाम था। बाकी की मंजिल पर दानिश और उसके भाई कासिफ का परिवार रहता था। हादसे से आधा घंटे पहले कासिफ परिवार समेत रिश्तेदारी में गए थे। रविवार की रात 8:25 बजे जूता कारखाने में लगे बिजली के मीटर की चिंगारी से भड़की आग का कहर करीब नौ घंटे तक चला। इमारत में लगी आग को बुझाने के लिए नौ फायर टेंडर को 77 चक्कर लगाने पड़े तब जाकर सोमवार सुबह 5:35 बजे आग बुझी। आग बुझाने में पांच लाख लीटर से ज्यादा पानी की बौछार की गई। बचाव कार्य में 75 से ज्यादा कर्मी लगे थे। साथ ही हाइड्रोलिक प्लेटफार्म और एक रेस्क्यू वाहन का भी इस्तेमाल किया गया। देर रात 3:30 बजे दानिश और उनकी पत्नी नाजली सबा के शव निकाले गए।

शाहरुख खान

कानपुर : कानपुर के चमनगंज के प्रेमनगर में पांच मंजिला इमारत में रविवार की रात आग लगने से पांच लोग जिंदा जल गए। नीचे भयंकर आग और पांचवीं मंजिल की छत के जीने के दरवाजे पर ताला लगा था। इसके बीच फंसे दंपती और उनकी तीन मासूम बेटियों की जान चली गई। बचाव कार्य में लगे कर्मियों को कारोबारी मोहम्मद दानिश (45) और उनकी पत्नी नाजली सबा (40) का शव चौथी मंजिल की सीढ़ियों पर मिला, जबकि तीनों बेटियों सारा (15), सिमरा (12) और इनाया (07) के शव तीसरी मंजिल की सीढ़ी के नीचे मिले। ऐसा लगता है कि यह लोग छत पर जाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन दरवाजे पर ताला लगा होने और अंदर आग एवं धुएं की वजह से खुद को नहीं बचा सके।

बिजली के मीटर की चिंगारी से भड़की आग : बता दें कि प्रेमनगर में दानिश की पांच मंजिला इमारत के भूतल में जूता कारखाना था। उसके ऊपर की दो मंजिल पर गोदाम था। बाकी की मंजिल पर दानिश और उसके भाई कासिफ का परिवार रहता था। हादसे से आधा घंटे पहले कासिफ परिवार समेत रिश्तेदारी में गए थे। रविवार की रात 8:25 बजे जूता कारखाने में लगे बिजली के मीटर की चिंगारी से भड़की आग का कहर करीब नौ घंटे तक चला।

बचाव कार्य में लगे थे 75 से ज्यादा कर्मी : इमारत में लगी आग को बुझाने के लिए नौ फायर टेंडर को 77 चक्कर लगाने पड़े तब जाकर सोमवार सुबह 5:35 बजे आग बुझी। आग बुझाने में पांच लाख लीटर से ज्यादा पानी की बौछार की गई। बचाव कार्य में 75 से ज्यादा कर्मी लगे थे। साथ ही हाइड्रोलिक प्लेटफार्म और एक रेस्क्यू वाहन का भी इस्तेमाल किया गया। देर रात 3:30 बजे दानिश और उनकी पत्नी नाजली सबा के शव निकाले गए। वहीं, रेस्क्यू टीम ने 5:34 बजे सारा, सिमरा और इनाया के शव को मकान के दाहिनी ओर स्थित दीवार तोड़कर निकाला। तीनों बेटियां बचने के लिए जीने के नीचे छिप गई थीं, लेकिन खुद को बचा न सकी। दानिश, पिता अकील को सुरक्षित निकालने के बाद पत्नी और बेटियों को बचाने के लिए अंदर गए थे।

बिजली मीटर से निकली चिंगारी से भड़की थी आग : इसके बाद वह भी बाहर नहीं निकल सके। एसडीआरएफ की टीम ने भी दंपती और बेटियों के अलग-अलग शवों को देखकर भागमभाग के दौरान एक दूसरे का साथ छूटने की आशंका जताई है। पोस्टमार्टम प्रभारी डॉक्टर नवनीत चौधरी के अनुसार, पांचों के शव 100 प्रतिशत जले हुए थे। दानिश का दाहिना हाथ आधा गल गया था।

सभी के मुंह और नाक में कार्बन मिला : वहीं, बेटी इनाया की शरीर की हड्डी दिखने लगी थी। सभी के मुंह और नाक में कार्बन मिला है। दानिश की पत्नी नाजली का मायका नेपाल में है। शाम को नाजली की मां नौसवा खातून, फैजल और उसका छोटा भाई शहर आए। इसके बाद रात आठ बजे शवों को चमड़ा मंडी स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक किया गया। दो साल पहले तक दानिश सेना को जूते की आपूर्ति करते थे। वर्तमान में वह भाई कासिफ के साथ रियल इस्टेट का कारोबार भी कर रहे थे। सोमवार शाम करीब 5:54 बजे आंधी चलने पर आसपास के लोगों ने दानिश के फ्लैट से फिर आग की लपटें उठती देखीं। इस पर दमकल की गाड़ी बुलाई गई और आग को काबू किया गया। मृतकों के परिजनों को आपदा कोष से चार-चार लाख रुपये का मुआवजा मिलेगा।

दिल दहलाने वाले मंजर को देखकर लोग कांप गए : पांच मंजिला भवन में हुए भीषण अग्निकांड के दूसरे दिन आग की भयावहता का मंजर देख लोगों के दिल कांप गए। खामोशी के बीच कमरे के कुछ हिस्से से उठता धुआं नजर आया। वहां जाने पर पुलिस और प्रशासन की ओर से रोक लगा दी गई। भूतल में जूते के कारखाने से लगी आग ने पूरी बिल्डिंग को जलाकर खाक कर दिया। चमड़ा और केमिकल के कारण धधकती आग के बीच दमकल कर्मी पानी की बौछार करने के बाद भी अंदर फंसे परिवार को नहीं बचा सके।

एक-एक कोना जलकर राख : अग्निकांड के दूसरे दिन सोमवार को पूरी बिल्डिंग आग से तपती रही। कमरों के प्लास्टर टूट-टूटकर गिरते रहे। छतों पर लगे पंखे टेढ़े हो गए थे, जबकि बल्ब व रॉड फट गए। आग ने एक-एक कोने को जलाकर राख कर दिया था। आसपास इलाके के सैकड़ों लोगों ने मौके पर पहुंचकर बिल्डिंग का हाल देखा तो उनके रोंगटे खड़े हो गए।

हर मंजिल में लगा था फायर फाइटिंग सिस्टम, फिर भी रुकी नहीं आग : प्रेम नगर में रविवार की रात जिस छह मंजिला भवन में आग लगी उसे जूते का कारखाना चलाने वाले मोहम्मद दानिश ने 12 साल पहले बनवाया था। दोस्त आसिफ के मुताबिक मकान बनवाते समय उन्होंने सुरक्षा के पूरे इंतजाम किए थे। कारखाना होने के कारण आग से खतरे की संभावनाओं पर बचाव के लिए फायर फाइटिंग सिस्टम लगवाए। उन्होंने बाकायदा पूरे घर में फायर फाइटिंग की एक अलग पाइपलाइन बिछाई। यह छत पर बने एक बड़े से टैंक से जुड़ी हुई है। टैंक की क्षमता करीब एक हजार लीटर पानी की है। नोजल सभी मंजिल पर बनाए। इसका स्विच मेन गेट से करीब दस मीटर दूर बनी लिफ्ट के दाहिनी ओर लगा था। जब आग लगी तो दानिश ने उसे चालू करने के लिए वहां तक पहुंचने का प्रयास किया, लेकिन आग की लपटें इतनी विकराल हो चुकी थीं कि वहां तक पहुंचना संभव नहीं हो था। वह चाह कर भी स्विच चालू न कर सके। वहीं आसिफ की मानें तो दानिश ने हर मंजिल पर फायर सेफ्टी सिलिंडर (अग्निशमन यंत्र) भी लगा रखे थे। यह आग बुझाने में जुटे दमकलकर्मियों को वहां मिले भी।

जाति जनगणना को लेकर खरगे का पीएम मोदी को पत्र इसमें आरक्षण से 50% की सीमा हटाने समेत कई सुझाव

ब्यूरो

नई दिल्ली : कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने मल्लिकार्जुन खरगे के पत्र को साझा करते हुए कहा, '2 मई को कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष ने कल रात प्रधानमंत्री को जाति जनगणना पर पीएम मोदी के अचानक और हताशापूर्ण यू-टर्न के बारे में पत्र लिखा। वो भी तब जब पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमलों पर देश की पीड़ा और गुस्सा लगातार जारी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर पत्र लिखा है। पत्र में जाति जनगणना के लिए तेलंगाना मॉडल को अपनाने, आरक्षण के लिए 50 प्रतिशत की सीमा हटाने और निजी शिक्षण संस्थानों में एससी-एसटी-ओबीसी के लिए आरक्षण प्रदान करने वाले अनुच्छेद 15(5) को तुरंत लागू करने का आग्रह किया गया है। पत्र में खरगे ने प्रधानमंत्री से जाति जनगणना के मुद्दे पर जल्द ही सभी राजनीतिक दलों से बातचीत करने का भी आह्वान किया है। खरगे ने लिखा कि मैंने 16 अप्रैल 2023 को आपको पत्र लिखकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा जातिगत जनगणना कराने की मांग आपके समक्ष रखी थी। अफसोस की बात है कि मुझे उस पत्र का कोई जवाब नहीं मिला। दुर्भाग्य से उसके बाद आपके पार्टी के नेताओं और स्वयं आपने कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के नेतृत्व पर इस जायज मांग को उठाने के लिए लगातार हमले किए। आज आप स्वयं स्वीकार कर रहे हैं कि यह मांग गहन सामाजिक न्याय और सामाजिक सशक्तिकरण के हित में है। आपने बिना किसी स्पष्ट विवरण के यह घोषणा की है कि अगली जनगणना (जो वास्तव में 2021 में होनी थी) में जाति को भी एक अलग श्रेणी के रूप में शामिल किया जाएगा। इस संबंध में मेरे तीन सुझाव हैं, जिन पर आप कृपया विचार करें। उन्होंने लिखा, 'जनगणना से सम्बंधित प्रश्नावली का डिजाइन बहुत महत्वपूर्ण है। जाति संबंधी जानकारी केवल गिनती के लिए नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक-आर्थिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एकत्र की जानी चाहिए। हाल ही में संपन्न तेलंगाना में जातिगत सर्वेक्षण को इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन और कार्यान्वित किया गया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय को जनगणना में इस्तेमाल किए जानेवाले प्रश्नावली और पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए तेलंगाना मॉडल का उपयोग करना चाहिए। प्रक्रिया के अंत में प्रकाशित होने वाली रिपोर्ट में कुछ भी छिपाया नहीं जाना चाहिए, ताकि प्रत्येक जाति के पूर्ण सामाजिक-आर्थिक आंकडे सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हों, जिससे एक जनगणना से दूसरी जनगणना तक उनकी सामाजिक-आर्थिक प्रगति को मापा जा सके और उन्हें संवैधानिक अधिकार दिए जा सकें। आगे खरगे ने लिखा, 'अगस्त 1994 में तमिलनाडु का आरक्षण कानून अधिनियम हमारे संविधान की नवीं सूची में शामिल किया गया था। इसी तरह सभी राज्यों द्वारा पारित आरक्षण संबंधी अधिनियमों को संविधान की नवीं सूची में शामिल किया जाना चाहिए। इसके अलावा जाति जनगणना के जो भी नतीजे आएं, यह स्पष्ट है कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए आरक्षण पर मनमाने ढंग से लगाई गई 50% की अधिकतम सीमा को संविधान संशोधन के माध्यम से हटाया जाना होगा। उन्होंने लिखा, 'अनुच्छेद 15(5) को भारतीय संविधान में 20 जनवरी 2006 से लागू किया गया था। इसके बाद इसे सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई। लंबे विचार-विमर्श के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने 29 जनवरी 2014 को इसे बरकरार रखा। यह फैसला 2014 के लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू होने से ठीक पहले आया। यह निजी शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और ओबीसी के लिए आरक्षण का प्रावधान करता है। उच्च शिक्षा विभाग के लिए अनुदान की मांग पर अपनी 364वीं रिपोर्ट में, जिसे 25 मार्च 2025 को प्रस्तुत किया गया था, शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल पर संसदीय स्थायी समिति ने भी अनुच्छेद 15 (5) को लागू करने के लिए नए कानून बनाने की भी सिफारिश की थी। उन्होंने लिखा, 'जाति जनगणना जैसे किसी भी प्रक्रिया को, जो पिछड़ों, वंचितों और हाशिये पर खड़े लोगों को उनके अधिकार दिलाने का माध्यम बनता है, किसी भी रूप में विभाजनकारी नहीं माना जाना चाहिए। हमारा महान राष्ट्र और हमारे विशाल हृदय लोग विपरीत परिस्थितियों में हमेशा एकजुट होकर खड़े हुए हैं। हाल ही में पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमलों के बाद हम सबने एकजुटता का परिचय दिया। खरगे ने कहा, 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का मानना है कि सामाजिक और आर्थिक न्याय तथा स्थिति और अवसर की समानता सुनिश्चित करने के लिए जाति जनगणना को उपरोक्त सुझाए गए समग्र तरीके से कराना अत्यंत आवश्यक है। यही हमारे संविधान की प्रस्तावना में भी संकल्पित है। मुझे भरोसा है कि आप मेरे सुझावों पर विचार करेंगे। दरअसल, मैं आपसे आग्रह करता हूं कि जाति जनगणना के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दलों के साथ शीघ्र संवाद करें।'

मॉक ड्रिल से पहले केंद्रीय गृह सचिव की अहम बैठक कहां-कहां होगा अभ्यास, कैसी रखनी होगी तैयारी?

अभिषेक दीक्षित

नई दिल्ली : बुधवार यानी 7 मई को देशभर में होने वाली सुरक्षा मॉक ड्रिल को लेकर केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने अहम बैठक की। बैठक में डीजी, सिविल डिफेंस और डीजी, एनडीआरएफ समेत कई उच्च पदस्थ अधिकारी शामिल हुए। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान के साथ बढ़े तनाव के बीच हुई इस बैठक में गृह मंत्रालय के सबसे वरिष्ठ अधिकारी से सिविल डिफेंस तंत्र को मजबूत करने की तैयारियों की समीक्षा की गई। समाचार एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि देशभर के मुख्य सचिव और सिविल डिफेंस के प्रमुख वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक में शामिल हुए। जानकारी के मुताबिक, देशभर में कल राष्ट्रव्यापी सुरक्षा तैयारी अभ्यास किया जाएगा। अभ्यास मुख्य रूप से हवाई हमले के सायरन और ब्लैकआउट जैसी स्थितियों की तैयारी पर केंद्रित होगा। मंगलवार को गृह सचिव गोविंद मोहन की अध्यक्षता में हुई बैठक में 2010 में अधिसूचित 259 नामित नागरिक सुरक्षा जिलों पर विशेष ध्यान दिया गया।

किन-किन जिलों में अभ्यास की तैयारी : राजस्थान, पंजाब, जम्मू और कश्मीर, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर जैसे सीमावर्ती राज्यों में स्थित इन जिलों को अभ्यास करने का निर्देश दिया गया है। दिल्ली, पश्चिम बंगाल और पंजाब जैसे राज्यों में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक सक्रिय हैं। ये नियमित रूप से यातायात और भीड़ प्रबंधन सहित नागरिक कर्तव्यों में लगे रहते हैं। भारत की नागरिक सुरक्षा प्रणाली मुख्य रूप से स्वैच्छिक आधार पर संचालित होती है, जिसे वेतनभोगी कर्मियों के एक छोटे से समूह की ओर से नियंत्रित किया जाता है। आपात स्थिति के दौरान इसे बढ़ाया जाता है।

'मशालें, मोमबत्तियां, नकदी तैयार रखें' : सूत्रों के मुताबिक, गृह मंत्रालय में चल रही बैठक में देश भर में 244 नागरिक सुरक्षा प्रतिष्ठानों की स्थिति की समीक्षा की जा रही है। समीक्षा इस बात पर केंद्रित है कि मौजूदा उपकरण काम कर रहे हैं या उनकी मरम्मत की आवश्यकता है। बैठक में यह भी देखा जा रहा है कि आपातकालीन हालात में नागरिकों को कैसे प्रशिक्षित किया जाए। हवाई हमले के सायरन के प्रति जनता की प्रतिक्रिया, ब्लैकआउट के दौरान की जाने वाली कार्रवाई और आवश्यक आपूर्ति की तैयारियों पर भी बात की गई। अधिकारियों ने संभावित इलेक्ट्रॉनिक विफलता के लिए तैयार रहने के लिए घरों में चिकित्सा किट, मशालें, मोमबत्तियां और नकदी रखने की जरूरत पर जोर दिया।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के दिल्ली में दो फ्लैट, 55 लाख रुपए की एफडी, जानिए नए सीजेआई के पास कितनी संपत्ति

नितिन गौतम

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने व्यवस्था में पारदर्शिता को बढ़ाने के उद्देश्य से जजों की संपत्ति का ब्यौरा आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर सार्वजनिक की गई जानकारी के अनुसार, देश के मौजूदा मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना के पास 55.75 लाख की एफडी है। साथ ही उनके पास दक्षिणी दिल्ली में डीडीए का तीन बेडरूम का फ्लैट और दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज में 2,446 वर्ग फीट का चार बेडरूम फ्लैट भी है।

जानिए नए सीजेआई के पास कितनी संपत्ति : आगामी 14 मई को देश के अगले मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ लेने जा रहे जस्टिस बीआर गवई की संपत्ति की बात करें तो उनके पास बैंक खातों में 19.63 लाख रुपये नकद, महाराष्ट्र के अमरावती में एक पुश्तैनी मकान, मुंबई के बांद्रा इलाके में एक अपार्टमेंट और दिल्ली की डिफेंस कॉलोनी में भी एक अपार्टमेंट है। साथ ही उनके नाम पर अमरावती और नागपुर में कृषि भूमि भी है। जस्टिस गवई 14 मई को देश के अगले मुख्य न्यायाधीश के पद पर आसीन होंगे, उनकी चल संपत्ति की बात करें तो उसमें 5.25 लाख रुपये के सोने के आभूषण और उनकी पत्नी के पास 29.70 लाख रुपये के आभूषण शामिल हैं। जस्टिस गवई के पास 61,320 रुपये नकद भी हैं।

> आगामी 14 मई को देश के अगले मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ लेने जा रहे जस्टिस बीआर गवई की संपत्ति की बात करें तो उनके पास बैंक खातों में 19.63 लाख रुपये नकद, महाराष्ट्र के अमरावती में एक पुश्तैनी मकान, मुंबई के बांद्रा इलाके में एक अपार्टमेंट और दिल्ली की डिफेंस कॉलोनी में भी एक अपार्टमेंट है। साथ ही उनके नाम पर अमरावती और नागपुर में कृषि भूमि भी है। जस्टिस गवई 14 मई को देश के अगले मुख्य न्यायाधीश के पद पर आसीन होंगे, उनकी चल संपत्ति की बात करें तो उसमें 5.25 लाख रुपये के सोने के आभूषण और उनकी पत्नी के पास 29.70 लाख रुपये के आभूषण शामिल हैं।

जस्टिस संजीव खन्ना के पास गुरुग्राम और हिमाचल प्रदेश में भी संपत्तियां : सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर साझा किए गए डेटा के अनुसार, सीजेआई संजीव खन्ना, जो 13 मई को रिटायर हो रहे हैं, उनके पास गुरुग्राम में एक चार बेडरूम के फ्लैट में 56 फीसदी हिस्सेदारी भी है। साथ ही हिमाचल प्रदेश के डलहौजी में भी उनकी जमीन और घर है। सीजेआई खन्ना का पीपीएफ में भी करीब 1.06 करोड़ रुपये का निवेश है। वहीं जीपीएफ में 1,77,89,000 रुपये और एलआईसी में 29,625 रुपये सालाना की एक मनी बैक पॉलिसी और 14 हजार रुपये के शेयर भी हैं। सीजेआई की अन्य संपत्तियों में 250 ग्राम सोना, 2 किलो चांदी और एक मारुति स्विफ्ट कार भी शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट के 33 में से 21 जजों ने घोषित की संपत्ति : सुप्रीम कोर्ट के 33 में से 21 जजों ने अभी अपनी संपत्ति सार्वजनिक की है। जस्टिस सूर्यकांत, जो इस साल नवंबर में देश के मुख्य न्यायाधीश का पद संभालेंगे, उनके पास चंडीगढ़ में एक घर, पंचकूला में 13 एकड़ कृषि भूमि और गुरुग्राम में 300 स्कवायर यार्ड का प्लॉट और अन्य अचल संपत्ति शामिल हैं। उनके पास 4.11 करोड़ रुपये की एफडी और 100 ग्राम सोने के आभूषण और तीन महंगी घड़ियां शामिल हैं। जस्टिस अभय एस ओक के पास महाराष्ट्र के ठाणे में एक फ्लैट, ठाणे में कृषि भूमि और 21 लाख रुपये की एफडी और 9.10 लाख रुपये की बचत की रकम है।

जस्टिस विक्रमनाथ के पास 120 करोड़ रुपये का निवेश : जस्टिस विक्रमनाथ, जो 19 मई 2023 को बार से एलिवेट करके सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं, उनके पास 120 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश, सफदरजंग डेवलेपमेंट एरिया और गुलमोहर पार्क दिल्ली में संपत्तियां और कोयंबटूर में एक अपार्टमेंट शामिल हैं। जस्टिस विक्रमनाथ ने अपने आयकर रिटर्न की डिटेल्स भी साझा की हैं, जिनके अनुसार, उन्होंने वित्तीय वर्ष 2010-11 से लेकर 2024-25 तक 91 करोड़ रुपये से ज्यादा आयकर भरा है।

संक्षिप्त समाचार

मांडर, सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - नारो जंगल के निकट सोमवार को दो बाइक के बीच टक्कर में गंभीर रूप से घायल सचिन टोप्पो 22 वर्ष की भी बीती रात रिम्स में इलाज के क्रम में मौत हो गयी. हादसे में एक बाइक सवार बेड़ो के केसा निवासी सोमरा उरांव 50 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गयी थी. बताया जा रहा है कि घायल होने के बाद रिम्स में मृत सचिन टोप्पो पिता स्व लूकस टोप्पो दो भाइयों में छोटा था और घर में खेती बारी का काम करता था. वह सोमवार को अपने मामा के लड़के को बाइक में बेड़ो छोड़ने गया था और वहीं से अपने गांव नारो वापस लौट रहा था!

पूर्व सांसद यदुनाथ पांडेय न घड़े का फीता खोलकर एवं जल पिलाकर किया प्याऊ का उद्घाटन

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - सहजानंद चौक(हरमू) मे मातृभूमि (सरकार द्वारा पंजीकृत सामाजिक संस्था)की ओर से घड़े का प्याऊ स्थापित किया गया। इस प्याऊ का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व सांसद यदुनाथ पांडेय ने फीता खोलकर एवं लोगों को जल पिलाकर उदघाटन किया।संस्था के प्रेम वर्मा ने कहा आगे भी रांची के विभिन्न स्थानों मे प्याऊ स्थापित किया जाएगा। मौके पर यदुनाथ पांडेय ने संस्था के लोगों को इस पुण्य कार्य के लिए देते हुए कहा यह एक पुण्य सेवा कार्य है। आज के उद्घाटन समारोह में मातृ भूमि संस्था के संरक्षक विनोद सिंह,सचिव बहुरन लोहारा,छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,डॉक्टर महेंद्र कुमार राज,समाजसेवी संतोष कुमार,प्रमोद पांडे,शंकर विश्वकर्मा आदि मौजूद थे।

मांडर, शादी समारोह में शामिल होने पहुंची 19 वर्षीय युवती की गोली लगने से मौत, आरोपी फरार

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - ब्राम्बे गांव में सोमवार की रात को शादी समारोह में शामिल होने पहुंची एक युवती अमिता खलखो 19 वर्ष की गोली लगने से मौत हो गयी. मृतका अमिता खलखो चान्हो के कमाती गांव की रहने वाली थी. उस पर गोली चलाने का आरोप रातू के काटू लहना निवासी दीपक कुमार पर है जो फरार है. घटना रात करीब 11 बजे की है. बताया जा रहा है ब्राम्बे गांव में रविवार की रात को अमिता खलखो के बहन के ससुराल में किसी की शादी थी. अमिता खलखो गांव से उसी में शामिल होने पहुंची थी. शादी समारोह में खाना खाकर वह अपनी बहन नीलम कुजूर व एक अन्य युवती के साथ अपने बहनोई आकाश दीपक कुजूर के घर वापस लौट आयी थी. इसी बीच आकाशदीप कुजूर का दोस्त दीपक कुमार वहां पहुंचा और वह अमिता खलखो को पिस्टल दिखाने लगा. इसी क्रम में गोली चल गयी और आंख के नीचे गोली लगने से अमिता खलखो गंभीर रूप से घायल हो गयी. बाद में घायलावस्था में परिजन उसे इलाज के लिए रिम्स ले गये. जहां मंगलवार की सुबह करीब पांच बजे उसकी मौत हो गयी. जानकारी के अनुसार अनिता खलखो की हत्या का आरोपी दीपक कुमार पिता स्व उदय नाथ महतो आकाशदीप कुजूर का जिगरी दोस्त है. और वह काफी दिनों से ब्राम्बे स्थित एक बीज दुकान में काम करता था. घटना के बाद वह अपनी बाइक छोड़ मौके से फरार हो गया. उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापामारी कर रही है!

राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस युवा इंटक जिलाध्यक्ष ने साहिबगंज उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

साहिबगंज : राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस युवा इंटक जिलाध्यक्ष सह बीस सूत्री सदस्य मंडरो अंशुपाल तांती ने साहिबगंज उपायुक्त हेमंत सती को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया की मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना में राशन कार्ड में उम्र को लेकर होल्ड कर दिया जा रहा है।जिससे लाभुको को बहुत परेशानी हो रही हैं। जबकि लाभुक के सभी दस्तावेजों में उम्र 40 बर्ष है। लेकिन राशन कार्ड में उम्र 50 बर्ष कर दिया है यह मामला बहुत ही गंभीर है। अगर लाभुक अपना सभी दस्तावेजों से राशन कार्ड में उम्र सुधरवा भी लेता है तो होल्ड नहीं हटता है।जिसके कारण कई योग्य लाभुकों को मैया सम्मान योजना की राशि नहीं मिली है।

बाबा गोपीनाथ शिव मंदिर में रुद्राभिषेक किया गया

मंडरो: मंडरो प्रखंड के मिजाचौकी बाजार के चौधरी पट्टी गोपीनाथ शिव मंदिर में अक्षय नवमी के अवसर पर शिवलिंग व शिव परिवार की प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के बाद पहली वार मंदिर परिसर में शिवजी का अभिषेक अभियानंद भगत एवं उनकी धर्मपत्नी नेहा देवी मुख्य जजमान के तौर रुद्राभिषेक एवं श्रृंगार पूजन किया गया। जिसपर दर्जनों महिला पुरुष श्रद्धालु उपस्थित हो कर शिव अभिषेक को देखकर आनंद उठाया, वहीं आचार्य मुरारी पांडेय एवं पांच पंडितों द्वारा विधिवत मंत्रोच्चार कर जलाभिषेक,दूध घी,दही मक्खन,मधु,भष्म, चंदन एवं अन्य समाग्री से अभिषेक किया गया।इस तरह की पहली बार शिव मंदिर में अभिषेक को लेकर मिजाचौकी बाजार वासियों में खासा उत्साह देखा गया।संध्या में महाप्रसाद का वितरण किया गया मोके पर बलराम भगत,सुभाद्रा देवी,जानकी देवी, करुणा देवी सिम्पी देवी सहित दर्जनों की संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालु उपस्थित थे।

कोचिंग की फीस नहीं भर पाया पिता....नाराज होकर बेटी ने जहर खाकर दे दी जान

सहरसा: बिहार के सहरसा जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां पर एक नाबालिग लड़की ने आत्महत्या कर ली। दरअसल, नाबालिग लड़की के पिता के पास कोचिंग की फीस देने के लिए पैसे नहीं थे, जिसके बाद उसने ये खौफनाक कदम उठाया। वहीं, मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, मामला जिले के बिहरा थाना क्षेत्र स्थित ओकाही पंचायत के दुम्मा गांव का है।

चैंबर के डीआरयूसीसी सदस्यों ने बासुकीनाथ एवं दुमका रेलवे स्टेशन में यात्री सुविधाओं का जायजा लिया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

बासुकीनाथ/दुमका,आज डिवीजनल रेलवे यूजर्स कंसल्टेटिव कमेटी (DRUCC) के सदस्यों एवं संताल परगना चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज देवघर (SPCCI) के प्रतिनिधियों द्वारा बासुकीनाथ एवं दुमका रेलवे स्टेशनों का संयुक्त रूप से उक्त स्टेशनों में यात्री सुविधा का जायजा लिया। इस प्रतिनिधिमंडल में प्रिंस सिंघल (DRUCC सदस्य), महेश लाठ (DRUCC सदस्य), आलोक मल्लिक (अध्यक्ष, SPCCI) तथा रितेश टिबरेवाल (सचिव, SPCCI) शामिल थे।इस दौरे का उद्देश्य वर्तमान यात्री सुविधाओं एवं स्टेशन पर उपलब्ध अधिसंरचना की समीक्षा करना एवं आवश्यक सुधारों की पहचान करना था। टीम ने स्टेशन अधिकारियों एवं यात्रियों से संवाद कर सफाई, पेयजल, बैठने की व्यवस्था, रोशनी, संकेतक बोर्ड और दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का जायजा लिया।इसके साथ ही आगामी श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाओं पर भी स्टेशन मैनेजर के साथ विचार साझा किया। दौरे के दौरान प्राप्त सुझावों एवं आवश्यकताओं को टीम द्वारा विस्तारपूर्वक नोट किया गया है। ये मुद्दे आगामी DRUCC बैठक में उठाए जाएंगे, जहाँ संबंधित विभागों को आवश्यक अनुशंसाएँ भेजी जाएंगी। DRUCC एवं SPCCI दोनों ही आसनसोल मंडल में रेलवे सुविधाओं के विस्तार एवं यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर निरंतर प्रयासरत है।

जनता दरबार पहुंचे लोगों के मामलों पर उपायुक्त ने की सुनवाई

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ मंगलवार को उपायुक्त मनीष कुमार ने आयोजित जनता दरबार में आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। उपायुक्त ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर जल्द समाधान करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में जमीन से संबंधित, सड़क निर्माण से संबंधित, स्वास्थ्य विभाग से संबंधित एवं अबुआ आवास से संबंधित आदि से आवेदन प्राप्त हुए थे।

सत्ता के नशे में चूर झामुमो का चाल चरित्र और चेहरा उजागर- भाजपा

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने मंगलवार को पाकुड़ भाजपा जिला कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में जिला महामंत्री रूपेश भगत, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनुग्रहित प्रसाद साह, पूर्व जिलाध्यक्ष विवेकानंद तिवारी उपस्थित हुए।प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कहा कि सत्ता के नशे चूर झारखंड मुक्ति मोर्चा का चाल, चरित्र और चेहरा अब जनता के बीच उजागर हो गया है। पिछले दिनों ही रांची के केंद्रीय अधिवेशन में शामिल होने के लिए झामुमो नेताओं ने पाकुड़ जिले से लाखों की अवैध उगाही की है। और अब पाकुड़ नगर के धनुषपूजा इलाके में बबलू बास्की जो एक आदिवासी है, उसके जमीन को जबरदस्ती कब्जा करने के लिए षडयंत्र कर रहे हैं। पाकुड़ नगर के धनुषपूजा इलाके के मौजा संख्या 79 के दाग संख्या 509 में 3 बीघा 19कट्ठा5 धुर जमीन भुजु बास्की के नाम पर दर्ज है और उनके परपोते बबलू बास्की इस संपत्ति के उत्तराधिकारी हैं। उनके इसी जमीन को झामुमो के नेता समद मियां उर्फ समद अली जबरदस्ती कब्जा करने के लिए बाहुबल का उपयोग कर रहे हैं।झामुमो के नेता समद मियां सत्ता के नशे में चूर होकर एक असहाय आदिवासी परिवार को डरा धमका कर उनके अधिकारों का हनन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के राज में झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष इस आदिवासी परिवार को प्रताड़ित कर रहे हैं। स्थानीय जिला प्रशासन भी बबलू बास्की की बात नहीं सुन रहे हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं और कार्यकताओं की दबंगई से पूरा जिला त्राहिमाम है। हेमंत सोरेन 2.0 में भ्रष्टाचार चरम पर है। सरकारी तंत्र हताश और लाचार लग रहा हैं।समाज के सजग प्रहरी होने के नाते भारतीय जनता पार्टी हेमंत सरकार एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के इस भ्रष्टाचार के इस षडयंत्र को जनता के बीच ले जाएगी।समाज के सजग प्रहरी होने के नाते भारतीय जनता पार्टी हेमंत सरकार एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के इस भ्रष्टाचार के षडयंत्र को जनता के बीच लाकर उनका पोल खोलेगी।

नगर के वार्ड संख्या 11 में पक्की सड़क बीते दो दशकों से अपनी बदहाली पर बाहर ही आंसू

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ नगर के बीचोंबीच स्थित वार्ड संख्या 11 की पक्की सड़क बीते दो दशकों से अपनी बदहाली पर आँसू बहा रही है। लगभग 20 वर्ष पूर्व बनी यह सड़क इतनी जर्जर हो चुकी है कि राहगीरों को चलना पहाड़-पर्वत पार करने जैसा प्रतीत होता है। गड्ढों से भरी यह सड़क स्थानीय नागरिकों के लिए परेशानी का सबब बन चुकी है, परंतु न तो किसी जनप्रतिनिधि ने इस दिशा में गंभीरता दिखाई है, और न ही कोई प्रशासनिक अधिकारी अब तक सुध लेने पहुँचा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पूरे जिले में कई नई पक्की सड़कों का निर्माण कराया गया है, लेकिन यह एक सड़क मानो विकास से उपेक्षित रही है। इलाके के लगभग 25 मोहल्लेवासियों ने कई बार अखबारों, सोशल मीडिया और नगरपालिका में शिकायत दर्ज कराई, परंतु हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला। कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। नागरिकों में रोष इस बात को लेकर भी है कि नगरपालिका समय पर टैक्स वसूली के लिए हर घर में दस्तक देती है, परंतु जनता की मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी की जाती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नेता सिर्फ चुनावी मौसम में बड़े-बड़े वादों के साथ मोहल्ले में दिखाई देते हैं। अखबारों में छपवाकर और सोशल मीडिया पर फोटो खिंचवा कर स्वयं को समाजसेवी और बड़े नेता साबित करने की कोशिश करते हैं, जबकि जमीनी हकीकत यह है कि वर्षों से जर्जर पड़ी इस सड़क की ओर किसी ने मुड़कर नहीं देखा। जनता अब यह जानना चाहती है कि आखिर इस बदनसीब सड़क का उद्धार कब होगा? क्या अधिकारी और जनप्रतिनिधि कभी इस ओर ध्यान देंगे या सड़क यूँ ही राजनीति की धूल में दबकर दम तोड़ती रहेगी?

प्रखंड समन्वयक पंचायत राज स्वशासन परिषद की अध्यक्षता में पंचायत सचिव व सहायकों के साथ समीक्षात्मक बैठक की

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ प्रखंड सभागार में प्रखंड समन्वयक, पंचायत राज स्वशासन परिषद आनंद प्रकाश की अध्यक्षता में मंगलवार को पंचायत सचिव व सहायकों के साथ समीक्षात्मक बैठक की। बैठक में प्रखंड समन्वयक ने पंचायत सहायकों को निर्देश दिया गया कि वे पंचायत सचिवालय में नियमित रूप से उपस्थित होकर मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, पेंशन प अन्य कल्याणकारी योजनाओं में लाभुकों के आवेदन प्राप्त करें और उसे सिस्टम में सही ढंग से दर्ज करें। जिन पंचायतों में एक से अधिक सहायक कार्यरत हैं, उन्हें रोस्टर के अनुसार पंचायत भवन में ड्यूटी करने का निर्देश दिया गया। साथ ही यह भी कहा गया कि उन्हें समय- समय पर वरीय पदाधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों का अनुपालन भी अवश्य सुनिश्चित करें। बैठक में जनप्रतिनिधि, पंचायत सचिव और सहायकों के बीच सामंजस्यपूर्ण कार्यप्रणाली पर भी चर्चा की गई ताकि सभी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों तक समय पर पहुंच सके।

स्कूल द्वारा 2025 की जागरूकता रथ को आज प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मोहम्मद इम्तियाज

फ्लेग ऑफ करके रवाना किया।

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो - रूआर कार्यक्रम के तहत विद्यालय में नामांकन के लिए एवं ठहराव के लिए जागरूकता हेतु आज चान्हो प्रखंड मुख्यालय से एक जागरूकता रथ निकला गया, यह रथ चान्हो प्रखंड अंतर्गत सभी 17 पंचायत के सभी स्कूल के पोषक एरिया में जाकर जागरूकता फैलाने का काम करेगा, रथ के माध्यम से सभी जगह हैंड बिल एवं पोस्टर आदि लगाई जा जाएगी एवं विभिन्न प्रकार के सॉन्ग से विद्यालय से बाहर रह रहे बच्चों को जागृत किया जाएगा साथ ही सरकारी विद्यालय में दिए जाने वाले सुविधाओं के बारे में संचार के माध्यम से संबोधित किया जाएगा ।रथ को रवाना करने शशि भूषण सिंह , रंजीत कुमार ,श्याम नारायण सिंह, महादेव खोया, बीआरपी मो मुर्तजा एवं दर्जनों शिक्षक के अलावा चान्हो स्कूल के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

परियोजना पदाधिकारी ने अमड़ापाड़ा प्रखंड में योजनाओं का किया निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देश पर परियोजना पदाधिकारी मोतिउर रहमान ने अमड़ापाड़ा प्रखण्ड के बोहरा और पाडेरकोला पंचायत में बिरसा हरित ग्राम योजना में गड्ढा कोड़ो अभियान का निरीक्षण किया। माइकेल मरांडी के आधा एकड़ योजना का भौतिक सत्यापन किया गया जिसमें 40 गड्ढा का कार्य प्रगति पर पाया गया। लाभुक को बताया गया कि एक एकड़ बागवानी में 112 फलदार पौधा के लिए 112 गड्ढा तथा इमारती के लिए 80 गढ्ढा करने का प्रावधान है जिसमें गढ्ढा की आकार को 3 फीट लंबा, 3 फीट चौड़ा एवं 3 फीट गहरा रहेगा तथा इमारती पौधा के लिए गड्ढा दो-दो फीट का करना है। इसी तरह आधा एकड़ के लिए 48 फलदार एवं 40 इमारती पौधा के लिए कार्य कराना है। योजना में 08 फलदार पौधा के लिए गड्ढा तथा इमारती पौधा का गड्ढा खोदने के लिए कहा गया। डोभा योजना में डिमांड करने पूर्व के बिरसा हरित ग्राम योजना में सुधार करने, सूचनापट्ट बनाने ,पशु रोधक खाई, घेरान कराने का निर्देश दिया गया। इसके बाद चंदन मरांडी का बिरसा सिंचाई कूप योजना का निरीक्षण किया।

झामुमो नेता सूरज झा ने नगर विकास मंत्री को सौंपा ज्ञापन

श्रावणी मेला में पंडित शिवराम झा चौक से जलसार चिल्ड्रेन पार्क तक अतिक्रमण मुक्त रखने की मांग

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

झामुमो नेता व समाजसेवी सूरज झा ने सूबे के नगर विकास व पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को श्रावणी मेला से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा है। इस दौरान उन्होंने श्रावणी मेला के नाम पर पंडित शिवराम झा चौक से जलसार चिल्ड्रेन पार्क तक अवैध रूप से सड़क अतिक्रमण नहीं करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि श्रावणी मेला के नाम पर शिवराम झा चौक से चिल्ड्रेन पार्क तक रोड को अतिक्रमण कर पंडाल लगाया जाता है। जबकि उसी जगह मंदिर श्राईन बोर्ड का लगभग बीस एकड़ जमीन मत्स्य विभाग से लिया गया है। अगर सरकार चाहे तो उक्त भूमि पर चारों तरफ यात्री शेड बनाकर यात्रियों के हित में जलार्पण के लिए कतारबद्ध किया जा सकता है। साथ ही साथ तालाब की सफाई कराकर मोटर पंप से श्रद्धालुओं के उपर शीतल जल का छिड़काव किया जा सकता है। इसके साथ इतने बड़े भू खंड में कतारबद्ध कांवरियों के लिए शौचालय की भी व्यवस्था किया जा सकता है। इस कार्य से रोड तो अतिक्रमण मुक्त हो जाएगा व यात्रियों को काफी सुविधा भी होगी। उन्होंने नगर विकास मंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि स्थलीय जांच को प्राथमिकता देते हुए यथाशीघ्र इस विषय पर उपायुक्त से वातार्लाप कर इस कार्य को अंजाम देने की कृपा की जाए।

नगर निगम के नाम पर वसूली के विरोध में फल व्यवसाय संघ का धरना प्रदर्शन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

बाजार समिति, देवघर मेन गेट पर निगम का वसूली करने और वसूली ऐजेंट के द्वारा मारपीट करने के संबंध में। उपरोक्त विषय के संबंध में निवेदन पूर्वक कहना है कि दिनांक-29.04.2025 को सुबह में बाजार समिति, देवघर मेन गेट पर नगर निगम के नाम पर वसूली ऐजेंट के द्वारा टोटो/टेम्पो चालक के साथ मंडी में आये खरीददारों एवं महिलाओं के साथ मारपीट किया गया। नगर निगम के वसूली ऐजेंट के द्वारा पहले भी मारपीट किया जाता रहा है। पूर्व में भी इसकी शिकायत पणन सचिव, बाजार समिति, देवघर को दी गयी थी। जिसपर हमलोगों को आश्वासन मिला था कि वसूली नहीं होगी। निगम के द्वारा जबरन ढंग से बाजार समिति, देवघर अपने आदमी को अंदर घुसाकर वसूली करवायी जा रही है। प्रतिदिन रात को निगम के वसूली ऐजेंट अपने लड़को एवं असामजिक तत्व के साथ बाजार समिति, देवघर मेन गेट के पास जमावड़ा लगाकर शराब बियर एवं अन्य नशे से संबंधित समान का सेवन करते है। साथ ही इनके पास हथियार भी रहता है जिसे कई बार देखा भी गया है। जिससे व्यापारियों रात को घर जाने में भी डर लगता है। अगर इन गतिविधियों को समय रहते नहीं रोका गया तो कभी भ कोई बड़ा हादसा हो सकता है तथा किसी भी व्यापारी या बाजार समिति, में आने वाले लोगों के जान-माल की हानि भी हो सकती है। अतः श्रीमान् से अनुरोध है हमारी मांगो पर विचार करते हुए बाजार समिति, देवघर परिषर में नगर निगम के द्वारा करायी जा रही वसूली को तत्काल बंद करवाया जाय तथा प्रतिदिन रात में पुलिस की पेट्रोलिंग भी करवाया जाय, ताकि बाजार समिति, देवघर में व्यापार संचालित कर रहे व्यापारी भयमुक्त वातावरण में व्यापार कर सकें। यदि हमारी मांगो पर गम्भीरता पूर्वक विचार नहीं किया जाता है तो हम व्यापारीगण इस प्रकार की रंगदारी के खिलाफ सड़क पर उतरने के लिए मजबुर हो जाएगें।

संक्षिप्त समाचार

उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार का आयोजन

साहिबगंज: उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त- सह- जिला दंडाधिकारी हेमंत सती द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया।इस दौरान उपयुक्त ने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों से मुलाकात कर उनके समस्याओं से अवगत हुए। उपायुक्त द्वारा उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी एवं आश्वस्त किया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इसके साथ ही जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आए, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकताओं की समस्याओं को सुनने के बाद उपयुक्त ने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द करें। साथ ही उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें। ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो सके।ज्ञात हो कि हर सप्ताह मंगलवार एवं शुक्रवार को उपायुक्त कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया जाता है।

संविधान बचाओ रैली में कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल से मिले एनएसयूआई नगर अध्यक्ष प्रियांशु कुमार और युवा नेता गोलू सिंह

देवघर। रांची में आयोजित संविधान बचाओ रैली के दौरान राष्ट्रीय कांग्रेस संगठन के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल से एनएसयूआई देवघर नगर अध्यक्ष प्रियांशु कुमार और युवा नेता गोलू सिंह ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान संगठन की मजबूती और विस्तार को लेकर संक्षिप्त चर्चा हुई। युवा नेता गोलू सिंह ने बताया कि वेणुगोपाल ने संगठन के प्रति आशीर्वाद और समर्थन जताया है तथा कहा कि संगठन को सशक्त करने के लिए वे हर संभव सहयोग देने को तैयार हैं। प्रियांशु कुमार एवं गोलू सिंह ने वेणुगोपाल से बाबा नगरी देवघर आने और पार्टी संगठन को मजबूती प्रदान करने हेतु बाबा बैद्यनाथ का आशीर्वाद लेने का अनुरोध भी किया।

डीएवी भंडारकोला में बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति किया गया जागरूक

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल,भंडारकोला में बच्चों को मनोरंजक रूप से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। मशहूर अभिनेता, कलाकार, इंफोटेनर और एंकर निशांत कुमार पाठक ने बच्चों को खान पान से संबंधित और उत्तम स्वास्थ्य के सिद्धांत को बताते हुए स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। उन्होंने मनोरंजक तरीके से खराब स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले फूड ब्लॉगर्स के प्रभाव को बताया और मोटापे और बीमारियों के जोखिम के बारे में भी बताया। विद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि वर्तमान में बच्चों को स्वास्थ्य जागरूकता के माध्यम से स्वास्थ्य से संबंधित ज्ञान और समझ को बढ़ावा देना हमारा लक्ष्य है। आजकल बढ़ती जा रही कई तरह की बीमारियां, तनाव और डिप्रेशन को दूर करने के लिए स्वस्थ और सेहतमंद जीवनशैली की आवश्यकता है। बच्चों ने आनंदपूर्वक पूरे सेशन का आनंद लिया और शारीरिक तथा मानसिक रूप से स्वस्थ रहने का प्रण भी लिया।

ट्रैक्टर की टक्कर से मां की मौत, बेटा गंभीर रूप से घायल

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)गोह थाना क्षेत्र अंतर्गत डिहुरी मोड़ के समीप बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में मां की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हसनपुर गांव निवासी विजय चौधरी का पुत्र नीरजन कुमार अपनी मां बसंती देवी को बाइक पर बैठाकर बाजार ले जा रहा था। जैसे ही उनकी बाइक डिहुरी नहर के समीप पहुंची, एक अज्ञात ट्रैक्टर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बसंती देवी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नीरजन कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायल युवक को तत्काल गोह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही गोह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने अज्ञात ट्रैक्टर की तलाश शुरू कर दी है। उधर, इस हृदयविदारक घटना से गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मातम में बदली शादी की खुशियां; बारात जाने से कुछ घंटे पहले सड़क हादसे में हुई दुल्हे की मौत

रामपुर : उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले से दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां पर एक परिवार की शादी की खुशियां मातम में बदल गई, जिस युवक की बारात जाने वाली थी, शादी से कुछ घंटे पहले ही उसकी सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के मुताबिक, टांडा थाना क्षेत्र के गांव सेंटाखेड़ा के मझरा निवासी 25 वर्षीय युवक योगेंद्र कुमार की शादी की खुशियां एक दर्दनाक हादसे के दौरान मातम में बदल गईं। मंगलवार सुबह गुरुद्वारे से लौटते समय सरकथल-दढ़ियाल रोड पर एक अज्ञात वाहन ने योगेंद्र को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन घटना स्थल पर पहुंच गए। बेटे का शव देखकर घर में कोहराम मच गया। योगेंद्र की बारात मंगलवार शाम को जनपद मुरादाबाद के बुढ़ानपुर जानी थी, लेकिन सुबह ही यह दुखद घटना हो गई। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। दुल्हे का इंतजार कर रही थी दुल्हन लड़की पक्ष को जब हादसे की सूचना मिली तो वहां भी शोक की लहर दौड़ गई। जिस घर में बारात का इंतजार हो रहा था, वहां मातम छा गया। एक तरफ घर पर मंडप पंडाल और लाइटों से सजी सजावट की गई थी और दूल्हे का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा था वही दूसरी और कुछ ही घंटे बाद सर पर सेहरा सजा कर दूल्हा बनने वाले योगेंद्र की अर्थी उठी। जिसके पास शादी में शामिल होने आए रिश्तेदार और गांव के लोग अपने आंसू किसी से छुपा ना सके पूरा गांव मानो मातम में तब्दील हो गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर खनन विभाग के साथ की गयी समीक्षा बैठक

खनन से सम्बन्धित सुलहनीय वाद किये जायेगें निस्तारित- सचिव

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :-जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव तान्या पटेल द्वारा 10 मई को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर खनन विभाग के पदाधिकारियों के साथ अपने प्रकोष्ठ में एक समीक्षा बैठक करते हुए खनन से सम्बन्धित राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु अबतक किये गये कार्यो का समीक्षा एवं अवलोकन किया गया । बैठक के दौरान खनन विभाग के पदाधिकारियों से वैसे वाद जिनमें सुलहनीय शुल्क पक्षकार के द्वारा विभाग में जमा कर दिये गये हैं उससे सम्बन्धित विवरणी के साथ-साथ वादों की सूची का समीक्षा किया गया। समीक्षा के दौरान विभाग के पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि आगामी 10 मई को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत में सम्बन्धित वाद का निस्तारण हेतु गठित पीठ के समक्ष खनन विभाग के पदाधिकारी आवश्यक रूप से रहें ताकि खनन से सम्बन्धित वाद के निस्तारण में तेजी के साथ किसी तरह की समस्यायें नहीं हो। उक्त पदाधिकारी अपने साथ-साथ सुलहनीय शुल्क सम्बन्धित विवरणी आवष्यक रूप से रखें ताकि अगर कोई पक्षकार तत्काल शुल्क जमा कर वाद का निस्तारण कराना चाहें तो राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन उनके वाद का निस्तारण सुगमतापूर्वक हो सके। समीक्षा के दौरान मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी श्री लाल बिहारी पासवान के द्वारा यह कहा गया कि सम्बन्धित न्यायालय जहां खनन से सम्बन्धित वाद लम्बित है उक्त न्यायालय वादों को चिन्हित करते हुए उसकी सूची यथाशिघ्र उपलब्ध करायें ताकि पक्षकारों को राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन उनके वाद के निस्तारण में वाद से जुड़ा कोई भी समस्या उत्पन्न न हो और उनका वाद आसानी से राष्ट्रीय लोक अदालत केस दिन निस्पादित हो जाए।

बैजलपुर में निमार्णाधीन गोदाम का जिला सहकारिता पदाधिकारी ने किया निरीक्षण

गुणवत्ता और समयबद्धता को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)गोह प्रखंड के बैजलपुर गांव में पैक्स (PACS) द्वारा निर्मित किए जा रहे 500 मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदाम का निरीक्षण मंगलवार को जिला सहकारिता पदाधिकारी ने किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और मौके पर मौजूद अभियंता एवं संबंधित अधिकारियों से कार्य की गुणवत्ता, निर्माण सामग्री और निर्धारित समयसीमा के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि यह गोदाम किसानों के अनाज भंडारण के लिए एक महत्वपूर्ण संरचना है, जिससे फसल की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और किसानों को बेहतर मूल्य दिलाने में सहायता मिलेगी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पदाधिकारी ने स्थानीय पैक्स अध्यक्ष रौतम कुमार एवं ठेकेदार को कार्य शीघ्र पूरा करने की हिदायत दी, ताकि किसानों को इसका समय पर लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि निर्माण कार्य की सतत निगरानी की जाएगी और निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य नहीं होने पर कार्रवाई तय है। इस अवसर पर उपहारा पैक्स के कई पदाधिकारी, तकनीकी कर्मी, एवं स्थानीय ग्रामीण भी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने गोदाम निर्माण को लेकर प्रसन्नता जताई और कहा कि इससे क्षेत्र में कृषि संरचना को मजबूती मिलेगी।

विष्णु धाम में जानकी नवमी धूमधाम से मनाई गई

विष्णु धाम को रामायण सर्किट में शामिल करने की मांग

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित सनातनी परंपरा का महान तीर्थ स्थल विष्णु धाम के प्रांगण में जानकी अशोक पेड़ के नीचे जानकी नवमी के अवसर पर माता जानकी जी को याद किया गया।उनके जीवन पर आधारित विचार संवाद का आयोजन किया गया।उनके द्वारा किए गए त्याग संघर्ष की कहानी का वर्णन किया गया।जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विष्णु धाम के महंत बालकानंद ब्रह्मचारी जी की गरिमामई उपस्थिति रही। महंत जी को अंग वस्त्र, धार्मिक पुस्तक देकर सम्मानित किया गया।रढुआ निवासी समाजसेवी मधुसूदन त्रिवेदी ने बताया कि विष्णु धाम का यह जानकी अशोक वृक्ष अत्यंत ही दुर्लभ धरोहर है। माता जानकी के जीवन वृत्त पर चर्चा करते हुए उनके द्वारा गाए गए गौरी स्तुति जय जय गिरिराज किशोरी जय महेश मुख चंद्र चकोरी गीत को सुरेश विद्यार्थी द्वारा गया गया।बताया गया कि जानकी मां नारी सशक्तिकरण के आदर्श हैं अगर किसी स्त्री को अपने जीवन में संघर्ष से कुछ सीखना है वह जानकी माता के संघर्षपूर्ण जीवन से सीखे।जिनका पूरा जीवन ही संघर्षों में बीता और संघर्ष में विपरीत परिस्थितियों में इंसान को किस प्रकार से धैर्य धारण करना चाहिए किस प्रकार से व्यवहार को अपनाना चाहिए।परिवार, राज्य,समाज के प्रति किस प्रकार से उत्तरदाई होनी चाहिए इसकी चर्चा की गई साथ ही साथ यह भी कहा गया कि मोक्षदायिनी पुनपुन एवं पुण्यदायिनी बटाने के संगम तट पर ही त्रेता युग में भगवान श्रीराम,माता जानकी एवं भैया लक्ष्मण के साथ गया पिंड तर्पण के पूर्व प्रथम पिंड संगम तट पर दिए थे और यहां से वे सीता थापा होते हुए फल्गु नदी गया में जाकर पिंड तर्पण का कार्य किया था।उसी के निमित्त इस स्थल को भी रामायण सर्किट में शामिल करने के लिए लोगों ने मांग की।मौके पर चंद्र देव तिवारी,राजेंद्र मिश्रा सहित अन्य उपस्थित थे।

विष्णुधाम महोत्सव आयोजन समिति का प्रतिनिधि मंडल बिहार सरकार के पर्यटन सचिव से मुलाकात की

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के विष्णुधाम महोत्सव आयोजन समिति का प्रतिनिधि मंडल बिहार सरकार के पर्यटन सचिव से मुलाकात की। बताते चलें कि पुराना सचिवालय स्थित बिहार सरकार के पर्यटन विभाग के सचिव श्री लोकेश कुमार सिंह भारतीय प्रशासनिक सेवा से उनके कार्यालय में विष्णुधाम महोत्सव आयोजन समिति का एक प्रतिनिधि मंडल एन डी टीवी के राज्य ब्यूरो प्रमुख एवं जम्होर निवासी श्री प्रभाकर जी की गरिमामय उपस्थिति में विष्णुधाम महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री अजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में मिलकर उन्हें अंग वस्त्र, विष्णुधाम के मंदिर में अवस्थित श्री हरि विष्णु जी की मूर्ति का प्रतीक चिन्ह मोमेंटो एवं बुके प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। अजीत कुमार सिंह ने पुन पुन बटाने संगम स्थल पे अवस्थित विष्णुधाम की पौराणिक महत्ता के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए सचिव महोदय को प्रथम पिंडदान, अक्षय तृतीया, कार्तिक पूर्णिमा मेला एवं पितृपक्ष मेले के दौरान अल्प अवधि के ठहराव के लिए बने अनुग्रह नारायण रोड पुनपुन हाल्ट से संबंधित चर्चा की। साथ ही इस स्थल पे सामुदायिक भवन, यात्री निवास, पेयजल की समुचित व्यवस्था, संगम स्थल का सौंदर्यीकरण , सड़कों की मरम्मती, डिलक्स सामुदायिक शौचालय, एवं पुष्प वाटिका विकसित करने की मांग करते हुए स्वीकृत करने हेतु हार्दिक अनुरोध किया। इस बीच सचिव महोदय ने जानकारी मांगी की क्या यह धाम धार्मिक न्यास परिषद से निबंधित है? अजीत कुमार सिंह ने हामी भरते हुए इसके दीर्घ समय से निबंधित होने की बात कही। प्रतिनिधि मंडल में शामिल सुमन कुमार सिंह , राजीव कुमार सिंह बबलू एवं प्रेमजीत सिंह ने सचिव महोदय को विष्णुधाम स्थल पे पधारने का का हार्दिक अनुरोध किया एवं महोत्सव की राशि दस लाख से बढ़ाकर पंद्रह लाख करने की मांग की। जिसपे उन्होंने विचार करने का आश्वासन प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों को दिया।

तमिलनाडु के इकलौते तीरंदाज सरवेश का गोल्ड मिशन, SP मां का सपना कर रहे पूरा

भागलपुर: बिहार में जारी खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में तीरंदाजी अंडर-18 प्रतियोगिता भागलपुर में आयोजित किए जा रहे हैं। सैंडिस कंपाउंड में जारी इन खेलों में तमिलनाडु के युवा तीरंदाज स्मरण सरवेश भी अपनी चुनौती पेश कर रहे हैं। वह तमिलनाडु के इकलौते खिलाड़ी हैं जोकि खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में इस कटेगरी में अपने राज्य का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। सरवेश खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में तीरंदाजी में पुरुषों के रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा फाइनल के प्रवेश कर लिया है और अब गुरुवार को वह अपने खिताबी मुकाबले में स्वर्ण पर निशाना साधने उतरेंगे। सरवेश की मां तमिलनाडु में सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस यानी के एसपी की पद पर कार्यरत हैं और अब उनका बेटा तीरंदाजी में स्वर्ण पर निशाना साधने के लिए तैयार हैं। फाइनल में गुरुवार को सरवेश का सामना महाराष्ट्र के उज्जवल भरत ओलेकर से होना है। सरवेश ने कहा," मुझे उम्मीद है कि पिछले दो टूनामेंटों में मैंने जो गलती की थी वो यहां नहीं दोहराउंगा। पहले राउंड में मेरा प्रदर्शन उतना बेहतर नहीं था, लेकिन आज मैं एक अलग माइंडसेट के साथ उतरा था। मैंने पूरे मन से आज अपना खेल खेला। मुझे उम्मीद है कि फाइनल में मैं इस बार गोल्ड जीतकर ही लौटूंगा।" 16 साल के सरवेश अब तक तीन चैंपियनशिप में भाग ले चुके हैं। पहली बार उन्होंने सितंबर 2024 में ताइपे में आयोजित यूथ इंटरनेशनल चैंपियनशिप में भाग लिया था, जहां वो चौथे स्थान पर रहे थे। इसके बाद उन्होंने इस साल फरवरी में थाइलैंड के बैंकॉक में आयोजित एशिया कप भी अपनी चुनीती पेश की थी। साथ वह फरवरी में देहरादून में अपने कटेगरी में टॉप-8 में थे। उन्होंने कहा,"जब मैं पांच साल का था तभी से मेरी मां चाहती थी कि मैं शूटिंग में खेलूं। लेकिन इसे शुरू करने के लिए आपको कम से कम आठ साल उम्र होना चाहिए। मेरी मां को लगता था कि शूटिंग शुरू करने के लिए कुछ प्रैक्टिस हो जाए। दोनों एक जैसा ही खेल है इसलिए मैं प्रैक्टिस करने के लिए तीरंदाजी करना शुरू कर दिया।" खेलो इंडिया स्कीम के तहत खिलाड़ियों को हर महीने 10,000 रुपये मिलते हैं और सरवेश भी उस स्कीम में शामिल हैं। सरवेश ने हाल में 10वीं कक्षा का एग्जाम दिया है। उन्हें अपने राज्य तमिलनाडु से तो स्कॉलरशिप मिल ही रहा है, साथ ही रिलायंस फाउंडेशन से भी स्कॉलरशिप मिलना शुरू हो गया है। तमिलनाडु के इस युवा खिलाड़ी ने स्कॉलरशिप से मिलने वाली फायदे के बारे में बात करते हुए कहा, " मैं भी खेलो इंडिया के स्कीम का हिस्सा हूं। एक युवा खिलाड़ी को इससे काफी मदद मिलती है। स्कीम के अलावा भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) और खेल महासंघ से हमें फुल सपोर्ट मिल रहा है। जब स्कॉलरशिप मिलने लगा तो मेरा मन इस खेल में लगने लगा। इस उम्र में जब आप करियर बनाना शुरू करते हैं तो स्कॉलरशिप काफी मदद करती है।" यह पूछे जाने पर कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के बाद आपका अगला लक्ष्य क्या है? तो उन्होंने कहा, " मेरा अगला टारगेट इस साल कनाडा में अगस्त में होने वाले यूथ वर्ल्ड चैंपियनशिप में पदक जीतना है। इस चैंपियनशिप के लिए 22 तारीख को पुणे में ट्रॉयल्स होनी है। मेरा अगला लक्ष्य इस टूनामेंट में चैपियन बनना है। लेकिन फिलहाल अभी मेरा सारा ध्यान खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 पर है और मैं इसमें पदक जीतकर अगले इवेंट में जाना चाहता हूं।"

खेलो इंडिया 2025: मेघालय की फुटबॉल टीम ने चंडीगढ़ को 10-1 से रौंदा

बेगूसराय में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के तहत दूसरे दिन सुबह में पुरुष के ग्रुप ए वर्ग के टीमों के बीच दो मैच खेले गये। यमुना भगत स्टेडियम, खेल गांव बरौनी, तेघड़ा में उड़ीसा एवं पश्चिम बंगाल के बीच मैच खेला गया, वहीं आईओसीएल बरौनी रिफाइनरी स्टेडियम में मेघालय एवं चंडीगढ़ के टीमों के बीच मुकाबला हुआ। यमुना भगत स्टेडियम, खेल गांव बरौनी, तेघड़ा मे उड़ीसा एवं पश्चिम बंगाल के टीमों के बीच हुए रोमांचक मुकाबले में उड़ीसा की टीम ने 2-0 से पश्चिम बंगाल की टीम को हराया। उड़ीसा के खिलाड़ी वैंकेटेश ओरम के द्वारा ही दोनों गोल दागे गये। पहला गोल 36 मिनट पर एवं दूसरा गोल 77वें मिन पर किया। वही दूसरी और पश्चिम बंगाल की टीम अपना खाता भी नहीं खोल सकी। इस मैच मे ओड़िसा ने पहले हाफ में एक गोल एवं दूसरे हाफ में एक गोल दागे। ओड़िसा के एक खिलाड़ी आकाश शाहो को मैच रैफरी ने 69वें मिन में यलो कार्ड दिया, जबकि पश्चिम बंगाल के चार खिलाड़ी यथा देवामोए चक्रवर्ती को 23वें मिनट, सुजौए पाल को 43वें मिनट, जाहिर हुसैन सरदार को 46वें मिनट एवं एसके जियोबुल हुसैन को 84वें मिनट में यलो कार्ड दिया । आईओसीएल बरौनी रिफाइनरी स्टेडियम में मेघालय एवं चंडीगढ़ के टीमों के बीच हुए मुकाबले मे मेघालय ने चंडीगढ़ को एकतरफा रूप से 10-1 से हराया। मेघालय की टीम शुरू से ही अटैक करती रही और पहले 10 मिनट में ही दो गोल दाग दिये। मेघालय की तरफ से दामित्रे क्याजिंग ने 7वें मिनट में पहला गोल किया एवं बनगोनसोन ननजिपलिंग 10वें मिनट में ही दूसरा गोल करने मे सफल हुए। फिर एहसानबुक भुपंग ने 19वें मिनट में तिसरा, 44मिनट में चौथा गोल एवं 53वें मिनट में पांचवा गोल किया। फिर सोहलिंस्टार स्यांकिल ने 60वें मिनट में छठा एवं लोविंगस्टार सुटिंग ने 62वें मिनट में सांतवा गोल किया। सब्टीच्यूट के तौर पर आये समबोरलंग लंगटे ने 77वें, 82वें एवं 87वें मिनट में आठवां, नवां एवं दशमा गोल दाग दागा। वही दूसरी और चंडीगढ़ की टीम से खिलाड़ी नोडिट ने 47वें मिनट में अपना पहला गोल किया जो टीम की पूरे मैच मे एक मात्र गोल रही। मेघालय की टीम के लगातार गोल से चंडीगढ़ की टीम कभी मैच में आ ही नही सकी। दोनों स्टेडियम मे हुए दोनों मैच रोमांच से भरा रहा , विजेता टीमें मे खुशी की लहर साफ दिखी।

ट्रैक साइकलिंग में पहले दिन बिहार टीम ने दो सिल्वर जीत बटोरीं सुर्खियां, झारखंड और राजस्थान का रहा जलवा

नई दिल्ली: खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के तहत ट्रैक साइकलिंग स्पधाएं राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में 6 से 8 मई तक आयोजित की जा रही हैं। इस बार के खेलो इंडिया यूथ गेम्स की मेजबानी बिहार कर रहा है। पहले दिन देशभर के युवा खिलाड़ियों ने दमखम दिखाते हुए अपने-अपने राज्यों के लिए पदक बटोरे। ट्रैक पर रफ्तार की इस जंग में झारखंड और राजस्थान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचा। बिहार टीम ने भी दो सिल्वर मेडल जीत सुर्खियां बटोरीं। इस दौरान लेबर कमिश्नर बिहार सरकार एवं उअड बिहार भवन श्री कुमार दिग्विजय और अफ्छ शम्स अफरोज मौजूद रहे। **टीम स्प्रिंट में झारखंड की बेटियों का स्वर्णिम प्रदर्शन** लड़कियों की टीम स्प्रिंट स्पर्धा में झारखंड ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। सबीना कुमारी, संजू कुमारी और सिंधु लता हेम्ब्रम की तिकड़ी ने तेज रफ्तार और बेहतरीन तालमेल से प्रतियोगियों को पछाड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया। बिहार की टीम झ्र अमृता कुमारी, शालिनी कुमारी और जयज्योत्सना झ्र ने रजत पदक जीता, जबकि तमिलनाडु की टीम को कांस्य से संतोष करना पड़ा। **लड़कों की टीम स्प्रिंट में भी झारखंड का जलवा** लड़कों की टीम स्प्रिंट स्पर्धा में भी झारखंड ने दबदबा कायम रखा और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मणिपुर ने रजत पदक और अंडमान एवं निकोबार ने कांस्य पदक जीता। **स्क्रैच रेस में महाराष्ट्र की रफ्तार** लड़कों की स्क्रैच रेस स्पर्धा में महाराष्ट्र के खिलाड़ी ने सबको पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। राजस्थान को रजत और मणिपुर को कांस्य पदक मिला। वहीं, लड़कियों की स्क्रैच रेस में राजस्थान की साइकिलिस्ट ने पहला स्थान हासिल किया। बिहार को दूसरा और महाराष्ट्र को तीसरा स्थान मिला। **KTT में भी राजस्थान का दबदबा** 1 किलोमीटर टाइम ट्रायल (KTT) स्पर्धा में राजस्थान ने गोल्ड मेडल जीतकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। पंजाब ने रजत और तेलंगाना ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। 500 मीटर टाइम ट्रायल में भी राजस्थान की लड़कियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। महाराष्ट्र ने सिल्वर और तमिलनाडु ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। **राष्ट्रीय स्तर पर उभरे युवा सितारे** खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 की ट्रैक साइकलिंग स्पधाएं युवा प्रतिभाओं के प्रदर्शन का बड़ा मंच साबित हुईं।

बिहार के तीन जिलों में वज्रपात से 5 लोगों की मौत, मुख्यमंत्री ने जताया शोक, परिजनों को मिलेगा चार-चार लाख का अनुदान

पटना: बिहार में सोमवार को मौसम की मार ने एक बार फिर कहर बरपाया। राज्य के तीन जिलों–पटना, गया और अरवल में वज्रपात की चपेट में आकर 5 लोगों की जान चली गई। पटना जिले में 3, गया में 1 और अरवल में 1 व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस दुखद घटना पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है और कहा है कि वे इस आपदा की घड़ी में शोकाकुल परिवारों के साथ हैं। उन्होंने सभी मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह अनुदान राशि अविलंब उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने जनता से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान पूरी सतर्कता बरतें और आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। उन्होंने कहा कि वज्रपात से बचाव के लिए घरों में ही रहें और सुरक्षित रहें।

संक्षिप्त समाचार

ड्राइवर को आई नींद, पलक झपकते ही एक ही परिवार के तीन लोगों को रौंदा

लखीसराय जिला के सूर्यगढ़ा थाना क्षेत्र की घटना

दिव्य दिनकर संवाददाता

लखीसराय (मुंगेर): मुंगेर प्रमंडल अंतर्गत लखीसराय से दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है, जहां एक स्कॉर्पियो असंतुलित होकर फुटपाथ पर चढ़ गई और एक ही परिवार के तीन लोगों को रौंद दिया। इस हादसे में एक किशोरी की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, घटना जिले के सूर्यगढ़ा बाजार में पब्लिक हाई स्कूल के मछली बाजार के पास की है। मृतका की पहचान सूर्यगढ़ा नगर परिषद क्षेत्र के सलेमपुर निवासी मनोज शर्मा की 12 वर्षीय पुत्री वैष्णवी कुमारी के रूप में हुई। वहीं घायलों में मनोज शर्मा की पत्नी रजनी देवी (35 वर्ष) और 14 वर्षीय बेटा सुजल कुमार शामिल है। बताया जा रहा है कि तीनों लोग फुटपाथ से जा रहे थे तभी एक स्कॉर्पियो असंतुलित होकर सड़क के पश्चिम दिशा में फुटपाथ पर चढ़ गई और तीनों लोग स्कॉर्पियो की चपेट में आ गए। इस हादसे में किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सूर्यगढ़ा लाया गया, जहां से रजनी देवी को बेहतर उपचार के लिए सदर अस्पताल लखीसराय रेफर कर दिया गया। इस घटना की जानकारी मिलते ही सूर्यगढ़ा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लखीसराय भेज दिया। साथ ही स्कॉर्पियो को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया।

9 सूत्री मांगों को लेकर पंचायत सचिव का अनिश्चितकालीन हड़ताल, जमालपुर से कांग्रेस विधायक डॉ अजय सिंह से प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन

दिव्य दिनकर जिला संवाददाता काजल गुप्ता

मुंगेर। बिहार राज्य पंचायत सचिव संघ के आह्वान पर अपनी 9 सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर गए राज्य भर के पंचायत सचिव की ओर से एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को जमालपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक है डॉ अजय कुमार सिंह से मुलाकात किया। मुंगेर जिला परिसदन में जमालपुर विधायक डॉ अजय कुमार सिंह से मुलाकात करने पहुंचे बिहार राज्य पंचायत सचिव संघ के प्रतिनिधिमंडल ने पंचायत सचिव की नौ सूत्री मांगों पर चर्चा किया। पंचायत सचिव ने विधायक डॉ अजय कुमार सिंह को एक मांग पत्र सौंपते हुए बिहार भर के सभी पंचायत सचिवों की समस्याओं को बिहार विधानसभा के सदन में उठाने का अनुरोध किया। उनकी मांगों को सरकार तक पहुंचाने व इसे पूरा कराने की दिशा में सकारात्मक पहल करने की मांग की। विधायक अजय सिंह ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया कि पंचायत सचिव की मांगों को सरकार के संबंधित मंत्री तथा सचिव तक पहुंचाएंगे। जरुरत पड़ने पर मांग को विधानसभा के सदन के पटल पर रखते हुए सरकार के समक्ष भी उठाने का काम करेंगे। पंचायत सचिव प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि पूर्व की बहाली में सबों को गृह जिला में नियुक्ति मिली थी। लेकिन इस बार इस प्रक्रिया को नजरंदाज कर अन्य जिला में नियुक्ति दी गई, जो कि नियम के विरुद्ध है। पंचायत सचिवों का स्थानांतरण व पदाधिकारी पद पर पदोन्नति की उम्र सीमा समाप्त की जाए। मौके पर छात्र नेता विक्की आनंद ने कहा कि बिहार सरकार को जल्द से जल्द पंचायत सचिवों की मांगों को मानते हुए हड़ताल को समाप्त करवाने की दिशा में सकारात्मक पहल करनी चाहिए। इस हड़ताल की वजह से बिहार के 8054 पंचायतों में विकास कार्य बाधित हो रही है। प्रतिनिधिमंडल में छात्र नेता बिक्की आंनद, मिथिलेश कुमार, संतोष, नवनीत, रविंद्र, अभिषेक, चंदन, राकेश, कृष्ण किशोर, आकाश, हर्ष, अमित, अशोक, सुमन, धर्मेंद्र, डब्लू उपस्थित थे।

पुलिस ने छापेमारी कर तस्कर गिरफ्तार, विदेशी शराब और बियर बरामद

दिव्य दिनकर संवाददाता

तारापुर। तारापुर थाना क्षेत्र के मधुरा गांव में सोमवार को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से तीन बोतल विदेशी शराब तथा 54 पीस बियर की बोतलें बरामद की हैं। आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।एसआई कमलेश्वरी प्रसाद यादव ने बताया कि गश्ती के दौरान उन्हें सूचना मिली थी कि मधुरा गांव में दर्शन कुमार नामक व्यक्ति अवैध रूप से विदेशी शराब की बिक्री कर रहा है। सूचना की पुष्टि हेतु पुलिस टीम मधुरा गांव पहुंची। पुलिस को देख एक व्यक्ति भागने लगा, जिसे खदेड़ कर गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान दर्शन कुमार, पिता घुघल यादव, निवासी मधुरा के रूप में हुई। पूछताछ के बाद पुलिस ने उसके घर की तलाशी ली, जहाँ एक अर्धनिर्मित कमरे में पुआल के ढेर में छिपाकर रखी गई रॉयल स्टैग ब्रांड की 375 एमएल की तीन बोतलें तथा गुड फादर ब्रांड की 500 एमएल की 54 बियर बोतलें बरामद हुईं।थानाध्यक्ष राजकुमार ने बताया कि आरोपी दर्शन कुमार पहले भी कई बार अवैध शराब बिक्री के मामले में जेल जा चुका है। उसके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस छापेमारी में अपर थाना अध्यक्ष अभिनंदन कुमार एस आई अनिल सिंह प्रशिक्षु दरोगा रानी कुमारी शामिल थी ।

सारण एसएसपी कुमार आशीष की दबिश से 1350 अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

भाजपा नेता राकेश सिंह ने सारण एसएसपी को बधाई दी

पटना । सारण जिले में अपराध और अवैध शराब कारोबार पर नियंत्रण को लेकर वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. कुमार आशीष के नेतृत्व में अप्रैल माह के दौरान चलाए गए विशेष अभियान ने बड़ा असर दिखाया है। इस अभियान के तहत जिले भर से 1350 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई, जिसमें हत्या, लूट, दुष्कर्म, शराब तस्करी और विभिन्न संगीन मामलों में संलिप्त अपराधियों को पकड़कर न्यायिक प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की गई।

एसपी के निर्देश पर जिले के सभी थानाध्यक्षों और विशेष टीमों को साफ हिदायत दी गई थी कि असमाजिक तत्वों, संगठित अपराधियों और अवैध शराब कारोबार पर किसी भी स्तर पर कोई नरमी न बरती जाए। पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूढ़ी के सांसद प्रतिनिधि और भारतीय जनता पार्टी बिहार के कार्यकारी सदस्य राकेश सिंह ने सारण कुमार आशीष को बधाई दी और कहा कि जब से कुमार आशीष सारण एसएसपी पदभार संभाला है तब से यहां क्राइम कंट्रोल में पूरी तरह से और भी पहले से ज्यादा बढ़ गई है और इसके लिए हम लोग सारण की पूरी जनता की तरफ से कुमार आशीष को बहुत-बहुत बधाई देते हैं। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक, सारण द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असमाजिक तत्वों / अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन / बिक्री/भण्डारण / निर्माण / परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्टी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए माह-मार्च में विशेष अभियान चलाकर कुल 1350 (तेरह सौ पचास) अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें हत्या के कांड में 10, हत्या के प्रयास में-94, दहेज हत्या के कांड में-07. लूट के कांड में-14, डकैती कांड में-01, आर्म्स अधि० के कांड में-18, अपहरण के कांड में-21, पॉक्सो के कांड में-03, बलात्कार के कांड में-01, एस०सी० एक्ट के कांड में-14,

पुलिस पर हमला के कांड में-26. सामप्रदायिक कांड में-01, दहेज प्रथा अधिनियम में-01, आई०टी०एक्ट० अधि०-03, अन्य विशेष प्रतिवेदित कांड में 121, चोरी में-06, छिनतई में-01, खनन के कांड में-05, मद्यनिषेध में-598, वारंट में-389 तथा अन्य कांडों में 16 अभियुक्त शामिल हैं। इस अवधि में लंबित वारंट के निष्पादन को दृष्टिगत रखते हुए वारंट-1306 एवं कुर्की-105 का निष्पादन किया गया। पूरे माह के दौरान चलाये गये इस विशेष अभियान में देशी/विदेशी / स्ट्रीट शराब-7064 ली०, देशी कट्टा/देशी पिस्टल-15, कारतूस-52, मोबाईल-53, लैपटॉप-07, चाकू-07, साईकिल-01, पिलेट-01, कटर मशीन-01, पोटाश-15 कि0ग्रा0, अपहता-35, बैट्री-04, रिक्सा-01, मवेशी-06, तास-01, पाइप-226 पीस, डीजल-20 ली०, तार 30 मीटर, लैम्प-01, हेल्मेट-01, गैस सिलेंडर-01, प्रिंटर-01, मॉनिटर-01, सी०पी०यू०-01, शावल-01. मोटरसाईकिल / स्कूटी/स्कूटर-56, तीन/चार पहिया वाहन-14, बालु लदा ट्रक-15, खोखा / मैगजीन-04, देशी रायफल-01, एवं नगद राशि 137750 रूपया जप्त / बरामद किया गया। जिलें में अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से 7677500 रूपया जुमार्ना राशि वसूली गई। साथ ही देशी शराब की 64 भठ्ठीयो को ध्वस्त कर लगभग 46,000 लीटर अर्धनिर्मित शराब नष्ट किया गया।

पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन, संरक्षा एवं यात्री सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने पर बल

हाजीपुर- पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा आज 06.05.2025 को मुख्यालय, हाजीपुर में विभागाध्यक्षों एवं अन्य अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की गयी । इस बैठक में महाप्रबंधक द्वारा यात्री सुविधा, रेल संरक्षा सहित पूर्व मध्य रेल पर चल रहे आधारभूत संरचना के विकास से जुड़े कार्यों की समीक्षा की गयी । बैठक में पावर प्वाईंट प्रजेंटेशन के माध्यम से उपलब्धियों एवं किये जा रहे कार्यों की से महाप्रबंधक को अवगत कराया गया । महाप्रबंधक ने पूर्व मध्य रेल द्वारा यात्री सुविधा, सुरक्षा, संरक्षा आदि के संबंध में किये जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी ली । उन्होंने संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रेल परिचालन में संरक्षा नियमों के शत-प्रतिशत अनुपालन का निर्देश दिया और कहा कि संरक्षा के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिये। निर्माण परियोजनाओं की कार्य प्रगति की मॉनिटरिंग के साथ-साथ उसमें तेजी जाने तथा नई योजनाओं के कार्यान्वयन में नई तकनीक के प्रयोग पर भी महाप्रबंधक ने बल दिया ।

डीसी ने राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में कार्य प्रगति की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ डीसी मनीष कुमार की अध्यक्षता में NH 333A धर्मपुर मोड़ से पाकुड़ पथ परियोजना से संबंधित समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने अंचलाधिकारियों से कहा कि 09 मई तक बचे हुए 07 मौजा का 3G तैयार कर राष्ट्रीय राजमार्ग देवघर डिवीजन को भेजा जाय तथा 19 मई तक 03 मौजा का 3ऊप्रकाशन हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग देवघर डिवीजन को भेजने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि कार्यालय में प्राप्त 49.08 लाख रूपए का अभिश्रव दो दिनों में भुगतान हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग देवघर डिवीजन को भेजने हेतु कहा गया। साथ ही प्रत्येक शनिवार को राष्ट्रीय राजमार्ग में पड़ने वाले जमीन रैयतों से संबंधित विवादित मामलों की सुनवाई उपायुक्त द्वारा स्वयं की जाएगी। बैठक में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, हिरणपुर अंचलाधिकारी, लिट्टीपाड़ा अंचल निरीक्षक, राजस्व कर्मचारी एवं भू अर्जन कार्यालय के कर्मी सहित अन्य उपस्थित थे।

जदयू के पूर्व जिला अध्यक्ष बटेश्वर सिंह का निधन, विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के नेताओं ने जताया शोक

दिव्य दिनकर पवन कुमार चौधरी

जमालपुर। जनता दल यूनाइटेड के पूर्व जिला अध्यक्ष सह मुंगेर जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष बटेश्वर सिंह का मंगलवार को आकस्मिक निधन हो गया। दिवंगत बटेश्वर सिंह के निधन पर मुंगेर जिला के विभिन्न राजनीतिक तथा सामाजिक संगठनों से जुड़े नेताओं एवं कार्यकताओं ने शोक व्यक्त किया है। 80 के दशक और 90 के दशक में मुंगेर की राजनीति में अपनी अहम भूमिका निभाने वाले बटेश्वर सिंह कई राजनीतिक पार्टियों का हिस्सा रह चुके हैं। जन सुराज पार्टी के नेता राजीव नयन ने बताया कि जनता दल यूनाइटेड के जिला अध्यक्ष के रूप में उन्होंने पार्टी को नई ऊंचाई तक पहुंचने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया था। वर्तमान में पार्टी की ओर से उन्हें प्रदेश राजनीतिक सलाहकार समिति का सदस्य बनाया गया था। तथा मुंगेर जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष के रूप में उन्हें नई जिम्मेदारी सौंपी गई थी। आप सबकी आवाज राष्ट्रीय के प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह पटेल तथा आसा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह प्रवक्ता संजय केसरी ने बताया कि समता पार्टी के संस्थापक सदस्य के रूप में उन्होंने पार्टी के लिए अपना अहम योगदान दिया था। उनके आकस्मिक निधन से काफी दुखी और मर्माहत हूं। राजनीतिक एवं सामाजिक जगत में अपूर्णीय क्षति हुई है। जिसकी भरपाई संभव नहीं है। दिवंगत बटेश्वर सिंह के दामाद सामाजिक कार्यकर्ता विवेक श्रीवास्तव ने कहा कि सामाजिक तथा राजनीतिक क्षेत्र में बटेश्वर सिंह का काफी अहम योगदान रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष दिवंगत शरद यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री जॉर्ज फर्नांडीज सरीखे बड़े नेताओं के साथ उनका गहरा रिश्ता था। उनके निधन से राजनीतिक हलकों में शोक की लहर है। सोशल मीडिया पर सभी राजनीतिक पार्टियों के नेताओं के द्वारा दिवंगत जदयू नेता बटेश्वर सिंह को श्रद्धांजलि देने वालों की होड़ लगी है। मंगलवार शाम को केशोपुर स्थित उनके आवास पर उनके पार्थिव शरीर के दर्शन के लिए पहुंचे बिहार प्रदेश जदयू राजनीतिक सलाहकार समिति के सदस्य मनोरंजन मजूमदार, पूर्व जदयू जिला अध्यक्ष संतोष साहनी, जन सुराज संगठन के मुंगेर जिला अध्यक्ष अनितेश कुमार सिंह, हम पार्टी के नेता मो नुरुल्लाह, डेविड बेंजामिन, राजेश्वर जी, मुनिलाल मंडल तथा अशोक कुमार ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

आगामी 10 में को राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न वादों का किया जाएगा निष्पादन

राष्ट्रीय लोक अदालत में वादों के निष्पादन को लेकर 10 पीठों का किया गया गठन

मुंगेर। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निदेर्शानुसार आगामी 10 अप्रैल को सिविल कोर्ट मुंगेर में विभिन्न वादों के निष्पादन को लेकर राष्ट्रीय लोक अदालत लगाया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार मुंगेर के सचिव दिनेश कुमार ने मंगलवार को प्रेस वार्ता कर बताया कि बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश के आधार पर रविवार को बैंकिंग, दावा एवं बीमा वाद, वन वाद, सुलहनीय आपराधिक एवं दीवानी वाद, राजस्व वाद, सेवा संबंधित मामले, पेंशन मामले, वैवाहिक वाद, मोटरयान दुर्घटना वाद, विद्युत वाद, पानी विपत्र से संबंधित वाद, दूरभाष वाद, श्रम एवं मजदूरी वाद आदि मामलों के संबंध में सभी सुलहनीय वादों के सुलभ निश्वायन हेतु राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। विभिन्न प्रकार के वादों के निष्पादन हेतु कुल दस पीठों का गठन किया गया है। पीठ संख्या- 1 में पीठासीन पदाधिकारी अमित रंजन उपाध्याय, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम द्वारा सुलहनीय परिवारिक एवं वैवाहिक वाद, आपराधिक वाद, ट्रैफिक चलान, मोटरयान व एमवीआई राजस्व वाद, दूरसंचार वाद, माप-तौल, बाल श्रम वाद पीठ संख्या - 2 में पीठासीन पदाधिकारी रूम्पा कुमारी, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय द्वारा आपराधिक वाद एवं विद्युत वाद, खनन वाद एवं यूको बैंक से संबंधित मामलों का निष्पादन किया जाएगा। पीठ संख्या - 3 में पीठासीन पदाधिकारी अदिति गुप्ता, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, मुंगेर द्वारा आपराधिक वाद एवं दीवानी वाद तथा विद्युत वाद, जबकि पीठ संख्या - 4 में पीठासीन पदाधिकारी कुमार पंकज, अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम द्वारा विद्युत वाद से संबंधित मामलों, पीठ संख्या - 5 में पीठासीन पदाधिकारी आकांक्षा, अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी द्वितीय द्वारा विद्युत वाद से संबंधित मामलों का निष्पादन किया जाएगा। पीठ संख्या - 6 में पीठासीन पदाधिकारी कुमारी विजिया शान्ति, अपर मुख्य न्यादिक दण्डाधिकारी चतुर्थ, पीठ संख्या - 7 में पीठासीन पदाधिकारी संगीता कुमारी, अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी द्वारा आपराधिक, दीवानी वाद एवं विद्युत वाद तथा पंजाब नेशनल बैंक, इण्डियन ओवरसीज बैंक से संबंधित मामलों का निष्पादन किया जाएगा। पीठ संख्या - 8 में पीठासीन पदाधिकारी वर्तिका, न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी मुंगेर द्वारा दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक, इण्डियन बैंक, बंधन बैंक से संबंधित, पीठ संख्या - 9 में पीठासीन पदाधिकारी अनन्या, न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी द्वारा बैंक ऑफ बड़ौदा, भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ इण्डिया, उत्कर्ष बैंक एवं भूमि विकास बैंक से संबंधित, पीठ संख्या - 10 में पीठासीन पदाधिकारी शक्तिमान भारती, न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी द्वारा मुंगेर-जमुई सेन्ट्रल कॉपरेटिव बैंक, यूनियन बैंक, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया, पजाब सिन्ध बैंक, केनरा बैंक, श्रीराम ट्रांसपोर्ट फिनांसेस कंपनी लिमिटेड एवं अन्य मामलों का निष्पादन किया जाएगा।

बिहार के सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने इंडियन ऑइडल 12 फेम पवनदीप के लिए अनोखें अंदाज में ईश्वर से मांगी, सलामती की दुआ

कलाकार ने फनकार के लिए सरकार से लगाई गुहार, मांगी सलामती की दुआएं

बिहार में उत्तराखंड के गायक पवनदीप के कार दुर्घटना का शिकार होने पर बनाई तस्वीर, सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने ईश्वर से शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की मांगी दुआ

दिव्य दिनकर पवन कुमार चौधरी

मुंगेर/मोतीहारी। इंडियन ऑइडल 12 में अपनी सुरीली आवाज से सबको अपना दीवाने वाले उत्तराखंड के युवा ब्रांड एंबेसडर पवनदीप राजन का भयंकर कार एक्सीडेंट हो गया है। इधर इसकी जानकारी सोशल मिडिया पर मिलते ही देश के चर्चित युवा सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने भाव विभोर होकर पीपल के पत्तों पर इंडियन आइडल 12 फेम पवनदीप राजन की अनोखी तस्वीर बनाई है। सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने अपने तीन घंटों के कठीन परिश्रम के बाद दुनियां के सबसे छोटी तीन सेमी वाली पीपल के हरे पत्तों पर अपनी कलाकारी के फनकार से ईश्वर से गुहार लगाई है। वही सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने मिडिया को बताया कि देवभूमि उत्तराखंड के सपूत युवाओं के चहेते सुप्रसिद्ध गायक पवनदीप राजन जी के सड़क दुर्घटना में घायल होने का दुःखद समाचार सुनते ही भावविभोर हो गया हूं। मैं ईश्वर से उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूँ। और सरकार से भी इनके बेहतर इलाज के लिए अच्छे डॉक्टर व सभी प्रकार की सुविधा शीघ्र उपलब्ध कराने की समुचित मांग करता हुं।बता दें कि उत्तर प्रदेश के अमरोहा जनपद में दिल्ली नेशनल हाईवे पर इंडियन आइडल सीजन-12 के विजेता और उत्तराखंड के ब्रांड एंबेसडर पवनदीप राजन की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इसमें सिंगर पवनदीप राजन और उनके 2 साथी घायल हो गए। तीनों को निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार देने के बाद नोएडा के लिए रेफर कर दिया गया है। पवनदीप राजन की हालत गंभीर बताई जा रही है। उनके दोनों पैर और हाथ में फ्रैक्चर हुआ है। ये सभी उत्तराखंड से दिल्ली जा रहे थे। मौके पर पुलिस पहुंचीं और क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर घायलों को तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके बाद सभी को गभीर हालत मे उपचार के लिए दिल्ली रेफर किया गया है। देशभर में संगीतप्रेमी शोशल मिडिया पर इस गायक के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ का कामना भी कर रहे हैं।

बेगूसराय पुलिस ने 25 हजार के इनामी अपराधी बबलू को 19 वर्ष बाद जयपुर से किया गिरफ्तार

बेगूसराय में 2006 की हत्या के बाद 19 साल से फरार 25,000 के इनामी अपराधी बबलू कुमार उर्फ कुणाल सिंह को पुलिस ने जयपुर से गिरफ्तार किया.

रंजीत कुमार विद्यार्थी

बेगूसराय (मुंगेर) : मुंगेर प्रमंडल अंतर्गत बेगूसराय जिले में वर्ष 2006 में एक जघन्य हत्या कांड हुआ था। इस मामले में फरार चल रहा 25,000 का इनामी अपराधी आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। मटिहानी थाना क्षेत्र के कुख्यात अपराधी बबलू कुमार उर्फ कुणाल सिंह को पुलिस ने राजस्थान के जयपुर जिले से गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी बबलू कुमार 2006 में हुए रामदीरी भवानंदपुर निवासी ललन सिंह की गोली मारकर हत्या के मामले में नामजद अभियुक्त था। घटना के बाद से ही वह फरार चल रहा था और पुलिस की गिरफ्त से दूर था।

बबलू के खिलाफ थाने में 05 मामले

बेगूसराय के डीएसपी इमरान अहमद ने मटिहानी थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि बबलू उर्फ कुणाल के खिलाफ मटिहानी थाना में कल पांच

आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से तीन मामलों में वह जमानत पर था, जबकि दो गंभीर मामलों- एक हत्या और एक हत्या की कोशिश में 2006 से फरार चल रहा था। हाल ही में अप्रैल 2025 में उस पर 25,000 का इनाम घोषित किया गया था, जिसके बाद पुलिस की एक विशेष टीम का गठन किया गया। यह टीम बेगूसराय की डिटेक्टिव इंवेस्टिगेशन यूनिट (ऊक्व) के सहयोग से राजस्थान के जयपुर पहुंची और विश्वकर्मा थाना क्षेत्र से उसे धर दबोचा।

सटीक लोकेशन की जानकारी से पकड़ा गया बबलू

डीएसपी ने बताया कि पुलिस ने तकनीकी और वैज्ञानिक तरीकों से जांच को आगे बढ़ाया, जिससे फरार अपराधी की सटीक लोकेशन का पता लगाया जा सका। करीब 19 वर्षों के बाद यह गिरफ्तारी पुलिस की सूझबूझ और टीमवर्क का परिणाम है।

सिंधु जल समझौता: बांध और बंदूक के बीच भारत की रणनीति

>> विचार

> "पानी को पूरी तरह रोकना तकनीकी, आर्थिक, और भौगोलिक रूप से एक जटिल और लंबी प्रक्रिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम, चिनाब) के पानी को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए भारत को 5 से 10 साल का समय लग सकता है। इसका कारण यह है कि भारत की वर्तमान जल भंडारण क्षमता लगभग नगण्य है, क्योंकि समझौते के तहत केवल रन-ऑफ-द-रिवर परियोजनाओं की अनुमति थी। नए भंडारण बांधों के निर्माण के लिए खरबों रुपये, पर्यावरणीय मंजूरी, और जटिल पहाड़ी क्षेत्रों में इंजीनियरिंग की आवश्यकता होगी। भारत सरकार ने इस दिशा में तीन चरण की रणनीति अपनाई है।

जयसिंह रावत

पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने 23 अप्रैल को सिंधु जल समझौते (1960) को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने की घोषणा की। यह कदम पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के जवाब में उठाया गया। इस फैसले ने न केवल भारत-पाकिस्तान संबंधों में तनाव बढ़ाया, बल्कि मीडिया में तरह-तरह की अटकलों और भ्रामक दावों को भी जन्म दिया। कुछ खबरों में दावा किया गया कि भारत ने सिंधु नदी प्रणाली का पानी पूरी तरह रोक दिया है, जिससे पाकिस्तान में सूखा पड़ गया है। जबकि अब तक यह भारत का दबाव ही है। वास्तविकता इन दावों से कहीं अधिक जटिल है। फिलहाल भारत ने चिनाब नदी पर बने बांध से पाकिस्तान को पानी की आपूर्ति रोक दी, यह कदम पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण के बाद उठाया गया। भारत का पानी पर नियंत्रण अवश्य है, मगर पूरी तरह पानी रोकना बहुत दूर की कौड़ी है। भारत ने डेटा साझा करना बंद कर दिया है और पाकिस्तानी निरीक्षकों की परियोजना स्थलों पर यात्राओं को रोका है, लेकिन पानी का प्रवाह पूरी तरह से बंद नहीं हुआ है। अगर पाकिस्तान को सद्बुद्धि आ जाए तो पानी रोकने की नौबत ही नहीं आएगी।

संधि का निलंबन, रद्दीकरण नहीं : यह गौर करने वाली बात है कि भारत ने सिंधु जल समझौते को रद्द नहीं, बल्कि स्थगित (सस्पेंड) किया है। इसका मतलब है कि यदि पाकिस्तान आतंकवाद को रोकने की ठोस गारंटी या भरोसा देता है, तो समझौता पुनः लागू हो सकता है। 1960 में विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुए इस समझौते के तहत सिंधु नदी प्रणाली की छह नदियों को दो हिस्सों में बांटा गया: पूर्वी नदियां (सतलुज, ब्यास, रावी) भारत के नियंत्रण में, और पश्चिमी नदियां (सिंधु, झेलम, चिनाब) मुख्य रूप से पाकिस्तान के लिए। समझौता निलंबित होने से भारत अब जल डेटा साझा करने, नई परियोजनाओं की जानकारी देने, या पाकिस्तानी अधिकारियों को निरीक्षण की अनुमति देने जैसे दायित्वों से मुक्त है। यह भारत को पश्चिमी नदियों पर बांध और जल भंडारण परियोजनाओं को तेजी से विकसित करने की छूट देता है। हालांकि, मीडिया में यह धारणा बन रही है कि भारत ने इन नदियों का पानी पूरी तरह रोक दिया है। यह सच नहीं है। भारत ने चिनाब नदी पर बगलिहार बांध से पानी के प्रवाह को आंशिक रूप से नियंत्रित किया है, जिसका असर सीमित क्षेत्रों में दिखा है। किशनगंगा बांध पर भी ऐसी योजना बन रही है, लेकिन अभी इसे लागू नहीं किया गया। पाकिस्तान में पानी की कमी की खबरें अतिशयोक्तिपूर्ण हैं, क्योंकि वहां अभी बड़े पैमाने पर जल संकट की स्थिति नहीं बनी है।

पानी रोकने की प्रक्रिया, समय और संसाधन : पानी को पूरी तरह रोकना तकनीकी, आर्थिक, और भौगोलिक रूप से एक जटिल और लंबी प्रक्रिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम, चिनाब) के पानी को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए भारत को 5 से 10 साल का समय लग सकता है। इसका कारण यह है कि भारत की वर्तमान जल भंडारण क्षमता लगभग नगण्य है, क्योंकि समझौते के तहत केवल रन-ऑफ-द-रिवर परियोजनाओं की अनुमति थी। नए भंडारण बांधों के निर्माण के लिए खरबों रुपये, पर्यावरणीय मंजूरी, और जटिल पहाड़ी क्षेत्रों में इंजीनियरिंग की आवश्यकता होगी। भारत सरकार ने इस दिशा में तीन चरण की रणनीति अपनाई है। पहले चरण में मौजूदा बांधों, जैसे बगलिहार और किशनगंगा, का उपयोग कर पानी का प्रवाह नियंत्रित किया जा रहा है। दूसरे चरण में रुकी हुई परियोजनाएं, जैसे तुलबुल नेविगेशन प्रोजेक्ट, को तेजी से शुरू करने की योजना है। तीसरे और दीर्घकालिक चरण में नए बड़े भंडारण बांध बनाए जाएंगे, जो राजस्थान, पंजाब, और हरियाणा जैसे राज्यों को लाभ पहुंचाएंगे। हाल ही में सिंधु नदी पर दो नई स्टोरेज परियोजनाओं की घोषणा की गई है, लेकिन इनके पूरा होने में कई साल लगेंगे।

बगलिहार और किशनगंगा की भूमिका : जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर स्थित बगलिहार बांध 450 मेगावाट की पनबिजली परियोजना है, जो 2008 में शुरू हुई थी। यह एक रन-ऑफ-द-रिवर बांध है, जिसका मतलब है कि यह पानी को लंबे समय तक रोकने के लिए डिज़ाइन नहीं किया गया। हाल के हफ्तों में भारत ने इस बांध से पानी के प्रवाह को आंशिक रूप से कम किया है, जिससे पाकिस्तान में चिनाब नदी के कुछ हिस्सों में पानी की मात्रा घटी है। हालांकि, यह कमी अभी इतनी नहीं है कि पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर सूखा पड़ जाए। इसी तरह, झेलम की सहायक नीलम नदी पर किशनगंगा बांध 330 मेगावाट की परियोजना है, जो 2018 में शुरू हुई। भारत इस बांध से भी पानी रोकने की योजना बना रहा है, लेकिन अभी यह लागू नहीं हुआ है। दोनों बांधों की भंडारण क्षमता सीमित है, और इन्हें बड़े पैमाने पर पानी रोकने के लिए अपग्रेड करना होगा। यह प्रक्रिया समय और संसाधन दोनों की मांग करती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इन बांधों से पानी का प्रवाह नियंत्रित तो किया जा सकता है, लेकिन पूरी तरह रोकना तब तक संभव नहीं है, जब तक बड़े भंडारण बांध न बनें।

पानी रोकने की चुनौतियां : पानी को पूरी तरह रोकने की प्रक्रिया कई चुनौतियों से भरी है। सबसे पहले, अंतरराष्ट्रीय कानून एक बड़ा मसला है। पाकिस्तान ने इस निलंबन को 1969 के वियना कन्वेंशन और अंतरराष्ट्रीय संधियों का उल्लंघन बताया है। वह विश्व बैंक, हेग की स्थायी मध्यस्थता अदालत, या अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में जा सकता है। विश्व बैंक, जिसने समझौते की मध्यस्थता की थी, इस मामले में तटस्थ भूमिका निभा सकता है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय दबाव भारत के लिए चुनौती बन सकता है।दूसरा, पर्यावरणीय मुद्दे भी महत्वपूर्ण हैं। बड़े पैमाने पर पानी रोकने से नदी बेसिन का पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित हो सकता है। स्थानीय वनस्पति, जीव-जंतु, और नदी पर निर्भर समुदायों पर इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है। इसके अलावा, यदि पानी को बड़े पैमाने पर रोका गया, तो जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश जैसे क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। भारी बारिश या ग्लेशियर पिघलने की स्थिति में बांधों की क्षमता अपर्याप्त हो सकती है, जिससे नदियों के किनारे बसे इलाकों में तबाही मच सकती है। तीसरा, तकनीकी और आर्थिक चुनौतियां भी कम नहीं हैं। नए भंडारण बांधों का निर्माण पहाड़ी क्षेत्रों में करना होगा, जहां भूकंप का जोखिम, भूस्खलन, और जटिल भूगोल इंजीनियरिंग को मुश्किल बनाते हैं। इसके लिए भारी निवेश और लंबी अवधि की योजना की जरूरत है।

पाकिस्तान और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्रतिक्रिया : पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और कृषि सिंधु नदी प्रणाली पर अत्यधिक निर्भर है। वहां की 80% कृषि भूमि और प्रमुख शहर, जैसे कराची और लाहौर, इस जल प्रणाली पर निर्भर हैं। भारत के फैसले से पाकिस्तान में चिंता का माहौल है। पाकिस्तानी नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने कहा, सिंधु में पानी बहेगा या खून बहेगा। पाकिस्तान ने इस निलंबन को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताते हुए विश्व बैंक, हेग की मध्यस्थता अदालत, और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में जाने की बात कही है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय भी इस घटनाक्रम पर नजर रख रहा है। चीन और अफगानिस्तान, जो सिंधु बेसिन के हिस्से साझा करते हैं, इस फैसले के प्रभावों का आकलन कर रहे हैं। यदि भारत पानी रोकने में सफल होता है, तो यह दक्षिण एशिया के जल-राजनीतिक समीकरण को बदल सकता है।

आगे की राह : भारत का यह फैसला पाकिस्तान पर दबाव बनाने का एक रणनीतिक कदम है, जो आतंकवाद के मुद्दे पर कड़ा संदेश देता है। लेकिन यह केवल तकनीकी मसला नहीं, बल्कि कूटनीतिक, कानूनी, और पर्यावरणीय चुनौतियों से भरा है। भारत को नए बांधों के निर्माण, पर्यावरणीय प्रभावों, और स्थानीय समुदायों के पुनर्वास जैसे मुद्दों से जूझना होगा। साथ ही, बाढ़ जैसे जोखिमों को कम करने के लिए मजबूत योजना की जरूरत है। दूसरी ओर, पाकिस्तान के लिए यह फैसला दीर्घकालिक जल संकट का खतरा पैदा कर सकता है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता पर असर पड़ सकता है। हालांकि, समझौता स्थगित होने से यह संभावना भी बनी है कि यदि पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ ठोस कदम उठाता है, तो दोनों देश कूटनीतिक बातचीत के जरिए तनाव कम कर सकते हैं। मीडिया में चल रही भ्रामक खबरों के बीच यह समझना जरूरी है कि भारत का फैसला एक दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। पानी का प्रवाह तत्काल नहीं रुका है, और न ही पाकिस्तान अभी सूखे की चपेट में है। लेकिन आने वाले वर्षों में भारत की नई परियोजनाएं और बांध इस क्षेत्र के जल-राजनीतिक समीकरण को बदल सकते हैं। यह समय दोनों देशों के लिए संयम, कूटनीति, और दूरदर्शिता का है, ताकि तनाव युद्ध या बड़े संकट में न बदल जाए।

संपादकीय

जेनेरिक दवाएं रोकेंगी अनैतिक मुनाफाखोरी

कई बार समाचार सुनने-पढ़ने को मिलते हैं कि परिजनों के गंभीर व असाध्य रोगों के महंगे इलाज की वजह से लाखों लोग गरीबी की दलदल में डूब गए। कोरोना संकट के दौरान भी लोगों द्वारा घर, जमीन व जेवर बेचकर अपनों की जान बचाने की कोशिश की खबरें मीडिया में तैरती रही। लेकिन सामान्य दिनों में दवा कंपनियों की मिलीभगत व दबाव में लिखी जाने वाली महंगी दवाइयां भी गरीबों को टीस दे जाती हैं। इसके बावजूद कि बाजार में उसी साल्ट वाली गुणवत्ता की जेनेरिक दवा सहज उपलब्ध है। कुछ समय पहले केंद्र सरकार की ओर से जेनेरिक दवाइयां लिखने की अनिवार्यता के निर्देश का अच्छा-खासा विरोध हुआ, जिसके चलते निर्णय वापस लेना पड़ा था। अब इसी चिंता को देश की शीर्ष अदालत ने अभिव्यक्त किया है। दरअसल, बीते शुक्रवार को दवा कंपनियों की मुनाफाखोरी के कारोबार से बढ़ती दवाओं की कीमतों के बाबत एक मामले में सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि डॉक्टर केवल जेनेरिक दवाइयां ही लिखना प्रारंभ कर दें, तो दवा कंपनियों व चिकित्सकों के अपवित्र गठबंधन को तोड़ा जा सकता है। निस्संदेह, तरह-तरह के प्रलोभन व परोक्ष-अपरोक्ष लाभ देकर दवा कंपनियां चिकित्सकों पर महंगी दवा लिखने का दबाव बनाती हैं। जिसकी कीमत उन लोगों को चुकानी पड़ती है, जो महंगी दवा खरीदने की क्षमता नहीं रखते। ऐसे में वे कर्ज लेकर या अपने रिश्तेदारों से मदद लेकर किसी तरह गंभीर रोगों से ग्रस्त मरीजों का इलाज कराते हैं। इस खर्च के दबाव के चलते परिजनों को भी तमाम कष्ट उठाने पड़ते हैं। गाहे-बगाहे सरकारों ने दवा कंपनियों की बेलगाम मुनाफाखोरी रोकने को कदम उठाने की घोषणाएं तो कीं, लेकिन समस्या का सार्थक समाधान नहीं निकल पाया। चिकित्सा बिरादरी की तरफ से भी यदि इस दिशा में सहयोग मिलने लगे तो इस समस्या का समाधान किसी सीमा तक संभव हो सकता है। लेकिन विडंबना है कि ऐसा हो नहीं पा रहा है। एक संकट यह भी है कि दवा कंपनियों द्वारा प्रचार किया जाता है कि जेनेरिक दवाइयां रोग के उपचार में पर्याप्त रूप से सक्षम नहीं होती। निस्संदेह, सरकारों को इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा कि जेनेरिक दवाइयों को प्रोत्साहन देने के उसके प्रयास क्यों सिरे नहीं चढ़ते। एक वजह यह भी है कि दवा कंपनियों की लॉबी खासी ताकतवर होती है और साम-दाम-दंड-भेद की नीति का उपयोग करके अपने उत्पादों का विपणन करने में सफल हो जाती है। ऐसे आक्षेपों से चिकित्सा बिरादरी भी दोषमुक्त नहीं हो सकती, जो दवा कंपनियों के लोभसंवरण से मुक्त नहीं हो पाती। सरकारों को देखना चाहिए कि दवा कंपनियों द्वारा पोषित कदाचार पर नियंत्रण के प्रयास जमीनी हकीकत क्यों नहीं बन पाते। यदि ये कदम सख्ती से उठाए जाएं तो गरीब मरीज गंभीर रोगों का उपचार करने में सक्षम हो पाएंगे। फिर उनके अपनों का इलाज उनकी क्षमता के अनुरूप हो सकेगा। निस्संदेह, लंबे उपचार व असाध्य रोगों के इलाज में दवाओं की कीमत एक प्रमुख घटक होता है। यदि दवा नियंत्रित दामों में मिल सके तो उनकी बड़ी चिंता खत्म हो सकती है। निस्संदेह, दवाओं की कीमत हमारी चिकित्सा सेवाओं के लिये एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। सरकार को चाहिए कि गांव से लेकर शहरों तक जेनेरिक दवाओं के मेडिकल स्टोर बड़ी संख्या में खोले जाएं। मरीजों के तिमारदार उन तक आसानी से पहुंच सकें। इस काम में स्वयं सेवा समूहों की मदद ली जा सकती है ताकि गरीब-अनपढ़ मरीजों को जागरूक करके जेनेरिक दवाइयों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा सके। मरीजों के परिजनों को विश्वास दिलाया जाना चाहिए कि जेनेरिक दवाइयां भी उसी साल्ट से बनी होती हैं, जिससे महंगी ब्रांडेड दवाइयां बनी होती हैं। निश्चित रूप से चिकित्सा बिरादरी का भी फर्ज बनता है कि वे अपने ऋषिकर्म का दायित्व निभाते हुए गरीब मरीजों को अधिक से अधिक जेनेरिक दवाइयां लिखना शुरू करें। यह उनके लिये भी पुण्य के काम जैसा होगा। लेकिन एक बात तो तय है कि सरकार असरकारी व समान गुणवत्ता की जेनेरिक दवाओं की बिक्री व सहज उपलब्धता के लिये युद्धस्तर पर प्रयास करे। साथ ही सूचना माध्यमों व स्वयं सेवी संस्थाओं की मदद से जागरूकता अभियान भी चलाए।

समता व न्याय आधारित विकल्प के समक्ष चुनौतियां

डॉ. रामजीलाल

प्रत्येक देश में ऐसे महापुरुष हुए हैं, जिन्होंने मानवता को नई दिशा देकर सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक, एवं राजनीतिक विकास में अग्रणी भूमिका निभाई। इन महापुरुषों में डॉ. भीमराव अंबेडकर का नाम भी शामिल है। अधिकांश देशों में समाज के हाशिये पर रहने वाले लोग उनसे प्रेरणा लेते हैं। लगभग 150 देशों में उनकी जयंती मनाई जाती है। हाल ही में अमेरिका स्थित न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने घोषणा की है कि हर साल 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर दिवस मनाया जाएगा। विश्व में डॉ. अंबेडकर की जयंती पर अनेक समारोह, सेमिनार, परिसंवाद आदि आयोजित किए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर भारतीय समाज में अंबेडकरवाद और उनके योगदान को कम करने के प्रयास जारी हैं। अंबेडकरवादी विचारों के विरोधियों द्वारा उनकी प्रतिमाओं पर अभद्रता की घटनाएं भी सामने आती हैं। डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर (14 अप्रैल, 1891-6 दिसम्बर, 1956) भारतीय संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष, प्रसिद्ध वकील, भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री, भाषाविद्, राजनीतिज्ञ, अर्थशास्त्री, जाति-पाति एवं छुआछूत उन्मूलन के समर्थक, वंचित वर्ग के मसीहा व विषमता के विरुद्ध आंदोलन के समर्थक थे। डॉ. अंबेडकर के मुताबिक, महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक

सशक्तीकरण के बिना समाज का सुधार एवं विकास नहीं हो सकता। डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा समय-समय पर समाचार पत्रों, पुस्तकों, भाषणों, संविधान सभा की बहसों आदि में विभिन्न मुद्दों पर व्यक्त किए गए विचारों का व्यवस्थित रूप ही अंबेडकरवाद या अंबेडकर की सोच माना जाता है। अंबेडकरवाद की विचारधारा दुनिया के राजनेताओं से लेकर समाज के हाशिये पर मौजूद लोगों तक सभी का मार्गदर्शन करती है। अंबेडकरवाद विचारों का एक समूह है, जिसमें समानता, स्वतंत्रता, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक न्याय, मानवीय गरिमा, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र, समाजवाद, और उपेक्षित वर्गों- दलितों, आदिवासियों, महिलाओं, किसानों और कृषि श्रमिकों, श्रमिकों का सशक्तीकरण तथा ऐसे समतावादी समाज की स्थापना शामिल है, जहां बुनियादी जरूरतें -भोजन, आश्रय, वस्त्र, शिक्षा, स्वास्थ्य, काम का अधिकार और समान काम के लिए समान वेतन का हक- पूरी हों। अंबेडकरवादी चिंतन इस बात का समर्थन करता है कि महत्वपूर्ण उद्योगों पर सार्वजनिक नियंत्रण (राष्ट्रीयकरण) होना चाहिए। ऐसे में यह चिंतन इस दौर में प्रचलित उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण सहित निगमीकरण के विरुद्ध है। डॉ. अंबेडकर का समाजवादी चिंतकों में महत्वपूर्ण स्थान है। अंबेडकरवाद ऐसे समाज की स्थापना की कल्पना करता है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का मूल्य जीवन के हर क्षेत्र में समान हो, न कि जन्म, जाति, क्षेत्र, धर्म, भाषा व लैंगिक आदि संकीर्णताओं के आधार पर। भारत में कई तरह की विविधताओं के चलते अंबेडकरवाद सामाजिक सद्भाव और एकता बनाए रखने के लिए 'विविधता में एकता के सिद्धांत' की वकालत करता है। अंबेडकरवाद सामाजिक असमानता, अन्याय, अस्पृश्यता, जातिवाद, सामंतवाद, पूंजीवाद, नौकरशाही के जन-विरोधी रवैये, बहुसंख्यक तानाशाही, हिंसक आंदोलनों, धर्म-आधारित या धर्म-प्रधान राज्यों के खिलाफ है। अंबेडकरवाद के अनुसार जातिवाद के कारण उत्पन्न अस्पृश्यता संकुचित, विभाजक व अमानवीय है। जो राष्ट्रीय एकता, एकीकरण के अलावा देश के विकास में अवरोधक है। अंबेडकरवाद के अनुसार अस्पृश्यता के कारण दलित वर्ग को अपमान झेलना पड़ा। सामाजिक क्रांति के बिना शोषण, असमानता, एवं अपमानजनक व्यवहार समाप्त नहीं होगा। वे जाति प्रथा उन्मूलन के पैरोकार थे। अंबेडकरवाद के समक्ष प्रमुख चुनौतियां हैं- भेदभाव और सामाजिक असमानता, राजनीति में नायक पूजा, जातिवाद, अनुसूचित जाति और जनजातियों के विरुद्ध अपराध, हिंसा, अमानवीय घटनाओं, जाति व रंग के आधार पर अत्याचारों में वृद्धि, प्रशासन में पक्षपात और आर्थिक असमानता आदि। भारत के संविधान के लागू होने के संदर्भ में डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समाज में विद्यमान विरोधाभासों पर प्रकाश डालते हुए कहा था कि '26 जनवरी, 1950 को हम विरोधाभासों के जीवन में प्रवेश करने जा रहे हैं। राजनीति में हम एक व्यक्ति, एक वोट और एक वोट, एक मूल्य के सिद्धांत को मान्यता देंगे। लेकिन सामाजिक और आर्थिक जीवन में, हम अपनी सामाजिक और आर्थिक संरचना के कारण, एक व्यक्ति, एक मूल्य के सिद्धांत को नकारते रहेंगे। हम कब तक विरोधाभासों का जीवन जीते रहेंगे व सामाजिक और आर्थिक जीवन में समानता को नकारते रहेंगे? अगर हम इसे लंबे समय तक नकारते रहेंगे, तो हम अपने राजनीतिक लोकतंत्र को खतरे में डाल देंगे। हमें इस विरोधाभास को जल्द से जल्द दूर करना होगा।' अंबेडकरवाद के अनुसार, विभिन्न जातियों, धर्मों, संस्कृतियों, क्षेत्रों और विभिन्न भाषा बोलने वाले लोगों के बीच सद्भावना आवश्यक है। भारत की विशालता और विविधता को ध्यान में रखते हुए 'विविधता में एकता' के आधार पर राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को मजबूत किया जा सकता है। अंबेडकरवाद वर्तमान व्यवस्था के विकल्प की वकालत करता है जिसका उद्देश्य गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी और अशिक्षा से मुक्त समतावादी समाज की स्थापना; सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय; प्रमुख उद्योगों पर सार्वजनिक नियंत्रण; धन का विकेंद्रीकरण और हाशिए पर मौजूद वर्गों का सशक्तीकरण है।

सचेतना से असंभव भी होता है संभव

प्रदीप मैगज़ीन

मन और शरीर, दो ऐसे स्तंभ, जिन पर इंसान का वजूद टिका है। एक खिलाड़ी उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए चुने हुए खेल की मांगों के अनुसार अपने शरीर को परिपूर्ण बनाने में पूरा जीवन लगा देता है। मानव मन के असीम विस्तार में, ऐसा कोई लक्ष्य नहीं है जिसे प्राप्त न किया जा सके। कोई व्यक्ति पलक झपकने भर में आल्प्स के ऊपर से उड़ने या हिमालय पर विजय पाने या निराशा की गहराइयों में गिरने की कल्पना कर सकता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर शरीर और मन एक सार हो जाएं, तो कोई भी बाधा, चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हो, उससे पार पाया जा सकता है। दुनिया एक ऐसे सांचे की तरह है जिसमें मानव शरीर आकार लेता है और नए-नए विचार ढलते रहते हैं। यदि हम मान लें कि खेल जीवन का एक रूपक है तो हम महसूस करेंगे कि अगरचे मन और शरीर विपरीत उद्देश्यों से काम करेंगे, तो सफलता कभी हासिल नहीं हो सकती। खेल आपके भावनात्मक अनुकूलन की खामियों से निपटने में भी उतना ही कारगर है जितना कि आपके शारीरिक कौशल को परिपूर्ण बनाने में। माइंडफुलनेस (सचेतन) नए युग का मंत्र है, वह जादुई औषधि जो आपको अतीत के तमाम दुखों और कल्पित दुखद भविष्य की चिंताओं से दूर रख सकता है। बुद्ध ने 2,500 साल पहले कहा था 'वर्तमान में जीओ, तमाम चिंताएं तिरोहित हो जाएंगी।' मैं नियमित रूप से एक बौद्ध ध्यान केंद्र जाया करता हूं, हैरानी की बात है कि वहां पर आने वालों में, युवा और बेचैन लोगों की संख्या उन लोगों की तुलना में अधिक होती है, जिनके अंदर उम्र जनित अनुभवों से अवसाद और असहायता बनती है। भविष्य का डर, ध्यान भटकाने वाले अंतहीन कारक और एक ऐसी दुनिया में जीना जिसमें मानवीय संपर्क बहुत कम है लेकिन वे व्यक्तिगत जान-पहचान विहीन सोशल मीडिया मित्र मंडल द्वारा चालित आभासीय दुनिया में विचरते हैं, यह सब उन्हें एक ऐसे रास्ते की तलाश करने के लिए मजबूर कर देता है, जो उन्हें उनके वर्तमान जीवन से नहीं मिलता। स्थिरता एवं पूर्ण-एकाग्रता बनाने का प्रशिक्षण लेने की चाह में वहां आने वाले ऐसे अनेक युवाओं में एक पेशेवर गोल्फ खिलाड़ी भी था। वह खेल में अपनी कमियों से जूझ रहा था, जिसका संबंध उसके अस्थिर मन और एकाग्रता की कमी से था। उसे मोक्ष की तलाश नहीं थी, बल्कि वह तो अपने मन को नियंत्रित रखने के तरीके खोज रहा था, ताकि गोल्फ़ कोर्स पर अपनी पूरी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन कर सके। कई सालों बाद मैं गेंदबाजों को बेतरह धुनने वाले और भारतीय क्रिकेट सबसे घातक बल्लेबाजों में से एक से मिला, जो अब खेल से सेवानिवृत्त हो चुका है और अपने जैसे अधिकांश लोगों की तरह अपना वक्त गोल्फ़ खेलने में बिताता है। कई लोग कहते हैं कि वह इतना अच्छा खेलता है कि गोल्फ का पेशेवर खिलाड़ी बन सकता है। मैंने उससे पूछा कि क्या उसने कभी पेशेवर गोल्फ़र बनने के बारे में सोचा? जवाब था 'नहीं, मैं अपने गोल्फ़ का लुत्फ़ उठाना चाहता हूं। अब और दबाव नहीं झेलना चाहूंगा।' टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में छह छक्के जड़ने वाले खिलाड़ी हों और दबाव की बात? सफलता की कीमत चुकानी पड़ती है। आकांक्षी खिलाड़ियों को जितनी जरूरत तकनीकी कोचिंग की पड़ती है, उतनी ही आवश्यकता प्रशिक्षण से उन्हें दिमागी रूप से तैयार करने की भी होती है। इसके लिए ज़्यादा सही शब्द होगा- भावनात्मक

कोचिंग। हमारी पांच इंद्रियां दुनिया के लिए हमारा प्रवेश द्वार हैं और हर व्यक्ति की अपनी एक अनूठी न्यूरोलॉजी होती है, जिसे मौखिक और गैर-मौखिक भाषा के ज़रिए व्यक्त किया जाता है। खिलाड़ियों को जिन भावनात्मक मुद्दों से जूझना पड़ता है, उनसे पार पाने के लिए न्यूरो लिंग्विस्टिक प्रोग्राम (एनएलपी) नामक एक विशिष्ट मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण पद्धति, उनकी समस्याओं का हल इन संवेदी धारणाओं को अपने शोध के केंद्र में रखकर करती है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जो शरीर और मांसपेशियों की हरकतों से किसी व्यक्ति में बनने वाले अदृश्य आघात को बूझता है। इस पद्धति का इस्तेमाल करने वालों में से एक हैं मेधावी और जानकारी से परिपूर्ण रुखसार सलीम, जो दिल्ली के शिवाजी स्टेडियम में वंचित बच्चों के लिए के. अरुमुगम द्वारा आयोजित हॉकी कोचिंग कार्यक्रम में मदद कर रही हैं। अरुमुगम को भारत की 1975 विश्व कप जीत पर लिखी गई बेहतरीन हॉकी पुस्तक के लिए बेहतर जाना जाता है। रुखसार पहले बिजनेस जगत की पत्रकार थीं, जिन्होंने अपना कार्यक्षेत्र बदला है, मानव व्यवहार पैटर्न को समझने के लिए एनएलपी में मास्टर्स कोर्स किया। वह कहती हैं कि प्रत्येक व्यक्ति के शरीर में न्यूरो-भाषा विज्ञान की एक अनूठी प्रोग्रामिंग होती है। इस कार्यक्रम के स्थापित तथ्यों में से एक सूक्ति है 'भावनाएं मन (मस्तिष्क) में निवास करती हैं, भावनाएं आपकी मांसपेशियों में मौजूद होती हैं। उनके अनुसार, पांच इंद्रियों में से तीन -दृश्य, श्रवण और गतिज- किसी भी जानकारी को प्राप्त करने का पुष्ट और प्रमुख माध्यम हैं। प्रत्येक व्यक्ति के पास बाहरी वातावरण से जानकारी को ग्रहण करने की एक जन्मजात या अर्जित प्राथमिकता होती है (या तो संस्कृति से या अभ्यास के कारण)। 'इसलिए एक अच्छा कोच सबसे पहले इस चीज़ की शिनाख्त करता है कि जानकारी प्राप्त कैसे हुई और वह खिलाड़ी को उस जानकारी को संसाधन के रूप में उपयोग करने और दबाव में अपने प्रदर्शन को अनुकूलित करने में, अनुपयोगी जानकारी को दरकिनार करने में मदद करता है। उदाहरण के लिए, विराट कोहली के मामले में, उनके शरीर की हरकतों में सहजता और बल्लेबाजी न करते वक्त भी मैदान में चारों ओर नज़र बनाए रखने की क्षमता, उनके अत्यधिक दृश्यशील एवं गतिज होने की ठोस संकेतक हैं। लेकिन कोई खिलाड़ी ऐसा हो सकता है जो चीखती-चिल्लाती भीड़ को देखकर असहज हो जाए और अत्यधिक दबाव महसूस करे। यह संभावना है कि दंगा-ग्रस्त क्षेत्रों के लोगों की न्यूरोलॉजी अलग किस्म की बन जाती है, और वे हमेशा बाहर की ओर तकते रहते हैं, किसी संभावित खतरे की टोह लेने में। एक कोच का काम बाहरी और आंतरिक दुनिया के बीच संतुलन बनाना और जानने और करने के बीच के अंतर को कम करना है। मन और उसकी जटिलताएं और इसके परिणामवश बने व्यवहार के पैटर्न को समझना एक जीवन भर चलने वाला काम हो सकता है। बौद्ध धर्म के अनुसार, समता और ज्ञान के उस अंतिम लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कई जीवन-काल की आवश्यकता होगी। खिलाड़ियों को उनकी इष्टतम क्षमता प्राप्त करने में मदद करने वाली हमारी सीमित परियोजना के लिए यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है कि हमें क्या प्रेरित करता है और क्या हमें सीमित बनाता है। जैसा कि रुखसार बताती हैं, हम अपनी सभी समस्याओं से छुटकारा नहीं पा सकते लेकिन हम उन्हें समझ सकते हैं और उनका समाधान कर सकते हैं।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में हुई शिकायत पर मुंढेता गांव में हटाया गया पंचायत जमीन से अवैध कब्जा

नूंह। ड्यूटी मजिस्ट्रेट विजय सिंह तहसीलदार की मौजूदगी में भारी पुलिस बल के साथ मुंढेता गांव की पंचायत की जमीन पर अवैध कब्जा को लेकर पीला पंजा चलाया गया और पंचायत की जमीन को खाली कराया गया। जिसको लेकर वहां पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए और भारी पुलिस पर तैनात रहा। आपको बता दें कि ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में गांव के ही शिकायतकर्ता मुमताज की शिकायत पर गांव में पंचायत जमीन पर अवैध कब्जा कर मकान बनाने की शिकायत लगाई गई थी। जिस पर ग्रीवेंस कमेटी के अध्यक्ष हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री राव नरवीर सिंह ने पंचायत विभाग को पंचायत जमीन से अवैध कब्जा हटाने के निर्देश दिए थे। बीडीपीओ सुरजीत सिंह और गांव के सरपंच मौके पर मौजूद रहे। इतना ही नहीं ड्यूटी मजिस्ट्रेट पुनहाना के तहसीलदार विजय सिंह के नेतृत्व में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में पीला पंजा चला कर गांव में पंचायत की जमीन पर कुछ लोगों द्वारा किए गए अवैध कब्जे को हटाया गया। गांव के सरपंच सद्दाम हुसैन ने बताया कि कुछ लोगों ने पंचायत की जमीन पर मकान और चारदीवारी कर कब्जा किया हुआ था। जिसकी शिकायत गांव के ही मुमताज द्वारा ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में की गई थी।

पुलिस व मीडिया के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए पुलिस उपायुक्त यातायात ने पत्रकारों के साथ की बैठक

गुरुग्राम। पुलिस उपायुक्त यातायात डा. राजेश चौहान द्वारा अपने कार्यालय ट्रैफिक टॉवर, सुशांत लोक सैक्टर-28 में मीडिया कर्मियों के साथ बैठक का आयोंजन किया गया। पुलिस उपायुक्त द्वारा पत्रकारों से यातायात पुलिस की कार्य प्रणाली के संबंध में सुझाव मांगे तथा उन सुझावों पर चर्चा की गई। इस दौरान पुलिस उपायुक्त ने पत्रकारों से कहा कि यातायात पुलिस द्वारा किए जा रहे कार्यो को सकारात्मक रूप से आमजन के सामने रखें ताकि पुलिस द्वारा किए जा रहे कार्यो का आमजन को पता चल सके। इस दौरान पुलिस उपायुक्त यातायात ने पत्रकारों से कहा कि यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए किया जा रहे प्रयासों/कार्यक्रमों को सकारात्मक रूप से आमजन के सामने पेश करें। इस दौरान पत्रकारों ने पुलिस उपायुक्त को गुरुग्राम में कहीं पर भी सडक़ पर जाम लगने की स्थिति में जाम की सूचना सोशल मीडिया व अन्य किसी भी माध्यम से आमजन को उपलब्ध कराने का सुझाव दिया।

जनगणना में पंजाबी पहचान-अब नहीं कोई चूक : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। भारत में जनगणना एक अहम राष्ट्रीय प्रक्रिया है, लेकिन यह सिर्फ आँकड़ों तक सीमित नहीं है, यह पहचान, हक़ और हिस्सेदारी का भी सवाल है। पंजाबी बिरादरी महा संगठन और विभाजन विभीषिका कल्याण समूह हरियाणा इस जनगणना को एक अवसर के रूप में देख रहे हैं, जिससे पंजाबी खत्री समाज अपनी सही संख्या और सामाजिक भूमिका को दर्ज करा सके। महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी ने कहा कि एक अनुमान के अनुसार भारत में 12 करोड़ से अधिक पंजाबी खत्री देश के विभिन्न हिस्सों में रहते हैं। यदि हम सभी जनगणना के दौरान सही जानकारी दर्ज करें, तो यह संख्या औपचारिक रूप से सामने आ सकती है। यह सिर्फ आँकड़ों की बात नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक और राजनीतिक उपस्थिति को मजबूती देने का सवाल है। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि आज पंजाबी समाज एकजुटता की ओर बढ़ रहा है। गुरुग्राम में मेरे नेतृत्व में पंजाबी बिरादरी महा संगठन का गठन हुआ, जिसमें 16,000 से अधिक सदस्य हैं। इस संगठन के अंतर्गत अनेक सामाजिक योजनाएं बिना किसी भेदभाव के चलाई जा रही हैं। वहीं पूरे हरियाणा में फैली 65 पंजाबी बिरादरियों को विभाजन विभीषिका कल्याण समूह के माध्यम से एक मंच पर लाया गया है, जिसका अध्यक्ष बनने का सौभाग्य भी मुझे मिला है। सीकरी ने कहा कि इस एकता के पीछे कई समर्पित लोगों का योगदान है।

एमजी रोड अतिक्रमण मुक्त बनने की ओर अग्रसर, नगर निगम की लगातार कार्रवाई जारी

गुरुग्राम। गुरुग्राम नगर निगम द्वारा शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बार फिर कड़ी कार्रवाई की गई। एनफोर्समेंट टीमों ने इफको चौक, एमजी रोड, सिकंदरपुर और महरौली-गुरुग्राम रोड के दोनों ओर से अस्थायी अतिक्रमण को हटाया। कार्रवाई के दौरान रेहड़ी-पटरी, खोखे, टपरी नुमा ढाबों और अन्य प्रकार के अस्थायी ढांचों को हटाया गया। साथ ही अतिक्रमणकारियों का सामान जब्त करते हुए उन्हें कड़ी चेतावनी भी दी गई। नगर निगम ने साफ कर दिया है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग के दिशा-निर्देशों व अतिरिक्त निगमायुक्त महावीर प्रसाद के मार्गदर्शन में यह अभियान लगातार जारी है। निगम का लक्ष्य सभी सडक, फुटपाथ और ग्रीन बेल्ट क्षेत्रों को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त बनाना है। नगर निगम ने स्पष्ट किया है।

पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के जन्मदिन पर पंचकूला में लगाया रक्तदान शिविर

रक्त दान से बड़ी मानवता की कोई सेवा नहीं - रक्त दान-महा दान

● सैकड़ों की संख्या में युवा-युवतियों ने किया रक्तदान

एजेंसी

पंचकूला। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के जन्मदिन पर पंचकूला के सेक्टर-16 स्थित अग्रवाल भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकडों की संख्या में युवाओं ने रक्तदान किया।

शिविर के दौरान 250 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष श्री हरविंद्र कल्याण, शहरी एवं स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल, सिंचाई तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी,

खेल राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री राजेश नागर, राज्यसभा सांसद श्रीमती रेखा शर्मा, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती, राजनैतिक सचिव श्री तरूण भंडारी, पंचकूला के महापौर श्री कुलभूषण गोयल व हरियाणा के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता ने रक्तदान करने वाले युवाओं का हौसला बढ़ाया एवं उन्हें बैज लगाकर सम्मानित किया। रक्तदान करने वाले युवाओं को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भी प्रदान किए गए। शिविर का आयोजन सुदेश भंडारी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा किया गया। रक्तदान करने वाले युवाओं का उत्साह इस अवसर पर देखते ही बनता था। रक्तदान करने वालों में सेना के जवान, होमगार्ड के जवान और स्थानीय युवक युवतियां शामिल रहे। इस दौरान ब्लड बैंक कमांड हॉस्पिटल, सेक्टर-6 सिविल अस्पताल की टीम और रेडक्रॉस की मेडिकल टीमें तैनात रही। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्री अजय मित्तल, पूर्व जिलाध्यक्ष श्री अजय शर्मा व दीपक शर्मा आदि भी मौजूद रहे।

करनाल से 10 हजार की रिश्वत लेता एएसआई गिरफ्तार: कोर्ट पार्किंग में ले रहा था पैसे, एंटी करप्शन ब्यूरो ने रंगेहाथ दबोचा

एजेंसी

करनाल। एसीबी करनाल की टीम ने आज दिनांक 05.05.2025 को आरोपी ए.एस.आई. कुलबीर सिंह, 1058/करनाल तफ्तीश अधिकारी पुलिस चौंकी मॉडल टाउन, करनाल को शिकायतकर्ता से 10,000/- नकद रिश्वत मांगने पर जिला न्यायालय परिसर, करनाल से रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है तथा आरोपी के विरुद्ध अभियोग संख्या 13 दिनांक 05.05.2025 धारा 7, 7ए पी.सी. एक्ट 1988 व 308(2), 61 बी.एन.एस. के तहत थाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, करनाल में दर्ज किया गया है। यह पूरी कार्यवाही गवाहों के समक्ष पूरी पारदर्शिता के साथ की गई तथा इस कार्यवाही में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 105 का भी पालन किया गया है। शिकायतकर्ता ने एसीबी करनाल को दी गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि मुकदमा न. 127 दिनांक 27.03.2025 धारा 351(2), 191(3), 190, 129, 115 व 110 बी.एन.एस. थाना सिविल लाइन, करनाल मे उसके भतीजे यश को बिना किसी परेशानी के उपरोक्त अभियोग की तफ्तीश में शामिल करने व रिश्वत न देने पर उसके परिवार के अन्य सदस्यों को झूठे मामले में फसाने की एवज में आरोपी ए.एस.आई. कुलबीर सिंह तफ्तीश अधिकारी न. 1058/करनाल पुलिस चौंकी मॉडल टाउन, करनाल ने उससे 20,000/- रू. की रिश्वत की मांग की गई है। इस मांगी गई रिश्वत राशि में से आरोपी पहले ही उससे 10,000/- नकद बतौर रुपए ले चुका है। अब आरोपी द्वारा उससे बकाया 10,000/- नकद रिश्वत राशि की मांग की जा रही है।

हरियाणा में व्यवस्था परिवर्तन में मनोहर लाल की अहम भूमिका : मनीष ग्रोवर

कहा, सुशासन और पारदर्शिता की पेश की मिसाल, गरीब परिवारों के युवाओं का सरकारी नौकरी का सपना हुआ साकार

एजेंसी

रोहतक। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने कहा कि साढ़े 9 साल बतौर मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने सुशासन और पारदर्शिता की मिसाल पेश की है, जिसके बूते पर भाजपा लगातार तीसरी बार हरियाणा में सत्ता में आई है। मेरिट के आधार पर सरकारी नौकरियां और अंत्योदय उत्थान के माध्यम से श्री मनोहर लाल ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया। उन्होंने कहा कि बिना पर्ची-बिना खर्ची के न केवल गरीब वर्ग के युवाओं का नौकरी लगने का सपना साकार हुआ, बल्कि पोर्टल के जरिये उन लोगों के घर द्वार योजनाएं पहुंची, जोकि दफ्तरों के चक्कर काट-काटकर थक चुके थे। श्री मनोहर लाल वर्तमान में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की टीम में ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्रालय संभाल रहे हैं। मंत्रालय के प्रभार का जिम्मा संभाले तकरीबन एक वर्ष होने वाला है। श्री मनोहर

लाल ने हरियाणा के बाद देश को बिजली में आत्मनिर्भर बनाने और हर घर को जगमग करने का रोडमैप तैयार किया है। मनीष कुमार ग्रोवर ने कहा कि जनसेवक श्री मनोहर लाल के 71वें जन्मदिन पर रक्तदान व पौधारोपण का कार्यक्रम रखा गया है। उन्होंने कहा कि पहलगाव की घटना को लेकर श्री मनोहर लाल के जन्म दिवस पर न तो केक काटा गया है और न ही कोई मिठाई का वितरण किया गया है। उन्होंने कहा कि लोगों खासकर अंत्योदय परिवारों में श्री मनोहर लाल के जन्मदिन को लेकर खासा उत्साह नजर आया। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश में व्यवस्था परिवर्तन करने में श्री मनोहर लाल की अहम भूमिका रही है। उनकी कार्यशैली और विजन काबिले तारीफ और सराहनीय है। कार्यक्रम के तहत स्थानीय अशोका सिनेमा से लेकर बजरंग भवन तक डिवाइडर पर विभिन्न अधिकारियों, रक्तदाताओं तथा गणमान्य लोगों के नाम से पौधारोपण किया गया। रक्तदान शिविर में 209 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

हरियाणा सरकार की सराहनीय पहल

● समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं का त्वरित हो रहा हल

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा सरकार द्वारा समाधान शिविर की पहल के बाद आम जनता को अब बार-बार दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। जिला महेंद्रगढ़ में चल रहे समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं का तुरंत निपटारा किया जा रहा है। लघु सचिवालय में लगे समाधान शिविर में उपायुक्त डा. विवेक भारती ने 58 नागरिकों की समस्याएं सुनीं। डीसी ने बताया कि हर सोमवार व वीरवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लघु सचिवालय के कक्ष नंबर 118 में जिला स्तर पर आयोजित इस शिविर में अलग-अलग विभागों के अधिकारी मौजूद रहते हैं। इसी प्रकार उपमंडल स्तर पर भी

सभी एसडीएम लोगों की शिकायतें सुनते हैं। लोग अपनी शिकायतें सीधे अधिकारियों को बताते हैं और उन्हें मौके पर ही समाधान मिलने लगता है। शिविर में अब तक बिजली, पानी, पेंशन, भूमि रिकार्ड, सामाजिक सुरक्षा और अन्य विभागों से जुड़ी अनेक समस्याओं का समाधान किया जा चुका है। कई बुजुर्ग, महिलाएं और ग्रामीण इस सुविधा से लाभ उठा चुके हैं और प्रशासन की इस व्यवस्था से संतुष्ट नजर आए। एक ही छत के नीचे इतने विभागों के अफसरों की मौजूदगी आम जनता के लिए बड़ी राहत बन रही है। इससे न सिर्फ समय की बचत हो रही है, बल्कि लोगों का प्रशासन पर विश्वास और भी मजबूत हुआ है। डीसी ने कहा कि ये समाधान शिविर जनता की सेवा और सुनवाई के लिए हैं ज्यादा से ज्यादा लोग को इसका लाभ लेना चाहिए। इस मौके पर नगराधीश मंजीत कुमार तथा डीएसपी सुरेश कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

सीएम ने जिला महेंद्रगढ़ के 783 लाभार्थियों के खाते में डाली ऑटो मोड पर बनी पेंशन

नारनौल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को डीबीटी के माध्यम से वित्तीय सहायता जारी की। इस दौरान जिला महेंद्रगढ़ की तरफ से उपायुक्त डा. विवेक भारती मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने दयालु स्कीम, सामाजिक सुरक्षा पेंशन तथा आगजनी से फसल नुकसान की मुआवजा राशि डीबीटी के जरिए सीधे लाभार्थियों के खाते में जारी की। सीएम ने अप्रैल माह में ऑटो मोड पर बनी जिला महेंद्रगढ़ के 783 लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन उनके खाते में डाली। इसके अलावा सीएम ने मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 0.2 के लिए आवंटन प्रक्रिया की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के संबंध में जानकारी के लिए 0172-3520001 पर कॉल किया जा सकता है तथा गांव की सूची देखने

के लिए हाउसिंग फॉर ऑल विभाग की वेबसाइट पर लॉगिन किया जा सकता है। इस मौके पर उपायुक्त ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में पिछले एक माह में प्रोएक्टिव मोड के बनी सामाजिक सुरक्षा की पेंशन लाभार्थियों के खाते में डाल दी गई है। डीसी ने बताया कि सरकार के निर्देश अनुसार इन योजनाओं में पात्र नागरिकों तक लाभ सुनिश्चित किया जा रहा है।

जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना - जी 2.0 सर्वे की आखिरी तारीख 15 मई तक बढ़ी : प्रदीप अहलावत

एजेंसी

नूंह। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) 2.0 के तहत जरूरतमंद परिवारों को पक्के मकान का लाभ दिलाने के लिए जिले में व्यापक स्तर पर सर्वेक्षण जारी है। अब इस योजना के तहत आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई तक बढ़ा दी गई है, ताकि अधिक से अधिक पात्र परिवार इसका लाभ उठा सकें। सीईओ जिला परिषद प्रदीप अहलावत ने बताया कि यह योजना उन ग्रामीण परिवारों के लिए वरदान साबित होगी, जिनके पास स्वयं का पक्का मकान नहीं है या जो जर्जर एवं कच्चे मकानों में

रहने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य है कि जिले का कोई भी पात्र परिवार इस योजना के लाभ से वंचित न रहे। सीईओ जिला परिषद प्रदीप अहलावत ने बताया कि उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के निर्देशानुसार योजना के तहत सर्वे का कार्य मिशन मोड में चल रहा है। गांव-गांव जाकर ग्राम सचिवों की टीम पात्र परिवारों की पहचान कर रही है और उनका आवेदन कर रही है। जिनके पक्के मकान नहीं हैं या मकान अत्यधिक जर्जर स्थिति में हैं, ऐसे परिवारों को प्राथमिकता दी जा रही है। सरकारी सर्वेयर इन परिवारों के घरों का निरीक्षण कर पात्रता तय करेंगे।

नूंह लघु सचिवालय में डीसी और एसपी ने सुनीं जनसमस्याएं, संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

बोले- समाधान शिविर में आई शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर निवारण करवाएं अधिकारी

● आयोजित समाधान शिविर में प्राप्त हुई 24 शिकायतें

एजेंसी

नूंह। प्रदेश सरकार की नागरिक केंद्रित प्रशासन की दिशा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार महत्वपूर्ण पहल 'होगा हर शिकायत का निदान' के तहत व उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा की अध्यक्षता में सप्ताह में दो दिन सोमवार व गुरुवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक जिला व उपमंडल में नियमित रूप से समाधान शिविर का आयोजित किये जा रहे है । जिला लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित समाधान शिविर में उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा व पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने नागरिकों की शिकायतें सुनी। उन्होंने शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए

संबंधित विभागीय अधिकारियों को लोगों की समस्याओं के निवारण के त्वरित निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं को दूर करना सरकार की प्राथमिकता है और सरकार लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान एक ही स्थान पर सुनिश्चित करना है। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि संविधान शिविर में प्राप्त हुई शिकायतों का जल्द समाधान करें। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि नागरिकों को शिकायतों के निवारण के लिए आयोजित समाधान शिविरों का लाभ मिल रहा है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे समाधान शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपनी समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखकर उनका निदान करवाएं।

साथ ही उपायुक्त ने समाधान शिविर में उपस्थित अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि वे शिकायतों के निपटारे में किसी भी प्रकार की देरी न करें और हर समस्या का समाधान शीघ्रता से सुनिश्चित करें। आयोजित समाधान शिविर में बिजली बिल, फैमिली आईडी, पेंशन, अवैध अतिक्रमण व पुलिस विभाग से संबंधित 24 शिकायतें आईं, शिकायतों के जल्द समाधान के आदेश दिए गए।

डीसी ने सुनी जन समस्याएं, कई मामलों का मौके पर हुआ समाधान

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला प्रशासन द्वारा आज लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में समाधान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें उपायुक्त (डीसी) अजय कुमार ने आम नागरिकों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। डीसी ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ. राज नेहरू की विशेष उपस्थिति रही। उनके साथ सीटीएम रविन्द्र कुमार, एसीपी सुशीला सहित विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। शिविर में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने परिवार पहचान पत्र (पीपीपी आईडी), वृद्धावस्था पेंशन, तथा राजस्व विभाग से संबंधित अनेक समस्याएं रखीं। कुल 27 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से कई का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि कुछ मामलों में आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति हेतु समय-सीमा तय की गई। डीसी अजय कुमार ने कहा कि जन शिकायतों के त्वरित और पारदर्शी यह भी बताया कि जिले में प्रत्येक सोमवार और वीरवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक उपमंडल स्तर पर नियमित रूप से समाधान शिविर

समाधान हेतु ऐसे शिविर बेहद प्रभावी सिद्ध हो रहे हैं। प्रशासन का प्रयास है कि हर नागरिक को सुनवाई और समाधान का अवसर मिले ताकि जनता का भरोसा बना रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए तथा प्रत्येक शिकायतकर्ता को समाधान की जानकारी समय पर दी जाए। उन्होंने आयोजित किए जा रहे हैं। नागरिकों को इन शिविरों का भरपूर लाभ उठाना चाहिए। समाधान शिविर में उपस्थित नागरिकों ने जिला प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे उन्हें अपनी समस्याएं सीधे उच्चाधिकारियों तक पहुंचाने का अवसर मिल रहा है। इससे संवाद की प्रक्रिया सशक्त हो रही है और शिकायतों का समाधान भी तेज़ी से हो रहा है।

सभी भवन एवं भू-संपत्ति स्वामी जल्द करें अपनी प्रॉपर्टी आईडी का स्वयं सत्यापन

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त अशोक कुमार गर्ग ने एमसीजी क्षेत्र के सभी रिहायशी, वाणिज्यिक, औद्योगिक और मिश्रित प्रयोग के भवन एवं भू-संपत्ति स्वामियों से अपील की है कि वे अपनी संपत्ति की प्रॉपर्टी आईडी का स्वयं सत्यापन शीघ्र करें। सरकार द्वारा इसे अनिवार्य कर दिया गया है, ताकि स्वामित्व की पारदर्शिता और डिजिटल रिकॉर्ड की सटीकता सुनिश्चित की जा सके। निगमायुक्त ने बताया कि एक सरल 6-स्टेप प्रक्रिया के माध्यम से संपत्ति का सत्यापन किया जा सकता है। इसमें सबसे पहले यूएसबी की अधिकृत वेबसाइट पर जाकर मोबाइल नंबर से रजिस्ट्रेशन करें और ओटीपी के माध्यम से लॉगिन करें। इसके बाद अपनी संपत्ति की प्रॉपर्टी आईडी दर्ज करें और आईडी में दर्ज नाम, प्लॉट आकार, क्षेत्र, मोबाइल नंबर और भवन प्रकार जैसे विवरण ध्यानपूर्वक देखें। उन्होंने बताया कि प्रत्येक विवरण के आगे हां/नहीं का विकल्प मिलेगा, जिससे पुष्टि करें कि जानकारी सही है या नहीं।

सिरसा में बार-बार सड़क धंसने को लेकर सांसद सैलजा ने सीएम को लिखा पत्र

एजेंसी

चंडीगढ़। सिरसा नगर में बार-बार सड़क धंसने को लेकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर इस मामले की निष्पक्ष जांच करवाकर दोषी ठेकेदारों और अधिकारियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है, उनका कहना है कि अमृत योजना में घटिया निर्माण कार्य के चलते ऐसा हो रहा है, ऐसे में निर्माण कार्यों की तकनीकी गुणवत्ता का ध्यान रखने के लिए संबंधित ठेकेदारों और अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय की जाए। कुमारी सैलजा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को लिखे पत्र में कहा है कि उनके संसदीय क्षेत्र में सिरसा नगर में कई सालों से अलग-अलग जगहों पर 20-30 फुट तक सड़क धंसने की अनेक घटनाएं हो चुकी है, ज्यादातर घटनाएं रानियां रोड पर हुई हैं। इसके नजदीक ही एक और गड्ढा हो गया। यह स्थिति न केवल वाहनों के आवागमन में बाधा बन रही है, बल्कि नागरिकों के जीवन के लिए भी एक बड़ा खतरा उत्पन्न कर रही है। प्रशासन ने आवागमन बंद कर दिया है, परंतु स्थानीय जनता भय और असुविधा में जी रही है। इस घटना का मूल कारण साफ तौर पर निर्माण कार्य में लापरवाही और भ्रष्टाचार प्रतीत होता है। पहले जो भी लाइन डाली गई थी उसमें भी धांधली की गई थी, पाइस डालने से पहल कंक्रीट के बैड बनाए जाते है जिस पर पाइप रखी जाती है जिसके लिए सरकार की ओर से मापदंड निर्धारित किए गए है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि चिंता की बात यह भी है कि सिरसा में चल रही अमृत योजना के अंतर्गत पाइपलाइन डालने का कार्य भी इसी प्रकार की घटिया गुणवत्ता से किया जा रहा है। पाइपलाइन के नीचे मजदूत बेडिंग (बेस लेयर) नहीं डाली जा रही, जिससे भविष्य में और भी गंभीर दुर्घटनाएं हो सकती है।

विदेश राज्यमंत्री पबित्रा 08-12 मई तक न्यूजीलैंड और फिजी के दौरे पर

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश राज्यमंत्री पबित्रा मार्गेरिटा 8 से 12 मई तक न्यूजीलैंड और फिजी का दौरा करेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। विदेश मंत्रालय ने आज यह जानकारी दी। कार्यक्रम के अनुसार, न्यूजीलैंड में पबित्रा मार्गेरिटा 08 और 09 मई को राजनीतिक नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। इन बैठकों में व्यापारिक समुदाय के प्रमुख नेताओं और ऑकलैंड में भारतीय प्रवासियों के सदस्यों के साथ संवाद भी शामिल होगा। यह बातचीत भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को और गहरा करने में सहायक होगी। फिजी में वह तीसरे गिरमिट दिवस (भारतीय आगमन दिवस) समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। यह समारोह भारतीय संस्कृति और धरोहर का प्रतीक है। इसके अलावा वह फिजी के राजनीतिक नेताओं के साथ भी बैठकें करेंगे। यह फिजी के साथ भारत के संबंधों को और मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा।

विदेश मंत्री जयशंकर और जापान की प्रतिनिधि सभा के स्पीकर नुकागा के बीच अहम चर्चा

नई दिल्ली। जापान की प्रतिनिधि सभा के स्पीकर फुकुशिरो नुकागा अपने संसदीय सहयोगियों और व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से भारत-जापान

संबंधों को और मजबूत बनाने के एजेंडे पर चर्चा की। डॉ. जयशंकर ने एक्स पोस्ट में बताया कि भेंट के दौरान भारत में हुए पहलगाम आतंकी हमले पर उन्होंने एकजुटता और समर्थन व्यक्त किया। भारत ने उनके इस संवेदनशीलता भरे रुख के लिए धन्यवाद प्रकट किया। दोनों पक्षों ने भारत और जापान के बीच स्वभाविक सहयोग को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई। विशेष रूप से प्रतिभा विनिमय बढ़ाने, व्यापारिक संपर्क सुदृढ़ करने और तकनीकी साझेदारी के क्षेत्रों में सहयोग को गति देने पर सहमति बनी। नुकागा की नेतृत्व क्षमता की सराहना करते हुए विदेश मंत्री ने आशा जताई कि यह साझेदारी दोनों देशों के भविष्य को और उज्ज्वल बनाएगी।

एलओसी पर तनाव के बीच रक्षा सचिव ने पीएम मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी लगातार पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। प्रधानमंत्री पूरे मामले पर तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ बैठक भी कर चुके हैं। माना जा रहा है कि रक्षा सचिव ने हुई इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री को ताजा हालात और सैन्य तैयारियों की जानकारी दी। वहीं, ही नई दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री ने भारत के रक्षा मंत्री से मुलाकात की। इससे पहले रविवार को भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयरचीफ मार्शल एपी सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी से पीएम आवास पर मुलाकात की थी। माना जा रहा है कि वायुसेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री को मौजूदा स्थिति और एयरफोर्स की तैयारियों से अवगत कराया। यह मुलाकात करीब 40 मिनट तक चली। वहीं, शनिवार को नौसेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की थी। इस बीच भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जापान के रक्षा मंत्री जनरल नाकातानी के बीच एक महत्वपूर्ण मुलाकात हुई। नई दिल्ली में हुई इस मुलाकात के दौरान जापानी रक्षा मंत्री ने भारत को अपना समर्थन दिया।

दिल्ली के महापौर ने मयूर विहार में वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केंद्र का किया शिलान्यास

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने मयूर विहार फेज एक में वरिष्ठ नागरिकों के मनोरंजन केंद्र का शिलान्यास किया। इस मौके पर उनके साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, वीरेंद्र सचदेवा, केंद्रीय मंत्री एवं पूर्वी दिल्ली सांसद हर्ष मल्होत्रा, शाहदरा दक्षिणी जोन अध्यक्ष संदीप कपूर उपस्थित थे। राजा इकबाल ने बताया कि दिल्ली नगर निगम द्वारा बनाये जा रहे इस वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केंद्र में बुजुर्गों को मनोरंजन और खेल सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। जिससे उन्हें एक-दूसरे से जुड़ने और अनुभव साझा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस केंद्र के निर्माण का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के अकेलेपन को दूर करना है। यहां वे अपना दुख-सुख दूसरों के साथ साझा कर सकते हैं और अपना समय आनंद, मस्ती और खुशी के साथ बिता सकते हैं । उल्लेखनीय है कि यह वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केंद्र का निर्माण कार्य पूरा कर जनता को समर्पित कर दिया जायेगा।

मुर्शिदाबाद दंगा पीड़ित महिलाओं ने राष्ट्रीय महिला आयोग से लगाई मदद की गुहार

आयोग ने किया अधिकारियों को तलब

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुए दंगों के पीड़ितों ने राष्ट्रीय महिला आयोग से न्याय की गुहार लगाई है। दंगों में मारे गए हरगोविंदो दास और चंदन दास की पत्नी ने एक दर्दनाक घटना को बताते हुए महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर को पत्र लिखा। राष्ट्रीय महिला आयोग ने इस मामले में तत्काल संज्ञान लेते हुए पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर घटना पर तत्काल रिपोर्ट मांगी है। साथ ही इस मामले में पुलिस की भूमिका के बारे में स्पष्टीकरण मांगा है। आयोग ने शिकायत में नामित संबंधित अधिकारियों को 9 मई 2025 को सुबह 11:00 बजे व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित होने के लिए भी तलब किया है। आयोग ने

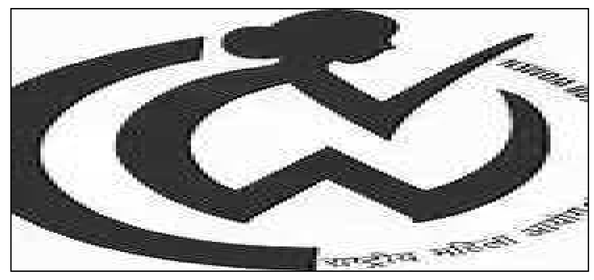

एक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पत्र में पीड़ितों ने राज्य सरकार द्वारा किए गए अत्याचार का विवरण दिया। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि राज्य की पुलिस ने उन्हें न्याय देने के बजाय उन्हीं का उत्पीड़न किया। उन्हें सुरक्षा देने के बजाय, एक राजनीतिक कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए धमकियां और जबरदस्ती की गई। पत्र में एक भयावह घटना का जिक्र किया गया है, जिसमें कोलकाता में उनके अस्थायी आश्रय पर पुरुष पुलिस अधिकारियों के एक बड़े दल ने हमला किया था, जिन्होंने कथित तौर पर दरवाजे तोड़ दिए, संपत्ति को नुकसान पहुंचाया और उन्हें हिरासत में लेने का प्रयास किया। राज्य की पुलिस ने बिना किसी कानूनी दस्तावेज के, बिना महिला पुलिसकर्मियों की मौजूदगी के और उनकी गरिमा की परवाह किए बिना उन्हें परेशान किया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजय रहाटकर ने हाल ही में पश्चिम बंगाल के हिंसा प्रभावित क्षेत्रों की अपनी यात्रा के दौरान इन महिलाओं से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की थी। आयोग ने स्पष्ट किया है कि वे दंगा पीड़ित बहादुर महिलाओं के साथ मजबूती से खड़ा है, जिन्होंने नुकसान के बावजूद भी न्याय के लिए आवाज उठाई। आयोग यह सुनिश्चित करेगा कि उनकी आवाज़ सुनी जाए, उनकी सुरक्षा की गारंटी दी जाए और न्याय से वंचित न किया जाए।

डीआरडीओ और नौसेना ने एमआईजीएम का किया सफल परीक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय नौसेना ने संयुक्त रूप से स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और विकसित की गई मल्टी-इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन (एमआईजीएम) का सीमित विस्फोटक के साथ सफलतापूर्वक युद्ध अभ्यास परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि पर डीआरडीओ, भारतीय नौसेना और उद्योग जगत को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली भारतीय नौसेना की जलपोत-रोधी युद्ध क्षमता को और अधिक मजबूत बनाएगी। उल्लेखनीय है कि मल्टी इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन (एमआईजीएम) को डीआरडीओ की नौसेना विज्ञान और तकनीकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल) ने भारतीय नौसेना के लिए आधुनिक स्टेल्थ युद्धपोतों के विरुद्ध बढ़त दिलाने के उद्देश्य से डिजाइन और विकसित किया है। एमआईजीएम युद्धपोतों, तैरते प्लेटफार्म (सीओओपी) और

पनडुब्बियों से तैनात की जा सकती है। इसमें एफआरपी कंपोजिट, इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर, उच्च घनत्व ऊर्जा स्रोत, सॉफ्टवेयर और सेंसर जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। एमआईजीएम दो संस्करणों–प्रशिक्षण और युद्ध–में उपलब्ध है और यह केबल नियंत्रित तथा स्वायत्त दोनों मोड में कार्य करती है।

केंद्र सरकार की नोटिस के बाद सोथबी ने पिपरहवा स्तूप के अवशेषों की नीलामी को रोका

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की नोटिस के बाद हांगकांग में होने वाली कपिलवस्तु पिपरहवा के बुद्ध कालीन पुरावशेषों की नीलामी को सोथबी ने रोकने का भरोसा दिया है।

केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने सोथबी हांगकांग और क्रिस पेप्पे, विलियम क्लैक्सटन पेप्पे के उत्तराधिकारियों को एक कानूनी नोटिस जारी किया जिसमें ऐतिहासिक बुद्ध के पिपराहवा रत्न, मौर्य साम्राज्य, अशोक युग, लगभग 240-200 ईसा पूर्व शीर्षक वाली नीलामी को तत्काल रोकने की मांग की गई है, जो 7 मई 2025 के लिए निर्धारित थी। संस्कृति मंत्रालय ने बताया कि नोटिस के जवाब में नीलामी करने वाली संस्था ने आश्वासन दिया है कि वह सात मई को हांगकांग में पिपरहवा स्तूप के अवशेषों की बिक्री को लेकर चिंताओं का समाधान करेगा। उल्लेखनीय है कि यह अवशेष

1898 में अंग्रेज अफसर विलियम क्लैक्सटन पेपे द्वारा कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर (उत्तर प्रदेश) में खोदाई के दौरान अन्य कलाकृतियों के 331 पवित्र रत्न प्राप्त हुए थे, उन्हें औपनिवेशिक काल में भारत से बाहर ले जाया गया था। इन अवशेषों को पिपरहवा रत्न के नाम से जाना जाता है, और वे भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण के पश्चात उनके धातु अवशेषों का वह भाग हैं, जिन्हें शाक्य वंशजों ने कपिलवस्तु में संरक्षित किया था।

डीएसटी की व्यापक समीक्षा बैठक, स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए डीप टेक पर दिया गया जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) की व्यापक समीक्षा बैठक की। मंत्रालय में आयोजित इस बैठक में विज्ञान-संचालित विकास में साहसिक नवाचार को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। इसके साथ एआई-आधारित नवाचार, डीप टेक स्टार्टअप और उन्नत बुनियादी ढांचे की साझेदारी पर भी विचार विमर्श किया गया। नवगठित अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) की उभरती भूमिका के साथ-साथ भू-स्थानिक पहल, राष्ट्रीय मिशनों पर डॉ. जितेंद्र सिंह ने एएनआरएफ के नवनियुक्त सीईओ प्रोफेसर अभय करंदीकर, डॉ. शिवकुमार कल्याणरमन और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। बैठक में समीक्षा के बाद डॉ जितेन्द्र सिंह ने कहा कि डीप टेक का उद्देश्य नवाचार को व्यावसायिक प्रौद्योगिकियों में बदलने पर जोर दिया। उन्होंने उद्योग

और अनुसंधान में निवेश करने वाली कंपनियों को प्रोत्साहन देकर डीप टेक स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण एएनआरएफ से अकादमिक शोध - जैसे प्रकाशन और पेटेंट - जगत के साथ साझेदारी और उद्यम-निर्माता मॉडल के निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि खोजें प्रयोगशालाओं तक ही सीमित न रहें।

भारत और जापान ने आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में जापान के रक्षा मंत्री जनरल नकातानी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। बैठक में भारत और जापान ने आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की और इस संबंध में वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। राजनाथ सिंह ने एक्स पोस्ट में कहा, नई दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री जनरल नकातानी से मिलकर बहुत खुशी हुई। भारत और जापान के बीच विशेष, रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी है। द्विपक्षीय बैठक के दौरान हमने रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने सभी रूपों में आतंकवाद की निंदा की और सीमा पार खतरों का मुकाबला करने के लिए सहयोग और संयुक्त प्रयासों को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। नकातानी ने पहलगाम हमले के मद्देनजर भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की और भारत को पूर्ण समर्थन देने की पेशकश की। रक्षा मंत्रालय ने

दोनों नेताओं की बैठक का ब्यौरा साझा करते हुए एक बयान में कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद की पाकिस्तान सरकार की नीति की निंदा की, जिसे सरकारी और गैर-सरकारी तत्वों के माध्यम से अंजाम दिया जाता है। इस तरह के हमले क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा को अस्थिर करते हैं। सिंह ने आतंकवाद और इसे बढ़ावा देने वाली राज्य प्रायोजित कार्रवाइयों के खिलाफ एकजुट रुख अपनाने का आह्वान किया। वहीं जापान के रक्षा मंत्री नकातानी ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर अपनी संवेदना व्यक्त की और भारत को पूर्ण समर्थन की पेशकश की। दोनों मंत्रियों ने भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के रक्षा और सुरक्षा स्तंभों की समीक्षा की। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और क्षेत्रीय शांति में योगदान देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। मंत्रियों ने दोनों देशों के बीच रक्षा अभ्यासों और आदान-प्रदान की बढ़ती विविधता और आवृत्ति का स्वागत किया और इन जुड़ावों के दायरे और जटिलता को बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। दोनों नेताओं ने भारत और जापान के बीच मजबूत समुद्री सहयोग में नए आयाम जोड़ने पर सहमति व्यक्त की। राजनाथ ने भारतीय रक्षा उद्योग की क्षमता विशेष रूप से टैंक इंजन और एयरो इंजन सहित नए क्षेत्रों में जापानी पक्ष के साथ सहयोग करने की इसकी क्षमता को रेखांकित किया। उन्होंने रखरखाव मरम्मत और ओवरहाल संचालन के क्षेत्रों में क्षमताओं पर प्रकाश डाला। दोनों पक्ष उद्योग सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए, जिसमें स्वचालन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं तलाशना शामिल है। दोनों मंत्रियों ने साइबर और अंतरिक्ष जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने का भी निर्णय लिया। इससे पहले जापानी रक्षा मंत्री ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय समर स्मारक पर जाकर बलिदानी वीरों को श्रद्धांजलि दी। मानेकशॉ सेंटर में वार्ता से पहले तीनों सेनाओं की ओर से उनका औपचारिक स्वागत किया गया।

राहुल गांधी की नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका हाईकोर्ट ने की निस्तारित

एजेंसी

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के न्यायमूर्ति एआर मसूदी व न्यायमूर्ति राजीव सिंह की खंडपीठ ने लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका को निस्तारित कर दिया। साथ ही खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि याची एस. विग्नेश शिशिर इस मामले में अन्य विधिक वैकल्पिक उपाय अपना सकते हैं। खंडपीठ ने सोमवार को याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार याची की शिकायत को निस्तारित करने की कोई समय सीमा नहीं बता पा रही है। ऐसे में इस याचिका को विचाराधीन रखने का कोई औचित्य नहीं रह जाता। केन्द्र सरकार ही राहुल गांधी के नागरिकता पर फैसला ले। याची दूसरे वैकल्पिक विधिक उपाय अपनाने के लिए स्वतंत्र हैं। इसके साथ ही राहुल गांधी की नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका को निस्तारित किया जाता है। याचिकाकर्ता एस. विग्नेश शिशिर के अधिवक्ता व केन्द्र सरकार के असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया सूर्यभान पाण्डेय और उनके सहायक भारत सरकार के अधिवक्ता आनन्द द्विवेदी ने बताया कि याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट के लखनऊ बेंच में राहुल गांधी के नागरिकता पर प्रश्न चिन्ह उठाते हुए एक याचिका दाखिल की। इसमें हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के जस्टिस एआर मसूदी व जस्टिस राजीव सिंह ने याचिका को निस्तारित करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार ही राहुल गांधी के नागरिकता पर फैसला ले। इसके लिए कोई समय भी तय नहीं किया गया है।

अमित शाह ने नई दिल्ली में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में दिल्ली के उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ राष्ट्रीय राजधानी में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की। गृह मंत्रालय के अनुसार बैठक में पुलिस, जेल, कोर्ट, अभियोजन और फोरेंसिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में केंद्रीय गृह सचिव, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के मुख्य सचिव, दिल्ली पुलिस आयुक्त, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरएंडडी) के महानिदेशक, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के निदेशक और गृह मंत्रालय और दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। अपने संबोधन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लाए गए तीन नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन से जमीनी स्तर पर पुलिस की कार्यकुशलता और जवाबदेही बढ़ेगी। गृह मंत्री ने इन नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन में अधिकारियों की जवाबदेही दोषसिद्धि दर को कम से कम 20 प्रतिशत तक बढ़ाए जाने के प्रयास किए जाएं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि ई-समन को सीधे अदालत से ही प्रेषित

सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शाह ने इस बात पर जोर दिया कि 60 और 90 दिनों के भीतर आरोप-पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया की निरंतर निगरानी की जानी चाहिए और इस समय-सीमा का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जघन्य अपराधों के मामलों में वर्तमान किया जाना चाहिए और इनकी प्रति स्थानीय पुलिस थानों को भी मिलनी चाहिए। उन्होंने अभियोजन निदेशालय में नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाने और यह सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया कि किसी भी मामले में अपील के संबंध में निर्णय अभियोजन निदेशालय द्वारा ही लिया जाए।

गृह मंत्रालय ने राज्यों को 7 मई को मॉक ड्रिल आयोजित करने का दिया निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नागरिक सुरक्षा तैयारियों को मजबूती देने के उद्देश्य से सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 7 मई को मॉक ड्रिल आयोजित करने का निर्देश दिया है। यह निर्णय पहलगाम हमलों और पाकिस्तान के साथ बढ़े तनाव के बाद लिया गया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, इस मॉक ड्रिल में हवाई हमले की स्थिति में नागरिकों को सचेत करने के लिए सायरन की प्रभावशीलता का परीक्षण करना और नागरिकों एवं छात्रों को बुनियादी आत्मसुरक्षा उपायों के बारे में शिक्षित करना शामिल है। इसके अलावा युद्ध के संभावित खतरे के दौरान अंधेरा कर देने की आपात प्रक्रिया (क्रैश ब्लैकआउट) का अभ्यास और संवेदनशील प्रतिष्ठानों को छिपाकर बुनियादी ढांचे की रक्षा करना शामिल होगी। इसके साथ ही आपातकालीन स्थिति में लोगों की सुरक्षित निकासी की योजनाओं को अद्यतन किया जाएगा और उनका पूर्वाभ्यास भी कराया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य नागरिकों में जागरूकता बढ़ाना, उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना और राज्य तथा स्थानीय प्रशासन की तैयारियों की समीक्षा करना है। यह मॉक ड्रिल विभिन्न स्तरों पर नागरिक सुरक्षा प्रणाली की

प्रभावशीलता को जांचने का एक समन्वित प्रयास है। गृह मंत्रालय ने राज्यों से कहा है कि वे इस अभ्यास की पूरी योजना पहले से तैयार करें और सभी संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय बनाकर उसका सफल आयोजन सुनिश्चित करें। यह पहल देश की समग्र सुरक्षा रणनीति का हिस्सा है और भविष्य की किसी भी आपात स्थिति से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया श्रमदान, कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर से स्वच्छता अभियान की हुई शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर परिसर में श्रमदान किया। मुख्यमंत्री ने एनडीएमसी के स्वच्छता अभियान श्रमदान के तहत खुद झाड़ू लगाकर साफ-सफाई की। सीएम के साथ एनडीएमसी के अध्यक्ष केशव चंद और उपाध्यक्ष कुलजीत चहल भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने परिसर में सफाई करने के बाद मंदिर में हनुमान जी के दर्शन भी किए, जिसके बाद उन्होंने मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं के साथ तस्वीरें भी खिंचवाई। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि आज कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर एनडीएमसी द्वारा आयोजित स्वच्छता अभियान में सहभागिता की। यह आयोजन हमारी राजधानी को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा प्रारंभ स्वच्छ भारत अभियान को समर्पित है, जिसने देशभर में स्वच्छता के प्रति एक नई चेतना जगाई है और इसे एक जनआंदोलन में परिवर्तित किया है।

उन्होंने लोगों से अपील की वो भी इस अभियान का हिस्सा बनें। आगे

लिखा आइए, हम सब संकल्प लें कि स्वच्छता केवल अभियान नहीं, हमारी आदत और जिम्मेदारी बने। आइए मिलकर अपने प्रयासों से विकसित और स्वच्छ भारत का निर्माण करें। एक ऐसा भारत जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बने।वहीं, कुलजीत चहल ने बताया कि विकसित भारत की विकसित दिल्ली विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के स्वच्छता अभियान की अपील के तहत दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 20 दिन का श्रमदान अभियान शुरू किया है। इस अभियान को एनडीएमसी अध्यक्ष और हम सब ने मिलकर एक टीम के रूप में उठाया है और आज प्राचीन हनुमान मंदिर कनॉट प्लेस से आगे लेकर बढ़े हैं।

उन्होंने बताया कि एनडीएमसी में नौ हजार पांच सौ कर्मचारी हैं और जो भी अधिकारीगण हैं, सभी इस अभियान में अपना योगदान दे रहे हैं। हम सब का एक ही संकल्प है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत के संकल्प और एनडीएमसी के स्वच्छता अभियान श्रमदान संकल्प को पूरा करना है।

वक्फ कानून की वैधता पर नहीं आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला, अगली सुनवाई 15 मई को

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधन कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना, जस्टिस पी.वी. संजय कुमार और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने इस मामले को सुनने के बाद अगली सुनवाई 15 मई को निर्धारित की है। सीजेआई संजीव खन्ना ने स्पष्ट किया कि इस मामले की सुनवाई अगले मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ करेगी। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ के समक्ष दलील दी कि संसद द्वारा व्यापक विचार-विमर्श के बाद पारित इस कानून पर सरकार का पक्ष सुने बिना कोई रोक नहीं लगाई जानी चाहिए। मेहता ने सुनवाई को अगले सप्ताह तक टालने का आग्रह किया, जिसे पीठ ने स्वीकार कर लिया। अगली सुनवाई 15 मई को होगी। सीजेआई ने कहा, वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 15 मई को सुनवाई की जाएगी। इस मामले की सुनवाई अगले सीजेआई बी.आर. गवई करेंगे। सीजेआई संजीव खन्ना ने सुनवाई के दौरान कहा कि उन्होंने सरकार और याचिकाकर्ताओं द्वारा दायर सभी दलीलों का अध्ययन कर लिया है। चूंकि उनका कार्यकाल जल्द ही समाप्त होने वाला है, वह इस मामले में कोई आदेश या निर्णय सुरक्षित नहीं रखना चाहते। इसलिए, इस मामले को जस्टिस बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली नई पीठ के समक्ष रखा जाएगा।सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा, हम इस मामले में आदेश सुरक्षित नहीं करना चाहते। इस मामले में विस्तृत सुनवाई की आवश्यकता है, और इसे जल्द से जल्द सुना जाना चाहिए। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी सुनवाई में देरी नहीं होनी चाहिए।वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को लेकर दायर याचिकाओं में कानून के कुछ प्रावधानों को संवैधानिक रूप से अवैध बताते हुए इन्हें रद्द करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि यह कानून संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन करता है।

भारत 2025 में बनेगा दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, 2028 में जर्मनी से भी होगा आगे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की जीडीपी 2025 में जापान को पछाड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ओर से जारी किए गए वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अप्रैल 2025 में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट में बताया कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। भारत मौजूदा समय में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। जीडीपी में अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान, भारत से आगे हैं। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के अनुमानों में कहा गया

कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अमेरिका और चीन 2025 के साथ आने वाले करीब एक दशक तक अपनी रैंकिंग बरकरार रख सकते हैं। आईएमएफ ने 2025 के लिए भारत की जीडीपी विकास दर को घटाकर 6.2 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले जनवरी आउटलुक रिपोर्ट में यह आंकड़ा 6.5 प्रतिशत पर था रिपोर्ट में बताया गया कि विकास दर में कमी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए टैरिफ की अनिश्चितताओं के कारण है।

आईएमएफ की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत दुनिया की सबसे तेज बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बनी हुई है। अगले दो वर्षों में दुनिया की एकमात्र बड़ी अर्थव्यवस्था होगी, जो कि 6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। आईएमएफ की मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने कहा, हमारे अप्रैल 2025 के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक में 2.8 प्रतिशत की कमजोर वैश्विक वृद्धि का अनुमान लगाया गया है, जिसमें 127 देशों की वृद्धि दर में गिरावट शामिल है, जो विश्व जीडीपी का 86 प्रतिशत है।

सीतारमण ने की जापन के वित्त मंत्री से मुलाकात

मिलान। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां एशियाई विकास बैंक की वार्षिक बैठक के अवसर पर जापान के वित्त मंत्री कात्सुनोबु काटो से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच चर्चा भारत और जापान के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने पर केंद्रित रही। श्रीमती सीतारमण ने इस बात

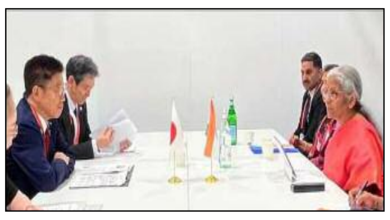

पर जोर दिया कि लोकतंत्र और कानून के शासन के साझा मूल्यों पर आधारित भारत-जापान साझेदारी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, समृद्धि और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है।श्रीमती सीतारमण और श्री काटो ने सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग को गहरा करने, चल रहे प्रयासों को आगे बढ़ाने और अभिनव पहलों को प्रोत्साहित करने पर चर्चा की।

एडीबी अध्यक्ष का जटिल चुनौतियों को एक साथ हल करने के लिए सामूहिक कार्रवाई का आह्वान

मिलान। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मासातो कांडा ने एडीबी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 58वीं वार्षिक बैठक में कहा कि एशिया और प्रशांत क्षेत्र के सामने आने वाली अनिश्चितताएं एक अधिक लचीला और टिकाऊ भविष्य बनाने का अवसर भी हैं। श्री कांडा ने बैठक के उद्घाटन सत्र के दौरान कहा कि बाहरी झटके, कर्ज का बोझ और जलवायु परिवर्तन इस क्षेत्र के लोगों और अर्थव्यवस्थाओं पर भारी पड़ रहे हैं। लेकिन हम शून्य से शुरू नहीं कर रहे हैं। विकास ठोस बना हुआ है, व्यापार और आर्थिक एकीकरण गहरा रहा है, आपूर्ति श्रृंखलाएं विविध हो रही हैं और डिजिटल कनेक्टिविटी तथा नवाचार में तेजी आ रही है। उन्होंने कहा कि अनिश्चितता पीछे हटने का कारण नहीं है। यह पहले से कहीं अधिक साहसी होने, तेजी से आगे बढ़ने और अधिक निकटता से काम करने का कारक है।इटली के मिलान में आयोजित वार्षिक बैठक में 5,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें इटली के प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी सहित सरकारों के प्रतिनिधि, निजी क्षेत्र, नागरिक समाज और शिक्षा जगत के प्रतिनिधि शामिल थे। इटली के अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्री जियानकार्लो जियोर्जेटी और बैंक ऑफ इटली के गवर्नर तथा एडीबी बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष फैबियो पैनेटा ने भी उद्घाटन सत्र में बात की और एडीबी के साथ इटली की साझेदारी पर जोर दिया।

महिंद्रा एंड महिंद्रा का एकल लाभ 22 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। वाहन निर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाले महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में 2437 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 2000 करोड़ रुपये के लाभ की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने बीएसई का बताया कि मार्च 2025 को समाप्त इस तिमाही में उसकी एकल बिक्री 31609 करोड़ रुपये रही है जो मार्च 2024 में समाप्त चौथी तिमाही के 25434 करोड़ रुपये के विक्रय की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में कुल 11855 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 19642 करोड़ रुपये के लाभ की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में कंपनी की कुल बिक्री 118625 करोड़ रुपये रही है जो वित्त वर्ष 2023-24 के 101336 करोड़ रुपये के लाभ की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के निदेशक मंडल ने प्रति शेयर 25.30 रुपये का लाभांश देने का प्रस्ताव किया है।

कंपनियों के लिए एयरटेल बिजनेस की 'बिज़नेस नेम डिस्प्ले सेवा शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। एयरटेल बिज़नेस ने आज 'बिज़नेस नेम डिस्प्ले' (बीएनडी) सेवा के लॉन्च की घोषणा की। यह सेवा उद्योग में अपनी तरह की पहली, नई तकनीक पर आधारित सुविधा है, जिसका उद्देश्य कंपनियों और उपभोक्ताओं के बीच होने वाले संवाद को अधिक विश्वसनीय और प्रभावी बनाना है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि इसके ज़रिए कंपनियां, अपनी आउटगोइंग कॉल के दौरान ग्राहकों के मोबाइल स्क्रीन पर अपना ब्रांड नाम प्रदर्शित कर सकेंगी, जिससे ग्राहकों को भरोसेमंद बिज़नेस कॉल्स और स्पैम कॉल्स के बीच आसानी से अंतर करने में मदद मिलेगी। एयरटेल ने अपने ग्राहकों को स्पैम कॉल से राहत दिलाने के लिए भारत का पहला स्पैम-रोधी नेटवर्क शुरू किया था। इस पहल को देशभर में चलाए गए एक बड़े जनजागरूकता अभियान के ज़रिए ग्राहकों तक पहुंचाया गया, ताकि वे इस समस्या को बेहतर तरीके से समझ सकें और सतर्क रह सकें। इस पहल के चलते एक ओर जहां स्पैम कॉल्स को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ी और उन्होंने अनजान या स्पैम के रूप में चिन्हित कॉल्स को अनदेखा करना शुरू किया, वहीं दूसरी ओर इसका एक अनचाहा असर यह हुआ कि कई ब्रांड्स की कॉल भी स्पैम के तौर पर टैग हो गईं। इस वजह से ग्राहक कई बार बैंकों, फ़ूड डिलीवरी, कूरियर सेवा या डॉक्टर की ज़रूरी अपॉइंटमेंट जैसी अहम कॉल मिस कर देते थे।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान को गिफ्ट सिटी गांधीनगर में नए परिसर खोलने की स्वीकृति

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने राजधानी स्थित भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) को गांधीनगर, गुजरात में एक नया शैक्षणिक परिसर स्थापित करने की मंजूरी दे दी है। मंत्रालय की जारी एक अधिसूचना के अनुसार आईआईएफटी के इस प्रस्ताव को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की शर्तों को पूरा करने के आधार पर मुख्य परिसर से दूर गुजरात के गिफ्ट सिटी में नया परिसर स्थापित करने की स्वीकृति दी गई है। आईआईएफटी को डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त है। प्रस्ताव के अनुसार आईआईएफटी गिफ्ट सिटी गांधीनगर में 3 साल में 1000 विद्यार्थियों के अध्ययन अध्यापन की सुविधा का विकास करेगा। वहां संबंधित क्षेत्र के विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आईआईएफटी को यह मंजूरी हासिल करने में मिली सफलता के लिए बधाई दी है। श्री गोयल ने कहा है कि नए परिसर के खुलने से संस्थान को अंतरराष्ट्रीय कारोबार में अपना मुख्य एमबीए पाठ्यक्रम शुरू करने के साथ-साथ अल्पकालिक प्रशिक्षण और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में अनुसंधान कार्यक्रम चलाने का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि इससे भारत को निर्यात का एक बड़ा केंद्र बनाने में बड़ी मदद मिलेगी।

राष्ट्रीय कर सम्मेलन में सरल कर कानूनों की मांग, आयकर विधेयक 2025 पर हुई चर्चा

एजेंसी

कोलकाता। पुणे में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कर सम्मेलन में विशेषज्ञों ने कर कानूनों को सरल और आम जनता के लिए सुगम बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम का आयोजन ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स (एआईएफटीपी) समेत कई कर (टैक्स) संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। एआईएफटीपी के पूर्व अध्यक्ष नारायण जैन ने सम्मेलन के दौरान कहा कि करदाताओं के बेहतर अनुपालन के लिए मौजूदा कानूनों को सरल बनाना आवश्यक है। उन्होंने डॉ. गिरीश आहूजा के साथ आयकर विधेयक 2025 पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की। इस दौरान बताया गया कि नया विधेयक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 की मूल भावना को बनाए रखते हुए अनावश्यक प्रावधानों को हटाकर, धाराओं को फिर से क्रमबद्ध करता है। इससे करदाताओं के लिए समझना आसान होगा। उद्घाटन सत्र में एआईएफटीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कर पेशेवरों का स्वागत करते हुए संगठन की उपलब्धियों और कार्यक्षेत्र

की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संगठन के 11 हजार से अधिक सदस्य हैं और यह देशभर में कर (टैक्स) शिक्षा और जागरूकता के लिए लगातार काम कर रहा है। सम्मेलन में जीएसटी, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था, भारतीय न्याय संहिता से जुड़े प्रावधानों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग और सहकारी क्षेत्र से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। तकनीकी सत्रों में वक्ताओं ने इन विषयों पर गहराई से विचार रखे और प्रतिभागियों के सवालों के जवाब दिए। सम्मेलन में देशभर से आए विशेषज्ञों, करते सलाहकारों और अकादमिक क्षेत्र से जुड़े लोगों की सक्रिय भागीदारी रही, जिससे यह कार्यक्रम ज्ञानवर्धक और सफल रहा।

2,730 रुपये तक महंगा हुआ सोना, चांदी की कीमत में मामूली गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में जबरदस्त तेजी का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर चांदी की कीमत में आज मामूली गिरावट दर्ज की गई है। सर्राफा बाजारों में सोना आज 2,500 रुपये से लेकर 2,730 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 98,460 रुपये से लेकर 98,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,250 रुपये से लेकर 90,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आज गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 96,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 98,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 98,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 98,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एडीबी की बैठक में भारत-इटली ने आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के उपायों पर किया विचार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इटली के शहर मिलान में 58वीं एडीबी वार्षिक बैठक के मौके पर इटली के वित्त मंत्री जियानकार्लो जियोर्जेटी से मुलाकात की। उन्होंने भारत-इटली आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और आपसी हितों के मुद्दों पर वैश्विक और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी द्वारा नवंबर 2024 में घोषित संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025-2029 के कार्यान्वयन पर प्रकाश डाला गया, जो प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग को गहराई और गति प्रदान करेगा। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'वित्त वर्ष 2023-24

में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 14.56 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अक्षय ऊर्जा, डिजिटल प्रौद्योगिकियों, कृषि-खाद्य प्रसंस्करण और उच्च-स्तरीय विनिर्माण में अपार संभावनाओं पर जोर दिया और इटली की कंपनियों को भारत सरकार की पीएलआई (प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन) योजनाओं के माध्यम से 'मेक इन इंडिया' के लिए आमंत्रित किया।' वित्त मंत्री ने आधार, यूपीआई और डिजीलॉकर जैसे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) प्लेटफॉर्म के साथ देश की सफलता को साझा किया और अभिनव फिनटेक समाधानों पर सहयोग का प्रस्ताव दिया। दोनों वित्त मंत्रियों ने बहुपक्षीय विकास बैंकों (एमडीबी) में सुधार के महत्व पर चर्चा की ताकि उन्हें विकासशील देशों की जरूरतों के प्रति अधिक उत्तरदायी बनाया जा सके, पर्याप्त रूप से पूंजीकृत किया जा सके और एसडीजी के साथ बेहतर ढंग से अलाइन किया जा सके। वित्त मंत्री सीतारमण ने ग्रीन हाइड्रोजन, कार्बन कैप्चर, ऊर्जा दक्षता और सर्कुलर अर्थव्यवस्था में सह-वित्तपोषण मॉडल और सहयोग को रेखांकित किया और कहा कि दोनों देश वैश्विक बाजारों के लिए समाधान विकसित करने के लिए अपनी ताकत का लाभ उठा सकते हैं, जिससे हमारी जलवायु प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाया जा सके। भारतीय वित्त मंत्री ने जापान के वित्त मंत्री काट्सुनोबु काटो से भी मुलाकात की और दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी पर चर्चा की। केंद्रीय वित्त मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र और कानून के शासन के साझा मूल्यों पर आधारित भारत-जापान साझेदारी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, समृद्धि और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है।

सीतारमण ने विकसित भारत 2027 के लिए मोदी के विजन पर दिया जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। मिलान (वार्ता) केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज यहां एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की 58वीं वार्षिक बैठक में गवर्नर्स के बिजनेस सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विकास गाथा और विकसित भारत 2047 के लिए उनके विजन पर जोर दिया। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि एडीबी भारत की विकास यात्रा में एक मूल्यवान भागीदार है। उन्होंने एडीबी के अधिक सक्रिय, चुस्त, साहसी और ग्राहक-केंद्रित विजन का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि ये विशेषताएं समृद्ध, समावेशी, लचीले और टिकाऊ एशिया और प्रशांत की ओर हमारी सामूहिक यात्रा में महत्वपूर्ण हैं।

जीएसटी अधिनियम की धारा 112 के तहत अपीलीय न्यायाधिकारणों का जल्द हो गठन: कैट

एजेंसी

नई दिल्ली। कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) अपीलीय ट्रिब्यूनलों के गठन की दिशा में तत्काल प्रभाव से कदम उठाए जाने की मांग करते हुए कहा है कि इस तरह के फोरम का न होना जीएसटी कानून के प्रावधानों के विरुद्ध है। कैट ने दिल्ली जीएसटी प्रोफेशनल्स ग्रुप (डीजीपीजी) के साथ मिलकर नई दिल्ली में एक 'छद्म जीएसटी ट्रिब्यूनल' का आयोजन किया। कार्यक्रम में जीएसटी कानून के अनुपालन में ट्रिब्यूनलों के महत्व को रेखांकित किया गया। कैट ने एक विज्ञप्ति में कहा है कि जीएसटी कानून की धारा 112 के अनुसार करदाताओं को जीएसटी अधिकारियों के आदेशों के विरुद्ध अपील करने के लिए अपीलीय न्यायाधिकरणों का प्रावधान है। करदाताओं के वैधानिक अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए अपीलीय फोरम का होना जरूरी है। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि केंद्र सरकार के प्रयासों के बावजूद उच्त्तम न्यायालय में लंबित मामलों के कारण राज्यों में अब तक जीएसटी ट्रिब्यूनलों का गठन नहीं हो पाया है। इस देरी के चलते देशभर में दो लाख से अधिक मामलों का लंबित रहना बताया गया है, जिससे करदाताओं को उच्च न्यायालयों में महंगे और समय लेने वाले रिट याचिकाओं के माध्यम से न्याय पाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। श्री खंडेलवाल ने कहा कि जीएसटी अधिनियम की धारा 112, नियम 10 के साथ पढ़ने पर दो स्तरीय अपीलीय ट्रिब्यूनल प्रणाली (राष्ट्रीय/क्षेत्रीय पीठें एवं राज्य/क्षेत्रीय पीठें) के गठन का स्पष्ट प्रावधान किया गया है जो ऑर्डर-इन-अपील या रिवीजनल अथॉरिटी के आदेशों के विरुद्ध अपील की सुनवाई करते है। उन्होंने कहा कि ट्रिब्यूनल के अभाव में करदाता संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालयों में दीवानी रिट याचिकाएं लगानी पड़ रही है पर धारा 117 के प्रावधनों के तहत अपील तभी संभव है जब ट्रिब्यूनल का आदेश मौजूद हो। 'छद्म जीएसटी ट्रिब्यूनल' में ट्रिब्यूनल की कार्यवाही का मंचन किया गया हो एक वास्तविक ट्रिब्यूनल की प्रक्रिया का सटीक चित्रण था। नौ वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने अपीलकर्ताओं की ओर से पैरवी की, जबकि सरकार की ओर से अधिवक्ता सुशील वर्मा ने पक्ष रखा। इस कार्यक्रम में सरकार के वकील ने बड़े पैमाने पर कर चोरी और धोखाधड़ी के मामलों का हवाला देते हुए अधिकारियों की कार्रवाई को उचित ठहराया, जबकि अपीलकर्ताओं ने अधिकारियों की मनमानी, प्रक्रियात्मक उल्लंघन और अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकारों के हनन की बात रखी। बयान में कैट ने केंद्र सरकार से जीएसटी अपीलीय ट्रिब्यूनल के गठन की प्रक्रिया को शीघ्र गति देने का आग्रह किया है। श्री खंडेलवान ने कहा कि कैट राज्य सरकारों और जीएसटी आयुक्तों को पत्र लिखकर आग्रह करेगा कि वे ईमानदार व्यापारियों को अनावश्यक उत्पीड़न से बचाएं और व्यापार के लिए अनुकूल और न्यायपूर्ण कर प्रणाली सुनिश्चित करें, जिससे राज्य और देश दोनों की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले।

सीतारमण ने एडीबी से की पाकिस्तान की फंडिंग में कमी लाने की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मासातो कांडा से यहां मुलाकात कर पाकिस्तान को दिए जाने वाले फंड में कमी करने की मांग की। एडीबी की 58वीं वार्षिक बैठक के दौरान हुयी यह मुलाकात 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बीच हुई है। श्रीमती सीतारमण ने इटली के वित्त मंत्री जियानकार्लो जियोर्जेटी के समक्ष भी यही मांग उठाई। श्री कांडा के साथ बैठक के दौरान श्रीमती सीतारमण ने कहा कि भारत निजी क्षेत्र के नेतृत्व वाली आर्थिक वृद्धि पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी), कॉर्पोरेट कर दर में कमी और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कार्यान्वयन, उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई), राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी), गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान और स्टार्टअप इंडिया जैसी साहसिक पहलों के माध्यम से लगातार अनुकूल नीति और नियामक पारिस्थितिकी तंत्र बना रहा है, ताकि व्यापार करने में अधिक आसानी हो। वित्त मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत एडीबी को नए, अभिनव वित्तपोषण उत्पादों और मॉडलों को आगे बढ़ाने के अवसर प्रदान करता है। श्री कांडा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण से निर्देशित भारत की विकास प्राथमिकताओं के लिए एडीबी के पूर्ण समर्थन का अश्वासन दिया।

डिलीवरी कुशल नहीं होने से कई सरकारें दशकों तक कुछ हासिल नहीं कर सकीं: सीतारमण

एजेंसी

मिलान। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा कि कई सरकारें कई दशकों तक कुछ हासिल नहीं कर सकीं, क्योंकि उनकी डिलीवरी कुशल नहीं थी, लेकिन पिछले 10 वर्षों में बिना किसी भेदभाव के हर नागरिक के लिए जो मुख्य रूप से दिया जाना था, वह दिया गया है। श्रीमती सीतारमण ने यहां आयोजित एक संवाद कार्यक्रम के दौरान प्रवासी भारतीयों को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान वित्त मंत्री ने भारत में समावेशी वृद्धि और विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की प्रमुख पहलों और उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्थानीय अर्थव्यवस्था और समाज में प्रवासी भारतीयों के सकारात्मक योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में प्रवासी भारतीयों का बहुत सम्मान किया जाता है। प्रवासी भारतीयों को संबंधित अर्थव्यवस्थाओं में बहुत रचनात्मक, सकारात्मक योगदानकर्ता के रूप में देखा जाता है और परिणामस्वरूप आप (भारतीय प्रवासी) भारत के लिए बहुत गर्व की बात है, क्योंकि प्रवासी भारतीय कानून का पालन करने वाले नागरिक के रूप में उस अर्थव्यवस्था की परवाह करने वाले और उससे जुड़े हुए नागरिक के रूप में काम करने के साथ ही अपनी मातृभूमि से भी जुड़े हुए हैं।

पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 4.78 लाख करोड़ का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी निवेशकों की खरीदारी और क्रूड ऑयल के दाम में आई गिरावट के कारण आज घरेलू शेयर बाजार का सेंटीमेंट हाई बना रहा। हालांकि मुनाफा वसूली के कारण होने वाली बिकवाली से शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव की स्थिति भी बनी रही। पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल भी ऊपर नीचे होती रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.37 प्रतिशत और निफ्टी 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइजेज और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, कैपिटल गुड्स, मेटल और एफएमसीजी इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर निफ्टी का बैंकिंग इंडेक्स आज करीब 200 अंक की बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.45 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 427.59 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 422.81 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.78 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,202 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,563 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,460 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 179 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,588 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,848 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 740 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 34 शेयर हरे निशान में और 16 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 159.63 अंक उछल कर 80,661.62 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 11 बजे के करीब यह सूचकांक 547.04 अंक की मजबूती के साथ 81,049.03 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से अगले 1 घंटे के कारोबार में यह सूचकांक गिर कर 80,657.71 अंक तक पहुंच गया। दिन के दूसरे सत्र में इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 294.85 अंक की बढ़त के साथ 80,796.84 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 72.80 अंक की तेजी के साथ 24,419.50 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक 179.70 अंक की छलांग लगा कर 24,526.40 अंक तक पहुंचा। हालांकि बाद में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने पर इसने 24,400.65 अंक तक गोता भी लगा दिया।

उत्तर प्रदेश तैयार करेगा ग्रैंड मास्टर

एजेंसी

कानपुर। उत्तर प्रदेश में शतरंज गतिविधियों को नई दिशा और गति देने के लिए राज्य की शतरंज की रेगुलेटरी संस्था यूपी चेस स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने एक समग्र दीर्घकालिक और अल्पकालिक योजना तैयार की है। इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से 'फ्यूचर ग्रैंड मास्टर सीरीज़' की शुरुआत की जा रही है। श्रृंखला के प्रथम चरण में वर्ष 2025-26 के दौरान प्रदेश के 10 जनपदों में अंतरराष्ट्रीय रेटिंग शतरंज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं से उदीयमान खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें ग्रैंड मास्टर अथवा अंतरराष्ट्रीय मास्टर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक प्रतियोगिता की पुरस्कार राशि दो लाख रुपये निर्धारित की गई है, जबकि प्रविष्टि शुल्क एक हजार रुपये होगा। उत्तर प्रदेश के सभी खिलाड़ियों को प्रविष्टि शुल्क में 25 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, यू.पी. स्टेट चैंपियनशिप (सभी आयु वर्ग एवं सीनियर वर्ग) के प्रथम पाँच स्थान प्राप्त खिलाड़ियों को 50 प्रतिशत छूट का लाभ मिलेगा। पहली प्रतियोगिता दिनांक 10 मई से 13 मई डीपीएस सीतापुर में आयोजित की जाएगी। फ्यूचर ग्रैंडमास्टर सीरीज़ के आगामी आयोजन लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर, देवरिया, बरेली, झाँसी, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा सहित अन्य प्रमुख जिलों में भी प्रस्तावित हैं।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 की निशानेबाजी स्पर्धा में राजस्थान ने जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम (यूथ) स्पर्धा में राजस्थान की टीम ने रोमांचक मुकाबले में स्वर्ण पदक जीता। आज यहां हुई निशानेबाजी स्पर्धा में राजस्थान के मयंक चौधरी और प्राची की जोड़ी ने शुरुआत से ही बढ़त बनाई। हालांकि उत्तर प्रदेश की टीम, जिसमें देव प्रताप और उर्वा चौधरी शानदार वापसी करते हुए स्कोर को बराबरी पर ला दिया। राजस्थान की टीम ने अपने खेल में निरंतरता बनाए रखते हुए मुकाबले जीत लिया और उत्तर प्रदेश को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।वहीं दिल्ली की टीम के नियमिका राणा और हार्दिक बंसल ने हरियाणा की कनक और प्रतीक श्योकंद को हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

मो शमी को मिली जान से मारने की धमकी

अमरोहा। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज़ गेंदबाज मोहम्मद शमी को ईमेल के जरिए जान से मारने की धमकी के साथ ही एक करोड़ रुपये देने की मांग की गई है। तहरीर के आधार पर साइबर सेल में मुकदमा दर्ज़ कर लिया गया है। धमकी की शिकायत के बाद अमरोहा पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमें अलर्ट हो गई हैं। ईमेल की तकनीकी जांच के लिए साइबर विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। पुलिस ने मेल भेजने वाले की पहचान और लोकेशन ट्रेस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने 'यूनीवार्ता' को बताया कि शमी के भाई हसीब अहमद ने पुलिस को आज एक तहरीर में बताया है कि शमी आईपीएल में व्यस्त है और वह शमी की ईमेल देखते रहते हैं। चार मई को ईमेल आईडी खोलने पर उसमें राजपूत सिंधर नाम की ईमेल आईडी से मोहम्मद शमी को जान से मारने, किसी 'प्रभाकरा' तथा एक करोड़ रुपये का जिक्र किया गया है। तहरीर के आधार पर प्रकरण के संबंध में साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज़ कर ली गई है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है। जल्दी ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मोहम्मद शमी को धमकी की शिकायत के बाद अमरोहा पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम अलर्ट हो गई हैं। ईमेल की तकनीकी जांच के लिए साइबर विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। पुलिस ने मेल भेजने वाले की पहचान और लोकेशन ट्रेस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

चोटिल वंश बेदी की जगह उर्विल पटेल सीएसके की टीम में शामिल

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने चोटिल वंश बेदी की जगह गुजरात के विकेटकीपर बल्लेबाज उर्विल पटेल को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए अपनी टीम में जगह दी है। सीएसके ने उर्विल को 30 लाख रूपये के बेस प्राइस में टीम में शामिल किया है। बेदी को सीएसके ने 55 लाख रूपये में खरीदा था, लेकिन उन्हें एक भी मैच में अवसर नहीं मिला और वह अब बाएं टखने में चोट के कारण आईपीएल से बाहर हो गए हैं। उर्विल इससे पहले 2023 में गुजरात टाइटंस टीम का भी हिस्सा थे। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के बाहर होने के बाद सीएसके ने मिड ट्रायल के लिए आयुष म्हात्रे के साथ उर्विल को भी बुलाया था। बाद में म्हात्रे को टीम में जगह मिली। उर्विल ने 2024-25 के सैयद मुश्ताक़ अली ट्रॉफी की छह पारियों में 230 के स्ट्राइक रेट और लगभग 79 की औसत से कुल 315 रन बनाए थे, जिसमें 20 छक्के शामिल थे, जो कि इस प्रतियोगिता में सर्वाधिक था।

इंटर मिलान के खिलाफ बेंच पर रहेंगे लेवांडोव्स्की,कोच हैंसी फ्लिक ने दी जानकारी

एजेंसी

मिलान। चैंपियंस लीग सेमीफाइनल के निर्णायक मुकाबले से पहले बार्सिलोना को बड़ी राहत मिली है। स्टार स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवांडोव्स्की पूरी तरह फिट हो चुके हैं, लेकिन कोच हैंसी फ्लिक ने साफ किया है कि वे इंटर मिलान के खिलाफ मुकाबले की शुरुआत बेंच से करेंगे। पहला लेग 3-3 की बराबरी पर खत्म हुआ था और अब दोनों टीमों के बीच अंतिम मुकाबला सैन सिरो में खेला जाएगा।

चोट से उबरकर टीम में लौटे लेवांडोव्स्की

पोलैंड के कप्तान लेवांडोव्स्की पिछले महीने सेल्टा विगो के खिलाफ मुकाबले में हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बाहर हो गए थे और पहले लेग में नहीं खेल पाए थे। लेकिन अब वो फिट हैं और बतौर सब्स्टीट्यूट मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं। कोच

फ्लिक ने पत्रकारों से कहा, वो हमारी उम्मीद से ज्यादा तेजी से ठीक हुए हैं और बेंच पर मौजूद रहेंगे। ज़रूरत पड़ी तो हम उन्हें उतार सकते हैं।

40 गोलों वाले स्ट्राइकर की वापसी बड़ी ताकत

लेवांडोव्स्की इस सीजन में अब तक सभी प्रतियोगिताओं में 40 गोल कर चुके हैं। ऐसे में उनकी वापसी से बार्सिलोना को जीत की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। टीम को फाइनल में पहुंचने के लिए हर हाल में इंटर को हराना होगा। फ्लिक के कोच बनने के बाद बार्सिलोना इस सीजन में चार बड़े खिताब जीतने की दौड़ में है।

ओल्मो बोले - 'हम सब कुछ जीतना चाहते हैं'

बार्सिलोना के मिडफील्डर दानी ओल्मो ने कहा, 'मैंने सोचा था कि हम इस मुकाम तक आएंगे। हम हर खिताब जीतना चाहते हैं और हमारे पास ऐसा करने वाली टीम भी है।' ओल्मो ने यह भी कहा कि अगर इंटर की टीम लमिन यमाल पर फोकस करेगी, तो बार्सिलोना के अन्य खिलाड़ी मौके का फायदा उठाएंगे।

यमाल फिर मचाएंगे तहलका?

17 वर्षीय यमाल ने पिछले मुकाबले में इंटर की डिफेंस को काफी परेशान किया था। उन्होंने एक शानदार गोल किया और दो बार पोस्ट से भी टकराए। इंटर के कोच सिमोने इनज़ाघी ने माना कि यमाल को स्पेशल अटेंशन दी जाएगी, लेकिन ओल्मो ने कहा कि इससे बार्सिलोना की योजना नहीं बदलेगी।

फाइनल में पहुंचेगी विजेता टीम : यह मुकाबला तय करेगा कि फाइनल में म्यूनिख में कौन पहुंचेगा। वहां विजेता टीम का सामना आर्सेनल या पेरिस सेंट जर्मेन में से किसी एक से होगा।

केंद्रीय विद्यालय संगठन की 54वीं तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ

एजेंसी

बाराबंकी। स्थानीय केडी सिंह बाबू स्टेडियम में केंद्रीय विद्यालय संगठन के 54वें तीन दिवसीय संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं का भव्य शुभारंभ हुआ। खेलकूद प्रतियोगिताओं का शुभारंभ जिलाधिकारी मुख्य अतिथि शशांक त्रिपाठी द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बाराबंकी के छात्र-छात्राओं द्वारा सुंदर नृत्य एवं योग प्रदर्शन किया गया।

जिलाधिकारी ने छात्रों को खेल की भावना से खेलते हुए टीम भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया। खेलकूद प्रतियोगिताओं में केंद्रीय विद्यालय संगठन के लखनऊ संभाग के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों की बैडमिंटन की अंडर 14 अंडर 17 तथा अंडर-19 की 19 टीमें भाग ले रही तथा क्रिकेट के अंडर 14 की 6 टीमें भाग ले रही हैं।

प्लेऑफ से बाहर होने पर बोले एसआरएच कोच विटोरी- हर बार आक्रामकता नहीं, हालात के हिसाब से खेली टीम

एजेंसी

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में सनराइजर्स हैदराबाद की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गईं हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच बारिश के कारण रद्द हो गया, जिससे टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। मैच के बाद हेड कोच डेनियल विटोरी ने टीम की बल्लेबाज़ी रणनीति और हैदराबाद की पिच को लेकर अहम बयान दिए।

आक्रामक बल्लेबाज़ी नहीं थी डिफॉल्ट रणनीतिः विटोरी

विटोरी ने साफ किया कि टीम की बल्लेबाज़ी हमेशा आक्रामक नहीं रही, बल्कि परिस्थितियों के अनुसार रणनीति बनाई गई। उन्होंने कहा, मैंने हर मैच के बाद यह नहीं कहा कि हम आक्रामक अप्रोच के पक्ष में हैं। हमने हमेशा परिस्थितियों को आंकने की बात की है। इस साल की पिचें वैसी नहीं रहीं जैसी उम्मीद थी। पिछले साल यहां हाई-स्कोरिंग मैच ज़्यादा हुए थे, लेकिन इस बार हालात अलग रहे।

पिचें रहीं तेज़ गेंदबाज़ों के मुफीदः हैदराबाद में इस सीजन अब तक छह मैच खेले गए हैं, जिनमें 11 पारियों में सिर्फ चार बार ही स्कोर 200 के पार गया। पिछले साल यह आंकड़ा 12 में से सात बार था। विटोरी ने कहा कि पिचें इस बार तेज़ गेंदबाज़ों के लिए ज़्यादा अनुकूल

रहीं।उन्होंने कहा, यहां दो पिचें थीं जहां स्कोर 250 के पार गया, लेकिन चार पिचें तेज़ गेंदबाज़ों के लिए ज़्यादा मुफीद रहीं। नई गेंद थोड़ा रुककर आ रही थी, जिससे बल्लेबाज़ी करना आसान नहीं था।

बारिश से टूटी उम्मीदें, विटोरी ने जताई निराशा

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में हैदराबाद ने पहले गेंदबाज़ी करते हुए दिल्ली को 133/7 पर रोक दिया था। लेकिन बारिश ने टीम की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। विटोरी ने कहा, हम टूर्नामेंट में बने रहने के लिए उतरे थे और शुरुआत भी अच्छी रही। आज की परफॉर्मेंस एक कंप्लीट गेम की शुरुआत थी, लेकिन बारिश ने मौका छीन लिया। निराशा ज़रूर है, लेकिन यही क्रिकेट है।

शमी की जगह कमिंस को नई गेंद से मौका, रहा कारगर फैसला

इस मैच में मोहम्मद शमी को प्लेइंग इलेवन से बाहर किया गया और कप्तान पैट कमिंस ने नई गेंद से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पावरप्ले में दिल्ली के टॉप ऑर्डर को झटका दिया और 3 विकेट लेकर 19 रन दिए।

विटोरी ने कहा,शमी के लिए सीजन अब तक कठिन रहा है, लेकिन उन्होंने मेहनत में कोई कमी नहीं छोड़ी। हमने कंडीशंस को ध्यान में रखते हुए टीम संयोजन चुना। कमिंस ने नई गेंद से जो स्पेल डाला, वह शानदार था। उम्मीद है कि वो इसी लय में अगले तीन मुकाबले भी खेलेंगे।

आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए वेस्टइंडीज ने घोषित की वनडे टीम, आमिर जंगू और ज्वेल एंड्रयू को मिला मौका

एजेंसी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम में अधिकतर वही खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने दिसंबर में बांग्लादेश को 3-0 से हराया था। हालांकि, आईपीएल में व्यस्त शिमरोन हेटमायर इस दौरे पर नहीं होंगे, जबकि युवा बल्लेबाज़ ज्वेल एंड्रयू की टीम में वापसी हुई है।

शाई होप संभालेंगे कप्तानी, आमिर जंगू पर रहेंगी निगाहें

टीम की कमान एक बार फिर शाई होप के हाथों में होगी। ब्रैंडन किंग और एविन लुईस के ओपनिंग करने की संभावना है, वहीं कीसी कार्टी नंबर तीन पर बल्लेबाज़ी कर सकते हैं। आमिर जंगू, जिन्होंने सेंट किट्स में अपने डेब्यू मैच में 79 गेंदों में शानदार शतक जड़ा था, इस बार नियमित स्थान पाने की उम्मीद करेंगे।

फिट होकर लौटे शमार जोसेफ और मैथ्यू फोर्ड

बांग्लादेश सीरीज से बाहर रहने वाले शमार जोसेफ और मैथ्यू फोर्ड अब पूरी तरह फिट हैं और टीम में लौट आए हैं। तेज़ गेंदबाज़ी विभाग में अल्ज़ारी जोसेफ, जेडन सील्स और

रोमारियो शेफर्ड जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं।

2027 वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन की तैयारी

वेस्टइंडीज की टीम फिलहाल आईसीसी की वनडे रैंकिंग में नौवें स्थान पर है और 2027 वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने की कोशिश में जुटी है। आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज 21 मई से डबलिन में शुरू होगी, जिसके बाद इंग्लैंड में 29 मई से तीन वनडे और फिर टी20 सीरीज खेली जाएगी। मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा, बांग्लादेश और इंग्लैंड के खिलाफ जीत के बाद टीम में निरंतरता का विकास दिख रहा है। आयरलैंड और इंग्लैंड की परिस्थितियाँ चुनौतीपूर्ण होंगी, लेकिन हमारी क्रिकेट शैली और सोच वर्ल्ड कप की दिशा में आगे बढ़ रही है।

कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव

वेस्टइंडीज ने अपने कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव किया है। पूर्व तेज़ गेंदबाज़ रवि रामपॉल को जेम्स फ्रैंकलिन की जगह गेंदबाज़ी कोच बनाया गया है। इसके अलावा, पूर्व आयरिश ऑलराउंडर केविन ओब्रायन आयरलैंड दौरे पर सपोर्ट स्टाफ से जुड़ेंगे।

वेस्टइंडीज वनडे टीमः

शाई होप (कप्तान), ज्वेल एंड्रयू, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज़, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रेव्स, आमिर जंगू, अल्ज़ारी जोसेफ, शमार जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुढाकेश मोटी, शेर्फेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड।

आईपीएल 2025: कगिसो रबाडा अब चयन के लिए उपलब्ध, गुजरात टाइटंस ने की पुष्टि

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा एक महीने के निलंबन के बाद अब आईपीएल में वापसी के लिए तैयार हैं। गुजरात टाइटंस ने सोमवार शाम बयान जारी कर पुष्टि की कि रबाडा अब चयन के लिए पूरी तरह उपलब्ध हैं।रबाडा ने एसए 20 के दौरान एक प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन के चलते दक्षिण अफ्रीकी डोपिंग निरोधक संस्था (एसएआईडीएस) द्वारा लगाए गए एक महीने के अस्थायी निलंबन को स्वीकार किया था। उन्होंने न केवल अपनी गलती मानी, बल्कि एक विशेष कार्यक्रम भी पूरा किया। एसएआईडीएस की जांच पूरी होने के बाद अब वे आईपीएल के बाकी मुकाबलों के लिए चयन योग्य हैं।

विक्रम सोलंकी ने किया रबाडा का समर्थन

गुजरात टाइटंस के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने रबाडा का पूरा समर्थन करते हुए कहा, यह हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम अपने खिलाड़ियों का साथ दें, चाहे वह फॉर्म हो या व्यक्तिगत मुद्दे। रबाडा ने स्पष्ट रूप से बताया कि वे इस घटना से किसी को विचलित नहीं होने देना चाहते।÷ उन्होंने यह भी कहा कि रबाडा ने अपनी गलती से सबक सीखा है और अब पूरी तरह क्रिकेट पर फोकस कर रहे हैं।

टीम में वापसी को लेकर उत्साहित हैं रबाडा

रबाडा पहले दो मैच खेलने के बाद साउथ अफ्रीका लौट गए थे। अब वापसी के साथ, वे आईपीएल के व्यस्त अंत की ओर टाइटंस की गेंदबाजी को मजबूती देंगे। साथ ही, वे जून में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लॉर्ड्स में होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए भी चयन के पात्र हो गए हैं।

नियमों का पालन और नया अध्याय

सोलंकी ने कहा कि रबाडा ने नियमानुसार प्रक्रिया पूरी की और अब यह मामला बंद माना जाना चाहिए। नियम सभी पर समान रूप से लागू होते हैं। रबाडा ने अपनी सजा पूरी की है और अब समय है कि वह फिर से खेल के मैदान में उतरें।

आईपीएल 2025 : सनराइजर्स हैदराबाद प्लेऑफ की दौड़ से बाहर, दिल्ली कैपिटल्स से मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ा

एजेंसी

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के प्लेऑफ की दौड़ से सनराइजर्स हैदराबाद की उम्मीदेंआधिकारिक रूप से खत्म हो गई। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उसका मुकाबला लगातार बारिश और गीले मैदान के कारण पूरा नहीं हो सका। ऐसे में दोनों टीमों को एक-एक अंक देकर मुकाबला रद्द घोषित किया गया।11 मैचों में कुल 7 अंक हुए, जिससे वे अब अंक तालिका में टॉप-4 में पहुंचने की गणितीय संभावना खो चुका है। सनराइजर्स हैदराबाद इस सीजन प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली तीसरी टीम बन गई है। बारिश से प्रभावित इस मैच में हालांकि पहले दिल्ली कैपिटल्स की पारी पूरी हुई। मैच में हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस की अगुवाई में गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। दिल्ली को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता मिला और टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। सिर्फ 7.1 ओवर में दिल्ली ने अपने 5 विकेट 29 रन पर गंवा दिए। पैट कमिंस ने पहले ही ओवर में करुण नायर को बाहर की ओर जाती गेंद पर ललचाकर आउट किया। फिर अगले ओवर में फाफ डु प्लेसिस को पुल शॉट पर विकेट के पीछे कैच कराया। अभिषेक पोरेल भी कमिंस की गेंद पर फ्लिक शॉट खेलते हुए आउट हुए।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैम्पियनशिप का भव्य आगाज 27 मई से, खेले जाएंगे 18 मुकाबले

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक और रोमांचक खबर है। जल्दी ही क्रिकेट की दुनिया के बड़े नाम ग्रेटर नोएडा में एक नये लीग इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैम्पियनशिप (आईएलसी) में खेलते नजर आएंगे। इस लीग की शुरुआत 27 मई से होगी, और फाइनल मुकाबला 05 जून को खेला जाएगा। इस दौरान होने वाले सभी 18 मैच ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जाएंगे।

भारत की ओर से इस टूर्नामेंट में पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन और पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार 'भारतीय वॉरियर्स' टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। टूर्नामेंट में कुल छह टीमें हिस्सा ले रही हैं, जो दुनिया

के छह महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करती हैं। अन्य टीमों में अफ्रीकन लायंस, ट्रांस टाइटंस (ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड का संयोजन), यूरो ग्लैडिएटर्स, अमेरिकन स्ट्राइकर्स, और एशियन अवेंजर्स शामिल हैं। यह चैम्पियनशिप 27 मई से शुरू होकर 18 मुकाबलों के रोमांचक सिलसिले के बाद 5 जून को फाइनल तक पहुंचेगी। सभी मैच ग्रेटर नोएडा में आयोजित होंगे और सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर लाइव प्रसारित किए जाएंगे।

इस अनूठी चैम्पियनशिप के बारे में आयोजक और एमवीपी क्रेस्ट प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक प्रदीप सांगवान ने कहा, ÷हम इस आयोजन को लेकर बेहद उत्साहित हैं।

विश्व क्रिकेट के लीजेंड्स को एक ही मंच पर लाना हमारे लिए गर्व की बात है। हम दर्शकों को एक विश्वस्तरीय क्रिकेटिंग अनुभव देने का वादा करते हैं। उन्होंने कहा कि अनुभवी खिलाड़ियों के अनुभव और प्रतिभा से सजे इस टूर्नामेंट का उद्देश्य युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करना है।

23वीं कुमार सुरेन्द्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैम्पियनशिपः मप्र के खिलाड़ियों ने जीते दो पदक

एजेंसी

भोपाल। राजधानी भोपाल में 22 अप्रैल से शुरू हुई 23वीं कुमार सुरेन्द्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैम्पियनशिप का समापन हुआ। इस शूटिंग चैम्पियनशिप में खेल अकादमी के शूटिंग खिलाड़ियों ने दो पदक अर्जित किए। इनमें एक स्वर्ण और कांस्य पदक शामिल है। प्रतियोगिता के अंतिम दिन मप्र खेल अकादमी के शूटिंग खिलाडी चेतन सप्कल ने अपने खेल का शानदार प्रदर्शन कर पहले चरण में 279 और द्वितीय चरण में 270 अंक सहित कुल 549 अंक प्राप्त कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसी प्रतियोगिता में खेल अकादमी के शूटिंग खिलाडी साहिल चौधरी ने भी 25मी. सेन्टर फायर पिस्टल सीनियर मेन वर्ग में शानदार प्रदर्शन कर कांस्य पदक जीता।

डीएसए अमरोहा ब्लू और डीएसए मुरादाबाद ब्लू की टीमें जीतीं

एजेंसी

मुरादाबाद। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव एव पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि यूपीसीए द्वारा आईएफटीएम यूनिवर्सिटी ग्राउंड पर आयोजित अंडर-19 इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग में दो मैच खेले गए। पहले मैच में डीएसए अमरोहा ब्लू ने डीएसए मुरादाबाद रेड को और दूसरे मैच में डीएसए मुरादाबाद ब्लू ने डीएसए अमरोहा रेड को हराया। पहले मैच में डी एस ए अमरोहा ब्लू ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए निर्धारित 45 ओवर में 8 विकेट खोकर 403 रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करते हुए डीएसए मुरादाबाद रेड 217 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। दूसरे मैच मैं डी एस ए मुरादाबाद ब्लू ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 284 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए डी सी ए अमरोहा रेड 157 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। पहले मैच में यूपीसीए द्वारा मनोनीत अम्पायर जतिन्द्र सिंह और प्रियंका सिंह व स्कोरर प्रनाव दास रहे। दूसरे मैच में यूपीसीए द्वारा मनोनीत अम्पायर आयुष वत्स ओर पलक शर्मा व स्कोरर प्रगति तिवारी रहे। मैच के दोरान डीएसए सचिव विजय गुप्ता, संयुक्त सचिव नितिन गुप्ता, क्रिकेट कोच बदरूद्दीन सिद्दीक़ी, खेल निर्देशक डॉ वैभव त्रिवेदी, वित्त अधिकारी डॉ कुशल पाल सिंह, पूर्व रणजी खिलाड़ी सतीश शर्मा, नज़ाकत अली, मौहम्मद हसीन, जेपी सिंह,

मौहम्मद शाहिद व अन्य कोच मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के सेलेक्टर पूर्व रणजी खिलाड़ी संजीव जखमौला और सर्वेश भटनागर दोनों मैच में ओवजर्बर के रूप में मौजूद रहे और खिलाड़ियों की बारीकियाँ देखी।

भारत ने वनडे और टी20 में बरकरार रखा शीर्ष स्थान

एजेंसी

दुबई। भारत ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की जारी नवीनतम वार्षिक पुरुष रैंकिंग में सफेद गेंद प्रारूप में अपना दबदबा कायम रखते हुए वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा, लेकिन टेस्ट प्रारूप में वह एक स्थान नीचे चौथे नंबर पर खिसक गया जिसमें ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर काबिज है। नवीनतम रैंकिंग में मई 2024 के बाद से खेले गए सभी मैचों की दर 100 प्रतिशत और उससे पहले के दो वर्षों की 50 प्रतिशत है। वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में पहुंचने वाले भारत को वनडे रैंकिंग में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने का फायदा मिला है। इससे उसके रेटिंग अंक 122 से बढ़कर 124 हो गए हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में उपविजेता न्यूजीलैंड ऑस्ट्रेलिया को पछाड़कर दूसरे स्थान पर आ गया है। ऑस्ट्रेलिया अब तीसरे स्थान पर है। श्रीलंका ने हाल के महीनों में घरेलू मैदान पर शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला जीत भी शामिल है। इससे उसे पांच रेटिंग अंक का फायदा हुआ और वह चौथे स्थान पर पहुंच गया है। उसने पाकिस्तान (एक अंक के लाभ के साथ पांचवें) और दक्षिण अफ्रीका (चार अंक के नुकसान के साथ छठे) को पीछे छोड़ा। अफगानिस्तान चार अंकों के सुधार के बाद सातवें स्थान पर पहुंच गया जबकि पूर्व विश्व चैंपियन इंग्लैंड चार अंक खोने के बाद आठवें स्थान पर आ गया। वेस्टइंडीज पांच अंक हासिल करके नौवें स्थान पर पहुंच गया। बांग्लादेश चार अंकों की गिरावट के साथ 10वें स्थान पर खिसक गया है। टी20 में मौजूदा विश्व चैंपियन भारत शीर्ष पर है, हालांकि दूसरे स्थान पर मौजूद

ऑस्ट्रेलिया पर उसकी बढ़त 10 से घटकर नौ अंक हो गई है। पहली बार वार्षिक अपडेट में वैश्विक टी20 रैंकिंग में 100 टीमों को शामिल किया गया है। सूची में वे सभी टीमें शामिल हैं जिन्होंने पिछले तीन वर्षों में कम से कम आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इंग्लैंड तीसरे नंबर पर है, जबकि न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका क्रमशः चौथे, पांचवें और छठे नंबर पर हैं। इनके बाद श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, आयरलैंड और जिंबॉब्वे का नंबर आता है। मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट टीम रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है, हालांकि वार्षिक अपडेट के बाद उसकी बढ़त 15 से घटकर 13 अंक रह गई है। ऑस्ट्रेलिया के 126 रेटिंग अंक हैं। बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली इंग्लैंड की टीम दक्षिण अफ्रीका और भारत दोनों को पछाड़ते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गई। उसके रेटिंग अंक 113 हो गए हैं। दक्षिण अफ्रीका (111) और भारत (105) एक एक स्थान फिसलकर क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर पहुंच गए। उनके बाद न्यूजीलैंड, श्रीलंका, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और जिम्बाब्वे हैं। टेस्ट तालिका में अभी केवल 10 टीम शामिल हैं। आयरलैंड को रैंकिंग हासिल करने के लिए अगले 12 महीनों में एक और टेस्ट खेलना होगा, जबकि अफगानिस्तान को सूची में शामिल होने के लिए तीन और मैच खेलने होंगे।

सुकून और सुंदरता
का एक ही नाम सफेद

- विज्ञान ने भी साबित किया है कि गर्मियों में हल्के सुहाने रंग राहत और सुकून पहुंचाते हैं। और यदि तेज, चुभती धूप में कपड़ों का रंग सफेद हो तो... ये बिल्कुल जादू की तरह काम करता है। देखकर सुकून का आभास होता है।
- सफेद लिबास के साथ अवचेतन में इतनी शुभ्रता, शुचिता, सुकून के अहसास जुड़े हैं कि सफेद गाउन में सजी कोई युवती पहली नजर में परियों-सी लगती है। हम जब भी खूबसूरती, मासूमियत और अलौकिकता की साझी कल्पना करते हैं तो दिलो-दिमाग में सफेद वस्त्रों में सजी परियां थिरक उठती हैं। बहरहाल, जिन देशों में मार्च के कदम रखते ही गर्मी भी दस्तक देने लगती है, वहां चिलचिलाती धूप और बेचैन करने वाली तपिश के दिनों में फैशन और सुकून का एक ही रंग दिखता है, सफेद।

- साल 2012 का प्रतिनिधि रंग कोई भी हो, दहलीज पर गर्मी के कदम पड़ते ही सफेद रंग की हुकूमत चारों तरफ दिखाई देने लगती है। यह महज संयोग नहीं है कि हर साल स्प्रिंग कलेक्शन यानी बसंत ऋतु में होने वाले फैशन सप्ताहों में सफेद रंग की बादशाहत दिखती है। गर्मियों में हल्का-फुल्का, ढीला-ढाला और कैजुअल कुछ भी पहन सकते हैं। चाहे बीच पार्टियां हों, चाहे किसी के जन्मदिन की पार्टी- सफेद हर जगह शानदार लगता है, गरिमामय लगता है। सफेद लिबास के साथ एक और सुविधा है। आप कई तरह की एक्सेसरीज पहन सकते हैं। बहुत कम ऐसे मौसम होते हैं जिनका कोई प्रतिनिधि रंग हो, लेकिन गर्मी का अपना प्रतिनिधि रंग है, सफेद। इन दिनों भड़कीले या बहुत धुंधले (डल) रंग न दिल को भाते हैं न आंखों को। सिर्फ अपने तन में ही नहीं, दूसरों पर भी इन दिनों सफेद रंग के कपड़े अच्छे लगते हैं।
- लड़कियों में सफेद कुर्ते, सफेद टॉप, सफेद गाउन कुछ इस तरह खिलते हैं, जैसे वाकई ये उजली-उजली परियां हों। एक फायदे की बात यह है कि आज सफेद रंग में हर तरह की एक्सेसरीज आसानी से मैच करती है।
- आप सफेद टॉप के साथ नीली जींस का क्लासिक कॉम्बिनेशन इस्तेमाल कर सकते हैं तो आमतौर पर काले को छोड़कर (...और वो भी इसलिए, क्योंकि काला रंग रोशनी को सोखता है, इसलिए इन दिनों बेचैन करता है) कोई भी रंग सफेद के साथ मैच कर जाता है यानी सफेद के साथ कॉम्बिनेशन बनाने में आपको कतई परेशान होने की जरूरत नहीं पड़ती है।
- इसकी रसायनिक विशिष्टता तो यह है कि यह आंखों का सुकून और दिल को ठंडक पहुंचाता है। यह हमारी तमाम उग्रता को ठंडा कर देता है।
- सफेद महज रंग नहीं है, यह पूरी संस्कृति है। यह एक पूरी सभ्यता है इसलिए सफेद रंग जितना चिलचिलाती गर्मी से सुकून देता है, वैसे ही बेचैन करने वाली भावनाओं के मामले में भी सुकून पहुंचाता है। यही कारण है कि दुनियाभर में बच्चों की मासूमियत को उभारने के लिए उन्हें उसके साथ जोड़कर देखने के लिए ज्यादातर स्कूलों की यूनीफॉर्म सफेद होती है।
- सफेद रंग शांति और शुद्धता का प्रतीक है। जब फिजा में आतिशी हवा के झोंके हों, कपड़े बेचैन करते हों, भला उस समय भड़कीले रंग किसे अच्छे लगते हैं यही वजह है कि पश्चिम से लेकर पूरब तक और उत्तर से लेकर दक्षिण तक गर्मियों में सफेद लिबास का जलवा दिखता है।
- डॉक्टर सफेद कोट पहनते हैं, क्योंकि वे यह बताना चाहते हैं कि यह रंग ईमानदारी, पवित्रता और ईश्वरीयता का प्रतिनिधि है।
- सफेद रंग के साथ कई फायदे हैं- भावनात्मक, कुदरती और सामाजिक भी। इसकी सामाजिकता में भी समरसता है। यही कारण है कि सफेद रंग सबको भाता है, सब पर फबता है चाहे सेलिब्रिटीज पहन लें या फिर कोई आम आदमी। सबको यह रंग आकर्षित करता और सब पर यह रंग आकर्षक लगता है। ऐसा नहीं है कि हम सफेद कपड़े कभी भी पहन सकते हैं।
- वाकई सफेद सदाबहार रंग है और इसके इतने विस्तृत आयाम हैं कि अगर आपने कई जोड़ी यानी जरूरत से ज्यादा भी इन दिनों सफेद कपड़े खरीद लिए हैं तो आपको सर्दियों के कपड़ों की तरह संदूक में साल के बाकी महीनों के लिए नहीं रखने पड़ेंगे। आप इन्हें लगातार पहन भी सकते/ सकती हैं। सफेद रंग के साथ आप अपनी चाहतों के सभी रंगों की एक्सेसरीज पहन सकती हैं। सफेद रंग कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता है। यह हमेशा खूबसूरत और ट्रेंडी लगता है।
- गर्मियों में सफेद टी-शर्ट और टॉप के जलवे देखते ही बनते हैं। मर्लिन मुनरो आज भी चेतन-अवचेतन में अगर किसी परी की तरह कैद हैं तो उसी सफेद ड्रेस में। गर्मियों में तमाम सेलिब्रिटीज सफेद रंग में ही नजर आते हैं तो आप क्यों न नजर आएं। इसलिए अगर सीजन की खरीदारी करने के लिए निकलना है तो अपनी सूची में सफेद कपड़ों के लिए जगह बना लीजिए, आखिर इन गर्मियों में परियों की तरह जो लगना है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है, अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

कैसे शुरू करें बच्चों की
बेड टाइम ट्रेनिंग

आज की लाइफ स्टाइल पहले की लाइफ स्टाइल से बहुत अलग है। मोबाइल, टीवी, इंटरनेट ने हमारी जिंदगी में जितनी चीजें आसान बना दी है, उतना ही हम व्यस्त भी हो गए हैं। अगर आपके बच्चे का प्री-स्कूल जाने का समय आ गया है और उसका अभी भी रात में सोने का कोई निर्धारित समय नहीं है तो यह आपके लिए एक समस्या का कारण हो सकता है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है। अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

नींद पूरी न होने से बच्चे के मस्तिष्क का पूरा विकास नहीं हो पाता। क्या आप अपने बच्चे के स्कूल की शुरुआत ऐसे करना चाहेंगे? इसलिए शुरू से उसे बेड टाइम ट्रेनिंग की आदत डालनी चाहिए।

यह ठीक उसी तरह है जिस तरह हमारी मां हमें सोने से पहले अपनी लोरियां सुनाती थीं। आइए जानें कुछ ऐसी बातें जिससे हम अपने बच्चे को ट्रेंड कर सकते हैं बेड टाइम ट्रेनिंग के लिए-

1. बेड टाइम ट्रेनिंग आप 4 से 5 माह के बच्चे के साथ कर सकते हैं। शुरुआत में आपको थोड़ी समस्या जरूर होगी लेकिन बाद में यह बहुत मददगार साबित होगी। बच्चे को सुलाने से पहले आप उनकी हल्की-हल्की मालिश कीजिए। गुनगुने पानी से उनका मुंह-हाथ धोएं (स्पंज करना)।
2. उनके कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। एक समय पर कमरे की लाइट्स बंद कर दें। ऐसा करके आप उन्हें सिग्नल दे रहे हैं और बेड टाइम के लिए तैयार कर रहे हैं।
3. बच्चों को कोई गाना, सॉफ्ट म्यूजिक सुनाएं। लाइट बंद करने से पहले आप बच्चों को पिक्चर बुक्स भी दिखा सकती हैं। ऐसा करने से बच्चों को बुक्स पढ़ने की आदत पड़ती है।
4. सोने से पहले भगवान का कोई सा मंत्र भी सुना सकती हैं। कुछ बच्चों को अपना मनपसंद खिलौना लेकर सोना भी अच्छा लगता है। बच्चों को सोने से पहले सॉफ्ट म्यूजिक सुनना बहुत अच्छा लगता है और उसे सुनने से उनके दिमाग का विकास भी होता है इसीलिए तो बरसों से चलता आ रहा लोरी का एक अपना ही महत्व है।
5. छोटे बच्चे (6 माह से 1 साल के बीच) रात में दूध के लिए जरूर उठते हैं। धीरे-धीरे उसका भी एक समय बनाते जाएं जिससे बच्चा और आप दोनों अच्छे से अपनी नींद पूरी कर सकें।
6. जैसे-जैसे बच्चा धीरे-धीरे बड़ा होता है, आप उसे बेड में जाने से पहले मुंह-हाथ धुलाकर ब्रश करना सिखाएं। कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। सोने से पहले उन्हें दूध जरूर दें। उन्हें उनका मनपसंद खिलौना दें।
7. उन्हें किताब से कहानी सुनाएं। शुरुआत में तो बच्चे को टाइम देना आवश्यक है, लेकिन धीरे-धीरे बच्चे को जब इस टाइम टेबल की आदत हो जाएगी तो आपके और बच्चे दोनों के लिए ही बहुत लाभदायक होगा।
8. शाम को उसे कोई हॉबी क्लास या बगीचे में घूमने के लिए ले जाएं जिससे बच्चा अपना समय टीवी और लैपटॉप में न देकर खेले-कूदे और थक जाए। ऐसा करने से उसे नींद अच्छी आएगी और जल्दी आएगी।

कोशिश करें कि धीरे-धीरे उसे अपने आप टाइम से बेड पर जाने की आदत हो जाए ताकि आप भी अपने आपको कुछ समय दे सकें।

ऐसे करें अपने बच्चे को प्री-स्कूल भेजने की तैयारी

अपने बच्चे को प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी भेजना बहुत बड़ा कदम है और यह टेंशन भी पैदा करता है। यहां गाइड आपको बताएंगे कि आप क्या उमीद रखें, जब आप अपने बच्चे को पहली बार स्कूल लेकर जाएं।

1. अपने बच्चे से प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी के बारे में बात करें, उन्हें समझाने की कोशिश करें कि आप उसे अपने से दूर नहीं भेज रही है। उनसे उनके व्यहवार के बारे में बात करें और मूल बातें सिखाएं।
2. स्कूल के पहले दिन के लिए क्या-क्या आवश्यक है, इस बारे में पता करें- जैसे पढ़ने का समय, नाश्ते का समय आदि ताकि आप उन्हें समझा सकें कि स्कूल से वे क्या उम्मीद रखें।
3. स्कूल की जरूरत की चीजें खरीदने में मजा लाए जैसे आपके बच्चे के पसंदीदा कार्टून की पेंसिल खरिदें, अपने बजट का ध्यान रखें।
4. एक रात पहले उनसे पूछे कि स्कूल को लेकर उनके मन में क्या सवाल है?
5. उन्हें स्कूल छोडने जाएं और जब स्कूल खत्म हो तब स्कूल के बाहर उनका इंतजार करें।
6. अपने बच्चे की टीचर से हर रोज बातचीत करते रहे, उनसे समय-समय पर मिलकर बच्चे के बारे में जानकारी लें। इससे आपके बच्चे को स्कूल में नई सफलता मिलने लगेंगी। पता करें कि आप ऐसा क्या कर सकती है, जिससे आपके बच्चे और उसकी टीचर को मदद मिले।
7. अपने बच्चे से रोज पूछे कि उसने स्कूल में क्या किया? आपके बच्चे को पता होना चाहिए की स्कूल कितना जरूरी है।

लगभग 96 प्रतिशत महिलाएं दिन में एक बार किसी-न-किसी बात पर अपराध बोध महसूस करती हैं। वो कौन-सी बातें हैं, जिनके लिए हम खुद को दोषी ठहराती हैं और क्या है इस अपराध बोध से निकलने का तरीका।

पछताना छोड़ें
खुश रहना सीखें

क्या दिन में कम-से-कम एक बार आप इस बात का अफसोस जताती हैं कि मेरा वजन जरूर बढ़ गया है या फिर आज फिर से घर की सफाई को अधूरा छोड़कर मैं ऑफिस आ गई। अगर इन सब सवालों का जवाब हां में है, तो घबराएं नहीं। अधिकांश महिलाओं का यह स्वभाव होता है। पर परेशानी की बात यह है कि हर चीज के लिए खुद को दोषी ठहराने की हमारी आदत धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित होती जाती है। हर बिगड़े हुए काम के लिए खुद को लगातार दोषी ठहराने की आपकी यह आदत आपको अवसाद के घेरे में भी ले सकती है। बेहतर तो यह होगा कि इन अवसादों से उबरने का तरीका आप सीख लें।

बच्चों के साथ वक्त नहीं बिता पाती

अधिकांश काम-काजी मां का यह मानना होता है कि वे ऑफिस की अपनी जिम्मेदारियों और बच्चों की जिम्मेदारी के बीच सही संतुलन नहीं बना पाई हैं। पर सवाल यह है कि ऑफिस में रहकर बच्चों को वक्त न दे पाने का अफसोस जताने से न तो बच्चों के साथ आप वक्त बिता पा रही हैं और न ही ऑफिस की जिम्मेदारियों को पूरा करने में आप अपना 100 प्रतिशत दे पाएंगी। इस समस्या का एकमात्र हल यह है कि आप जो भी काम वर्तमान में कर रही हैं, उसे अपना 100 प्रतिशत दें। अगर ऑफिस में हैं तो वहां की जिम्मेदारियां पूरी तन्मयता से पूरी करें और अगर घर पर हैं तो बच्चों को पूरा वक्त दें।

वजन कम ही नहीं कर पा रही

70 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं कभी-न-कभी डाइटिंग करती हैं, बावजूद इसके कि उन्हें वजन कम करने की जरूरत हो या नहीं। अगर आप वाकई स्लिम और खूबसूरत दिखना चाहती हैं तो इस दिशा में आपको गंभीर प्रयास करना होगा। नियमित एक्सरसाइज करें या फिर जिम जाने के लिए वक्त निकालें। साथ ही इस बात को स्वीकारें कि वजन कम करना या फिर बढ़ाना आप पर पूरी तरह से निर्भर करता है, इसलिए खुद को दोष देने की जगह इस दिशा में प्रयास करें।

शॉपिंग में कुछ ज्यादा ही पैसे खर्च कर दिए

हर महिला को शॉपिंग करने में मजा आता है, पर कई लोग ढेर सारे शॉपिंग बैग के साथ घर लौटने के बाद अपराध बोध से ग्रस्त हो जाते हैं। पर आपको यह समझना होगा कि जब परिवार के अन्य सदस्यों पर खर्च करने से आपको किसी तरह का अपराध बोध नहीं होता, तो फिर खुद पर खर्च करने के बाद पछतावा क्यों? दूसरी बात यह भी है कि अगर आप शॉपिंग के दौरान खरीदे गए सामानों पर गौर करेंगी, तो पाएंगी कि आप सिर्फ उन्हीं चीजों पर खर्च कर रही हैं, जिसकी आपको वाकई जरूरत है।

कभी टाइम पर नहीं पहुंच पाती

कभी-कभार, स्थिति ऐसी पैदा हो जाती है कि लाख कोशिशों के बावजूद हम वक्त पर नहीं पहुंच पाते हैं। कभी-कभी हमारी इमेज ही लेट-लतीफ वाली बन जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि हम अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। ऑटो या बस में बैठकर और जाम में घंटों फंसे रहकर इस बात का अफसोस करने से कोई फायदा नहीं है कि आप लेट पहुंचने वाली हैं। कभी-कभार अपनी गलती के बिना भी आप किसी मीटिंग में देर से पहुंच सकती हैं। ऐसी घटनाओं के लिए खुद को दोष देना बंद करें।

खुद के लिए वक्त नहीं मिलता

सुपर वुमेन बनने की चाहत या मजबूरी के चलते महिलाओं को अक्सर खुद के लिए ही वक्त नहीं मिलता। फिर धीरे-धीरे शुरू होता है इस बात का अफसोस कि अपनी मनपसंद किताब पढ़े सालों बीत गए या फिर पार्लर जाने के लिए वक्त ही नहीं मिलता। पर आपको इस बात को समझना होगा कि कभी-कभार कुछ ना करना भी जरूरी है ताकि आप शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान बन सकें।

WAVES 2025 में इंस्टाग्राम हेड से मिलीं

श्रद्धा कपूर

कहा- भारत डिजिटल रिवोल्यूशन को लीड कर रहा है

श्रद्धा कपूर फिल्मी दुनिया में काफी कम वक्त में बहुत नाम कमा चुकी हैं. हाल ही में वो मुंबई में हो रहे WAVES 2025 में शामिल हुई थीं. इस दौरान उन्होंने भारत के डिजिटल इकोसिस्टम पर बात की है. उनके साथ इस मंच में इंस्टाग्राम हेड एडम मोसेरी भी मौजूद थे. इस इवेंट के दौरान एक्ट्रेस का ये इंटेलिजेंट साइड लोगों को काफी पसंद आया है. हर साल से ज्यादा इस साल के वेव समिट की बात चारों ओर की जा रही है.श्रद्धा कपूर ने इंस्टाग्राम हेड से बातचीत में ग्लोबल डिजिटल रिवोल्यूशन में इंडिया की पार्टिसिपेशन को लेकर चर्चा की. एक्ट्रेस ने कहा कि भारत न केवल इस चीज में पार्ट ले रहा है बल्कि इस रिवोल्यूशन को लीड भी कर रहा है. एक्ट्रेस के इस तरह के जवाब ने वहां मौजूद सभी लोगों का दिल जीत लिया है. इसके साथ ही एक्ट्रेस की इस बात पर सभी ने सहमति भी दी है. सोशल मीडिया की बात करें, तो एक्ट्रेस अपने नेटवर्किंग फीड पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं.

91 मिलियन फॉलोअर्स हैं

श्रद्धा कपूर के ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर 91 मिलियन फॉलोअर्स हैं. हालांकि, एक्ट्रेस का सोशल मीडिया अकाउंट बाकी फिल्मी सितारों से काफी अलग है. उन्होंने अपने सोशल मीडिया के जरिए असली कनेक्शन भी बनाया है. एडम मोसेरी से बातचीत में उन्होंने बताया कि आने वाला समय अलग-अलग भाषाओं और अलग-अलग संस्कृति से भरा हुआ होने वाला है. आगे उन्होंने इंस्टाग्राम के अहमियत के बारे में कहा कि इसके जरिए जमीनी स्तर से जुड़े लोगों की आवाज का जरिया है.

संस्कृति से कराया रूबरू

काफी सारे लोग एक्ट्रेस के उनके सिंपल व्यवहार के लिए पसंद करते हैं. वेव समिट के मौके पर श्रद्धा ने मोसेरी को महाराष्ट्र दिवस के मौके अपनी संस्कृति से रूबरू कराया. उन्होंने इंस्टाग्राम के हेड को घर की बनी पुरन पोली खिलाई. हालांकि, एक्ट्रेस का ये अंदाज उनकी फैन फॉलोइंग की वजह है. इस समिट के दौरान श्रद्धा का भारत के कम्युनिकेशन और कनेक्शन को आकार देने वाली डिजिटल दुनिया की गहराई समझने वाली एक्ट्रेस के तौर पर भी दुनिया से सामना हुआ है.

मेट गाला में शाहरुख-कियारा-दिलजीत का डेब्यू, भारत में कब और कैसे देख सकते हैं पूरा इवेंट?

फैशन इवेंट को लेकर हमेशा से ही काफी चर्चा होता रहता है और इस बार तो ये और खास होने वाला है. दरअसल, मेट गाला 2025 में हिंदी सिनेमा के तीन हस्ती अपना डेब्यू करने वाले हैं. इनमें शाहरुख खान, कियारा आडवाणी और दिलजीत दोसांझ का नाम शामिल है. इस साल इन तीनों सितारों को रेड कार्पेट पर देखने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हैं. पिछले साल मेट गाला में आलिया भट्ट ने भी अपना डेब्यू किया था.शाहरुख खान और कियारा पहली बार मेट गाला में डेब्यू करने जा रहे हैं. हाल ही में पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ ने भी अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर इसकी जानकारी दी है. मेट गाला 5 मई को न्यूयॉर्क शहर के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में ऑर्गेनाइज किया जाएगा. हालांकि, भारतीयों को इसके लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा. आइए आप सभी को भारत में मेट गाला को कब और कहां देखते हैं, इसके बारे में जानते हैं.

कब देखा जा सकता है?

जहां न्यूयॉर्क में ये फैशन इवेंट 5 मई को शाम 6 बजे से शुरू होगा, तो वहीं भारत में लोग इसे 6 मई को देख पाएंगे. समय की बात करें, इसे भारत में सुबह के 3.30 बजे से देख पाएंगे. इस बार भी वोग इस फैशन शो को फ्री में लाइव स्ट्रीम करेगा. इस इवेंट को वोग की वेबसाइट, डिजिटल प्लेटफॉर्म या फिर यूट्यूब पर देखा जा सकता है. मेट गाला 2025 के थीम की बात करें, तो ये सुपरफाइन- टेलरिंग ब्लैक स्टाइल है, जो मोनिका एल. मिलर की बुक स्लेव्स टू फैशन से इंस्पायर है.

डिजाइनर्स की चर्चा

बताया जा रहा है कि शाहरुख खान मेट गाला 2025 में सब्यसाची के कस्टम आउटफिट में कार्पेट पर शानदार शुरुआत करने वाले हैं. वहीं कियारा आडवाणी गौरव गुप्ता के शानदार क्रिएशन में नजर आएंगी. हालांकि, ऑफिशियल तौर पर अपने ड्रेस को लेकर कियारा काफी सीक्रेटिव रह रही हैं, लेकिन उनके आउटफिट का एक टीजर ऑनलाइन सामने आ चुका है. साथ ही ये भी बताया जा रहा है कि दिलजीत दोसांझ भी गौरव गुप्ता के कपड़ों में दिखेंगे.

इधर 'मुझसे शादी करोगी 2' में Kartik Aaryan की एंट्री की खबर आई, उधर दूध का दूध, पानी का पानी हो गया

कार्तिक आर्यन को लेकर माहौल सेट है. इस वक्त उनकी कई फिल्मों पर काम चल रहा है. फिलहाल वो अनुराग बसु की रोमांटिक फिल्म का शूट कर रहे हैं, जिसमें उनके साथ श्रीलीला भी दिखेंगी. इसके अलावा 'नागजिला', 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' भी शामिल हैं. कुछ इस साल रिलीज होंगी, तो कुछ अगले साल. बीते दिनों खबर आई थी कि साल 2004 की कॉमेडी फिल्म का सीक्वल बनेगा. इसमें कार्तिक आर्यन और वरुण धवन एक साथ आएंगे. हालांकि, अब दूध का दूध, पानी का पानी हो गया है.

इसी बीच हिंदुस्तान टाइम्स पर एक रिपोर्ट छपी. इससे पता लगा कि कार्तिक आर्यन फिल्म का हिस्सा नहीं होंगे. कार्तिक की 'मुझसे शादी करोगी 2' के लिए बातचीत करने की अफवाहें झूठी निकली.

क्या कार्तिक फिल्म का हिस्सा नहीं होंगे?

कार्तिक आर्यन इस वक्त अपनी अपकमिंग फिल्मों की शूटिंग में बिजी हैं. वहीं, उनके पास कुछ और प्रोजेक्ट हैं, जिन्हें वो पहले खत्म करना चाहते हैं. ऐसा भी अपडेट मिला है कि कार्तिक आर्यन मई में अनुराग बसु की फिल्म के लिए नॉर्थ ईस्ट में रहेंगे. इस दौरान साथ में श्रीलीला भी होंगी. हालांकि, फिल्म का नाम अबतक नहीं पता लगा है. लेकिन उनकी फिक्र से कई लुक सामने आ गए हैं, जो काफी पसंद किए जा रहे हैं.

हालांकि, कार्तिक आर्यन इस वक्त सोलो फिल्म में काम करने की प्लानिंग कर रहे हैं. एक्टर के मुताबिक, उनकी पर्सनल ग्रोथ के लिए यही सबसे बढ़िया फैसला है. हालांकि, मल्टी हीरो प्रोजेक्ट्स को लेकर वो कुछ खास इंटरेस्टेड नहीं दिख रहे हैं. दरअसल उनकी पिछली फिल्म ने जबरदस्त परफॉर्म किया था. भूल भुलैया 3 को काफी प्यार मिला था. इससे पहले कार्तिक की चंदू चैंपियन आई थी, जिसने बॉक्स ऑफिस में ठीक-ठाक कलेक्शन कर लिया था. अब उनकी अगली फिल्म का इंतजार है.

क्या सलमान-अक्षय पार्ट 2 में नहीं होंगे?

साल 2004 में 'मुझसे शादी करोगी' रिलीज हुई थी. डेविड धवन की कॉमेडी फिल्म में सलमान खान, अक्षय कुमार की जोड़ी साथ दिखी थी. वहीं, दोनों के साथ प्रियंका चोपड़ा थीं, लेकिन फिर पिंकविला पर एक रिपोर्ट छपी. जिसमें कहा गया कि सलमान खान-अक्षय कुमार का पत्ता कट गया है कार्तिक से बात चल रही है, लेकिन यह खबर भी गलत निकली.

जब शाहरुख और फराह खान ने

काजोल मुखर्जी

के साथ किया था गंदा मजाक, चोरी छिपे कर दिया था ऐसा काम

हिंदी सिनेमा में बड़े पर्दे पर जो जोड़ियां सबसे ज्यादा पसंद की गई है उनमें काजोल और शाहरुख खान की जोड़ी भी शामिल है. दोनों ने साथ में आधा दर्जन फिल्मों में काम किया और हर बार फैंस का दिल जीता. दोनों की सबसे ज्यादा पसंद की गई फिल्म है 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे'.'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' भारत की सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक है. इस फिल्म की शूटिंग के दौरान एक सीन में काजोल के नेचुरल एक्सप्रेशन के लिए फराह खान ने शाहरुख खान के साथ मिलकर काजोल के साथ कुछ ऐसा किया था जिससे एक्ट्रेस हैरान रह गई थीं. दरअसल एक सीन में काजोल को शाहरुख ने गिरा दिया था और ये बात काजोल से छिपाई गई थी.

काजोल को बिना बताए शाहरुख ने गिराया

जो किस्सा हम आपको सुना रहे हैं उसे लेकर खुद काजोल ने खुलासा किया था. ये किस्सा फिल्म के गाने 'रूक जा ओ दिल दीवाने' से जुड़ा हुआ है. इस गाने की कोरियोग्राफी करने वाली फराह खान ने गाने के आखिरी में शाहरुख को काजोल को नीचे गिराने के लिए कहा था. लेकिन नीचे गिराने वाली बात शूट के वक्त काजोल से छिपाई गई थी.

काजोल ने कहा था, फराह खान ने शाहरुख को अकेले में कहा था कि तुम काजोल के साथ डांस करते करते हुए उसे बाहों में भर लेना और फिर उसे नीचे गिरा देना, लेकिन उसको बताना नहीं. ऐसे में जब सीन शूट हुआ तो शाहरुख ने अचानक ऐसा ही किया और मैं एकदम हैरान रह गई. ऐसे में इस सीन को काफी पसंद किया गया क्योंकि मेरे एक्सप्रेशन बिल्कुल नेचुरल निकले थे.

काजोल और शाहरुख ने इन फिल्मों में शेयर की स्क्रीन

शाहरुख और काजोल जब-जब बड़े पर्दे पर साथ आए तब-तब दर्शकों को एंटरटेनमेंट का फुल डोज मिला. दोनों दिग्गजों ने बड़े पर्दे पर दिलवाले दुल्हनिया लें जाएंगे के अलावा 'बाजीगर', 'कभी खुशी कभी गम', 'कुछ कुछ होता है', 'माई नेम इज खान' और 'दिलवाले' जैसी फिल्मों में भी काम किया.